05 जून 2025 | रांची, गुरुवार | वर्ष-26, अंक- 123, पृष्ठ-12 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 10, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप के विरोध में आदिवासी संगठनों ने बुलाया था बंद

झारखंड बंद का रहा मिलाजुला असर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में सरना स्थल के पास फ्लाईओवर रैंप के निर्माण के विरोध में विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से बुधवार को बुलाए गए झारखंड बंद का मिलाजुला असर रहा। राजधानी रांची में बंद का असर देखने को मिला। पुलिस के मुताबिक विधि-व्यवस्था बनाए रखने के क्रम में रांची जिले से छह और रामगढ़ से चार, कुल 10 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की मुस्तैदी के कारण राज्य भर में देर शाम तक किसी भी अप्रिय घटना की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अभियान माइकल राज एस ने बताया कि बंद में कहीं से भी कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। बंद को लेकर सभी जिलों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। रांची के कोकर शिव मंदिर, डेलाटोली मुख्य मार्ग, हिनू, खेलगांव, कांके, पिस्का मोड़ , कचहरी चौक, कडरु, सिरमटोली चौक, टाटीसिल्वे के समीप बंद समर्थकों ने घंटो सड़क जाम रखा। कई जगहों पर बंद समर्थकों ने टायर जलाकर भी प्रदर्शन किया। इससे हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशनों जाने वाले यात्रियों वालों को असुविधा हुई। रांची में अन्य दिनों की अपेक्षा वाहन कम चले। अल्बर्ट एक्का चौक के समीप की सभी दुकानें बंद रहीं। रांची से पूर्व मंत्री गीता श्री उरांव को हिरासत में लिया गया।

आदिवासी संगठनों की ओर से बुलाया गया झारखंड बंद गुमला जिले में काफी असरदार रहा। दुकाने बंद रहीं। बाजार बंद रहे। वाहन नहीं चले। शेष पेज 11 पर

रांची जिले से छह और रामगढ़ से चार लिये गए हिरासत में | बंद को लेकर सभी जिलों में किए गए थे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

रातू रोड गैलेक्सिया मॉल के पास देर शाम तक जबरन बंद कराए रखा गया। छाया- मनोज मिश्रा

आदिवासी विकास विरोधी नहीं : बबलू मुंडा

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा, हम पिछले पांच महीने से राज्य सरकार से विनती करते आ रहे हैं, लेकिन हमारी मांगों को नहीं सुना जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासी के हितों रीति-रिवाज, परंपराओं और संस्कृति की रक्षा करने की बात कहकर सत्ता में दूसरी बार आए हैं। जबकि, मुख्यमंत्री बनने के बाद से वे आदिवासी विरोधी काम कर रहे हैं।

बंद से राज्य की छवि को होता है नुकसान : आदित्य मल्होत्रा

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा, बंद से राज्य की छवि को नुकसान पहुंचता है, राज्य की प्रगति पर असर पड़ता है। रोज कमाने-खाने वालों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। भय का माहौल पूरे दिन बना रहता है कि कहीं कोई अप्रिय घटना न घट जाए। बंदी सफल होने पर सबको लगता है बंदी ही सही रास्ता है अपनी बातों को रखने का। विकसित देशों में धरना-प्रदर्शन होता है, लेकिन काम बंद नहीं होता है।

केवल अबुआ सरकार ही आदिवासियों की है हितैषी : मुस्ताक आलम

झारखंड मुक्ति मोर्चा के रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा, केवल अबुआ सरकार ही आदिवासियों की हितैषी है, बाकी सब झूठ फैलाकर राजनीतिक रोटी सेंकने में लगे हैं। भोले-भाले आदिवासियों को बरगलाकर भाजपा अपना हित साधने में लगी है, लेकिन ऐसा हम कतई नहीं होने देंगे। रघुवर दास के समय में हड़गड़ी और अन्य मामले में आदिवासियों के उपर देशद्रोह का आरोप लगाया गया था। अबुआ सरकार आते ही उन हजारों सताए लोगों का केस माफ किया था। जनता समझ गई है कि भाजपा की झूठ की राजनीति नहीं चलने वाली, इसलिए अप्रत्यक्ष रूप से वार करने की कोशिश कर रही है और हर बार की तरह मुंह की खानी पड़ रही है। बंदी कराने वालों में अधिकतर भाजपाई थे और बंदी का असर राजधानी में बेअसर रहा।

अभिव्यक्ति की आजादी का अर्थ सेना को बदनाम करना नहीं है

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में लखनऊ की एक अदालत द्वारा जारी समन के खिलाफ गांधी द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। शेष पेज 11 पर

● सैनिकों के खिलाफ की गई टिप्पणी पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा

रांची का तापमान

कांके		रांची	
अधिक.	32.9°	अधिक.	32.0°
न्यून.	23.2°	न्यून.	22.2°

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत

समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप 82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क +91 82923 73444 कार्यकारी संपादक।

राज्य कैबिनेट की बैठक में 12 प्रस्तावों पर लगी मुहर

गीग वर्कर्स के कल्याण के लिए होगा बोर्ड का गठन

नवीन मेल डेस्क

रांची। राज्य कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में कुल 12 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर विकास और आवास विभाग के ठेकेदारों के लिए झारखंड का जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी वित सचिव प्रशांत कुमार ने दी।

कैबिनेट में झारखंड नगर पालिका संवेदक निबंधन नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। इसके तहत नगर विकास और आवास विभाग से जुड़े ठेकों में भाग लेने के लिए राज्य के साथ-साथ बाहरी संवेदकों को भी झारखंड का जीएसटी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। कैबिनेट ने जिन प्रस्तावों पर मुहर लगाई, उनमें गीग वर्कर्स के कल्याण के लिए बोर्ड का गठन भी शामिल है। झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित श्रमिक कल्याण बोर्ड के गठन को मंजूरी दी गई। यह बोर्ड जोमैटो, स्विग्गी, ओला, उबर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर काम करने वाले गीग वर्कर्स के कल्याण के लिए कार्य करेगा। इनके डाटा का संग्रहण ऑनलाइन मोड पर किया जाएगा और उनके लिए वेलफेयर फंड सृजित किया जाएगा। इसके लिए विधानसभा सत्र में विधेयक लाया जाएगा। कैबिनेट ने गृह विभाग में कार्यरत चिकित्सकों को स्वास्थ्य विभाग के अधीन करने की स्वीकृति दे दी है। उनकी सेवाओं को स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर किया जाएगा। अवैध खनन को रोकने के लिए अब निदेशक, खान और जिला स्तर के अधिकारियों को कार्रवाई और जुर्माना लगाने की शक्ति दी गई है। पहले यह अधिकार केवल राज्य सरकार के पास था। साथ ही, जेएसएमडीसी के अध्यक्ष अब खान सचिव होंगे और प्रबंध निदेशक का पद शेष पेज 11

» अवैध खनन रोकने के लिए निदेशक और जिला स्तर के अधिकारियों को कार्रवाई व जुर्माना का अधिकार

» बहाल होंगे 35 बर्खास्त सहायक शिक्षक, पेंशन भी, गढ़वा में जलापूर्ति की बड़ी योजना को मिली मंजूरी

नगर विकास विभाग के ठेकेदारों के लिए अब जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य

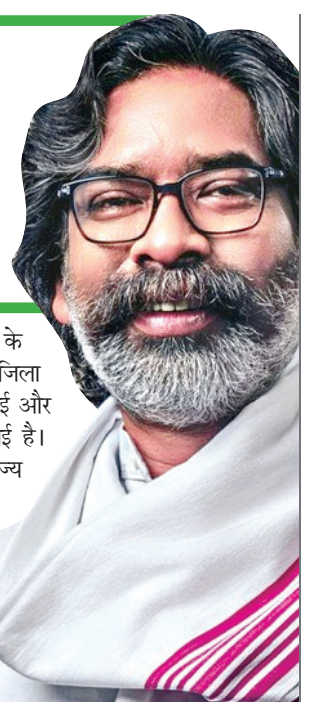

कैबिनेट के अन्य प्रमुख फैसले

- **गढ़वा** शहरी जलापूर्ति योजना के पुनरीक्षित प्राकलन के लिए 59.71 करोड़ रुपए की मंजूरी।
- **पाकुड़-बरहड़वा** मुख्य पथ से पश्चिम बंगाल सीमा तक 6.62 किमी सड़क के निर्माण के लिए 40.39 करोड़ रुपए की स्वीकृति।
- **नवनिर्मित** अभियंत्रण कॉलेज (बोकारो और गोड्डा) के लिए 85-85 शिक्षकों और 125 शिक्षकेतर कर्मियों के पद सृजित। इससे कुल 41.87 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आएगा।

दो चरणों में होगी जातीय गणना के साथ जनगणना

नई दिल्ली (आईएएनएस)

देश में जातीय गणना के साथ जनगणना दो फेज में कराई जाएगी। इसका पहला चरण एक अक्टूबर 2026 से शुरू होगा। वहीं, दूसरे चरण की शुरुआत एक मार्च 2027 से होगी। पहले फेज में जातिगत जनगणना चार राज्यों में कराई जाएगी, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। बता दें कि देश में पिछली बार जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना को मंजूरी दी गई थी। केंद्र सरकार के फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि कांग्रेस की सरकारों ने जाति जनगणना का विरोध किया है। वर्ष 1947 के बाद से जाति जनगणना नहीं हुई है। जाति जनगणना की जगह कांग्रेस ने जाति सर्वे कराया, यूपीए सरकार में कई राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से जाति सर्वे किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है और यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कई राज्यों ने सर्वे के माध्यम से जातियों की जनगणना की है। जहां कुछ राज्यों में यह कार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ है, वहीं कुछ अन्य राज्यों ने राजनीतिक दृष्टि से और गैर-पारदर्शी ढंग से सर्वे किया है। पीआईबी ने अपने बयान में बताया कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है। जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के प्रथम दिन 00:00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के असमकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 को होगी। शेष पेज 11

- **पहला चरण** 01 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा
- **दूसरे चरण** की शुरुआत 01 मार्च 2027 से होगी

प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती का निधन

नवीन मेल डेस्क

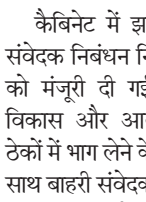

● राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने जताया शोक

रांची। रांची की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती का 85 वर्ष की उम्र में बुधवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से बीमार थीं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। डॉ चक्रवर्ती के निधन से चिकित्सा जगत में शोक की लहर है। डॉ शोभा चक्रवर्ती के निधन पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। चिकित्सा जगत में उनके अमूल्य योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। उनका जाना समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं। ॐ शांति! शेष पेज 11 पर

संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

ब्यूरो

नई दिल्ली। विपक्ष मांग कर रहा था 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की। लेकिन, केंद्र सरकार ऐसा करना नहीं चाहती थी, सो पहले तो उस पर चुप्पी साधे रही। लेकिन, जब 16 विपक्षी दलों ने पीएम को पाती लिख कर इस मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की, तो केंद्र सरकार ने शेष पेज 11 पर

● पेश किया जा सकता है बीमा संशोधन विधेयक

जीत की बेकाबू जश्न में भगदड़, 11 की मौत

50 से अधिक घायल, बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुआ हादसा

बेंगलुरु (हि.स.)

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की विक्ट्री परेड के दौरान बुधवार को मची भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत की खबर है। जबकि, हादसे में 50 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में से 27 की हालत गंभीर है, जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद स्टेडियम में प्रशंसकों की मौजूदगी में आईपीएल की विजेता टीम को सम्मानित किया गया। आरसीबी की विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मौजूद थे। पुलिस ने उन्हें काबू करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिसके बाद भगदड़ मच गई। स्टेडियम के मेन गेट के पास मची भगदड़ में लोगों की मौत हुई शेष पेज 11 पर

इंडिया

हार अगर महाराणा प्रताप गए थे, तो घास की रोटी किसने खाई थी

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बुतरस घाली ने कहा था कि तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए लड़ा जाएगा पाकिस्तान को सिंधु नदी का पानी रोकने और चीन का ब्रह्मपुत्र का पानी रोकने की भभकी का मामला कितना आगे जाएगा यह तो भविष्य की बात है पर इतना तय है कि वर्तमान में वैचारिक विश्व युद्ध सोशल मीडिया पर ही लड़ा जा रहा है जिसके उपयोगकर्ता कम पढ़े लिखे से लेकर उच्च शिक्षित तक हैं और जिन्हें पुस्तकों का अध्ययन करने की फुर्सत नहीं जिस कारण झूठी या आधी-अधूरी जानकारी से लेकर एआइ निर्मित फर्जी वीडियो तक से भ्रम फैलाना आसान हो गया है । इसमें लगे साइबर सैनिक भाड़े पर काम करते हैं और हर चुनाव के पहले पाला तक बदल लेते हैं जिससे एक बनावटी विचारधारा इस चालाकी से थोपी जाती है कि वह सच से ज्यादा विश्वसनीय लगती है और ये साइबर सैनिक उसे लाखों करोड़ों लोगों की पसंद दिखाते हैं जिससे किसी कि भी मिटटी पलीद करने का कुप्रयास किया जाता है । अभी ऐसे ही प्रयास में भारत के महापुरुषों को जातीय आधार पर बांटने और उनके त्याग तपस्या को तुच्छ साबित करने का अभियान चल रहा है जिस कारण सोशल मीडिया पर चल रहा है कि यदि सिकंदर महान था तो पोरस,सम्राट अशोक,वीर शिवाजी,पृथ्वीराज चौहान और घास की रोटी खाकर पत्थर पर सोने के बाद भी मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं करने वाले महराणा प्रताप कौन थे ? इस विवाद को हवा तब मिली जब राजघराने से संबंध रखने वाली राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर में एक कार्यक्रम में कहा, "हल्दीघाटी के शिलालेख में लिखा था कि महाराणा प्रताप यह युद्ध हार गए थे। मैंने उस शिलालेख को बदलवाया। और आज वहां लिखा है कि महाराणा प्रताप युद्ध जीते थे।" तत्कालीन संस्कृति राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पूर्व लिखित शिलापट्ट हटाने का आदेश दिया था ।असल में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (एएसआई) ने 2021 में राजस्थान के राजसमंद ज़िले के रक्ततलाई से वो विवादित शिलालेख हटा दिया था, जिस पर लिखा था कि 1576 में हल्दीघाटी की लड़ाई में महाराणा प्रताप की सेना को पीछे हटना पड़ा था। बहुचर्चित हल्दीघाटी के भीषण युद्ध में मुग़ल बादशाह अकबर की ओर से सेनापति मानसिंह और महाराणा प्रताप की ओर से सेनापति हकीम ख़ान सूर लड़ रहे थे। जोधपुर के एएसआई सुपरिटेंडेंट बिपिन चंद्र नेगी ने मीडिया से कहा था, ''1975 में जब इंदिरा गांधी इन इलाक़ों में आई थीं तब चेतक समाधि, बादशाह बाग़, रक्ततलाई और हल्दीघाटी में ये पट्टियाँ लगाई गई थीं। उस वक्त ये स्मारक केंद्र की देखरेख में नहीं आते थे। इन स्थानों को 2003 में राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया गया था, ''इतिहास के जानकारों और जनता के प्रतिनिधियों से इन शिलालेखों को हटाने के लिए कई अनुरोध आये थे। इन्हीं को देखते हुए, मैंने स्वतः संज्ञान लिया।" 2017 में राजस्थान बोर्ड की किताबों के पाठ्यक्रम में हल्दीघाटी के युद्ध के विवरण बदल दिए गए थे जिसे लिखने वाले चंद्रशेखर शर्मा ने दावा किया था कि 'ऐसे कई तथ्य हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि लड़ाई के नतीजे महाराणा प्रताप, मेवाड़ के राजपूत राजा के पक्ष में रहे। परिणाम की समीक्षा के लिए कुछ बिंदु विचारणीय हैं। अकबर का उद्देश्य भीलों के सहयोग से अजेय युद्ध कर रहे महाराणा प्रताप को ज़िंदा पकड़ना था और वो मेवाड़ को मुग़ल साम्राज्य में मिलाना चाहता था और दोनों ही उद्देश्यों में वो विफल रहा। इससे साबित होता है कि अकबर की विजय नहीं हुई । मुग़लों का मेवाड़ की सेना का पीछा न करना। ये ऐसे बिंदु हैं जो हल्दीघाटी का परिणाम प्रताप के पक्ष में लाकर खड़ा कर देते हैं।" 'महाराणा प्रताप- द इनविंसिबिल वारियर' की लेखिका रीमा आहूजा के अनुसार, "इस युद्ध में महाराणा प्रताप और मान सिंह के बीच ज़बरदस्त लड़ाई हुई और मानसिंह के हाथी की सूंढ़ में लगी तलवार से प्रताप का घोड़ा चेतक बुरी तरह घायल हो गया।" "मेवाड़ की फ़ौज के जनरलों ने तय किया कि पीछे हट जाना चाहिए और महाराणा प्रताप को युद्ध क्षेत्र से निकल जाना चाहिए। यह लड़ाई उसी दिन समाप्त हो गई थी।" हल्दीघाटी की लड़ाई को मुग़लों की स्पष्ट जीत नहीं कहा जा सकता, क्योंकि अबुल फ़ज़ल समेत उस समय के कई इतिहासकारों ने लिखा है कि अकबर इस लड़ाई के परिणाम से बहुत ख़ुश नहीं थे ।उनका कहना है कि उन्होंने बहुत समय तक इस लड़ाई के सेनापतियों मान सिंह, आसफ़ ख़ाँ और काज़ी ख़ाँ को अपने दरबार में पेश होने की इजाज़त नहीं दी ।हल्दीघाटी की लड़ाई के बाद महाराणा प्रताप अकबर की सेना के ख़िलाफ़ छापामार युद्ध करने लगे। वो मुग़लों पर घात लगाकर हमला करते और फिर जंगलों में ग़ायब हो जाते ।क़रीब दो दशक तक वह इसी तरह युद्ध लड़ते रहे। 1596 में शिकार खेलते समय घायल होने के दो साल बाद 57 साल की उम्र में उनका देहांत हो गया। राजनीति जो कहे पर राजस्थान की वीर भूमि के लोकगीतों और भारत की लोककथाओं में महाराणा आज भी गौरव और स्वाभिमान के प्रतीक हैं।

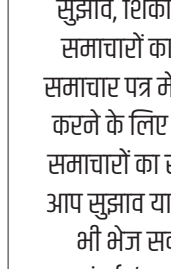

हम एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे

राष्ट्रीय नवीन मेल

वसंत जमशेदपुरी

हमारा देश भारत आरंभ से ही एक शांतिप्रिय देश रहा है, दूसरे की संप्रभुता का सदैव सम्मान किया है हमने, किंतु इसे कुछ दुराग्रही हमारी कमजोरी समझते हैं और जब-तब हमारी सहिष्णुता को आघात पहुंचाते रहते हैं। ऐसा ही कुछ पिछले दिनों हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान ने किया। अपने आतंकवादियों को भेज कर हमारे 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। यह हमारी सहनशीलता को खुली चुनौती थी। फिर क्या था, हमारे प्रधानमंत्री जी ने सेना को खुली छूट दे दी। सेना ने भी कुशल रणनीति का परिचय दिया और सीमा पार की हर कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दिया। जल सेना, वायु सेना और थल सेना ने दुश्मन के आतंकी ठिकानों को तहस-नहस कर दिया और उसके सैनिक ठिकानों को भी निशाना बनाया। पूरा विश्व हतप्रभ रह गया भारत की इस आक्रामकता को देख का नाम दिया 'ऑपरेशन सिंदूर'। दुश्मन दो ही दिन में घुटने के बल आ गया और युद्ध विराम के लिए गिड़गिड़ाने लगा। भारत ने भी युद्ध विराम को स्वीकृति दे दी, क्योंकि शत्रु को पर्याप्त उत्तर मिल चुका था। शत्रु पर इस कठिन प्रहार का पूरे देश ने स्वागत किया। सेना के सम्मान में तिरंगे फहराए गए। शहीद सैनिकों को नमन और श्रद्धांजलि। देश ने एक बार फिर से सिद्ध कर दिया कि हम एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे। जय हिंद, जय हिंद की सेना।

रांची में तेज आंधी और बारिश, कई जगहों पर गिरे पेड़, कार क्षतिग्रस्त

● बाइपास रोड में गिरा पेड़ रास्ता हुआ बंद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बुधवार की दोपहर राजधानी में अचानक मौसम ने करवट ली, जिसके बाद जमकर बारिश हुई। बारिश के बीच तेज हवाओं के चलने से कई स्थानों पर पेड़ गिर गए। पेड़ गिरने की वजह से रांची में कुछ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। बता दें कि अभी तक झारखंड में मानसून की एंट्री नहीं हुई है। फिलहाल प्री मानसून बारिश हो रही है। राज्य में मानसून की एंट्री 10 जून से होने के आसार हैं। फिलहार गुरुवार से राज्य में तापमान बढ़ने की संभावना है। फिलहाल लोगों को मानसून की बारिश के लिए एक सप्ताह का इंतजार करना होगा।

बुधवार की दोपहर रांची में हुए तेज बारिश के बीच हरमू बाइपास के पास एक बड़ा पेड़ जमीन पर आ गिरा। पेड़ गिरने की वजह से सड़क के किनारे खड़े कई वाहन उसकी चपेट में आ गए। पेड़ की चपेट में आने से एक कार सहित कई बाइक क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं बीच सड़क पर पेड़ गिरने की वजह से काफी देर तक हरमू बाइपास रोड पर एक तरफ वाहनों का आना-जाना बंद रहा। जिसके बाद नगर निगम की मदद से स्थानीय लोगों ने पेड़ की डाली को काटकर उसे रास्ते से हटाया। तब जाकर सड़क पर आवागमन शुरू हो सका।

कार और बाइक क्षतिग्रस्त

हरमू बाइपास के पास में पेड़ गिरने की वजह से एक कार और तीन से चार बाइक क्षतिग्रस्त हो गए। स्थनीय लोगो ने मिलकर पेड़ की डालियों को काट काट कर अलग किया, जिसके बाद दबी हुई कार और बाइक को बाहर निकाला जा सका।

राष्ट्र द्रोही बयान दे रहे राहुल गांधी : बाबूलाल मरांडी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। श्री मरांडी ने कहा कि राहुल गांधी राष्ट्र विरोधी व भारत विरोधी शक्तियों के हाथों खेल रहे हैं। उन्हें अपने पद और दायित्व की मर्यादा मालूम नहीं है। उन्होंने कहा कि पद पाना और उसके अनुरूप आचरण करना दोनों में बड़ा अंतर है। उनके व्यवहार,और बयानों से बार- बार ऐसा लगता है कि वे इसके काबिल नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी इन्होंने कई बार अपनी अल्प ज्ञान और योग्यता, छोटी सूझबूझ का परिचय दिया है।

श्री मरांडी ने कहा कि राहुल गांधी ही हैं जिन्होंने अपने पार्टी के नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कैबिनेट में लिए फैसले को चौराहे पर फाड़ दिया था।

इसके अलावा विदेशी धरती पर भारत की आलोचना करना,चीन के पक्ष में खड़े रहना, ऑपरेशन और सर्जिकल स्ट्राइक का सेना से प्रमाण और सबूत मांगना इनकी अल्पज्ञात और देश की सेना, संविधान और राष्ट्र के प्रति नफरत को बताता है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी रोज अपने बयानों से देश की 140 करोड़ जनता को अपमानित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर तीव्र गति से अग्रसर है। वहीं राष्ट्र विरोधी शक्तियों को उनके घर में घुसकर मुहतोड़ जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस को नेस्तनाबूद करके ही दम लेंगे। कांग्रेस मुक्त भारत का संकल्प वही पूरा करेंगे।

जैक बोर्ड : इंटर आर्ट्स का रिजल्ट आज

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने इंटर आर्ट्स के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। 5 जून गुरुवार को दिन के 12 बजे जैक द्वारा इंटर आर्ट्स का रिजल्ट जारी किया जाएगा। जैक के अध्यक्ष डॉ नटवा हंसदा द्वारा यह रिजल्ट जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि जैक द्वारा 31 मई को इंटर कॉमर्स और साइंस का परिणाम जारी किया जा चुका है। अब गुरुवार को आर्ट्स के छात्रों का इंतजार खत्म होगा और वे अपना परिणाम देख सकेंगे।

गुरु नानक सेवक जत्था के प्रतिनिधिमंडल से मिले सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ बुधवार को नई दिल्ली स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब में गुरु नानक सेवक जत्था के 170 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस तीर्थयात्रा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में श्री हेमकुंट साहिब यात्रा कर रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, रातू रोड, रांची का प्रतिनिधित्व करता है। हर साल आयोजित होने वाली यह यात्रा उत्तराखंड में श्री हेमकुंट साहिब के पवित्र तीर्थस्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने में सिख समुदाय की भक्ति और समर्पण का प्रमाण है। इस जगह में उमेश मुंजाल, रमेश टेहरी, भरत गाबा, वीरू सिंह, समीर सिंह, गगन गिरधर, निखिल गिरधर, कौशिक अरोड़ा, शामिल थे।

बकरीद को लेकर डीजीपी ने की सुरक्षा व विधि-व्यवस्था की समीक्षा

सोशल मीडिया पर रहेगी निगरानी व डीजे पर रोक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बकरीद पर्व को लेकर राज्यभर में विधि व्यवस्था व सुरक्षा संबंधी तैयारियों की समीक्षा डीजीपी अनुराग गुप्ता ने की। बैठक के दौरान राज्य पुलिस के आला अधिकारियों के साथ सभी रेंज के आईजी, डीआईजी और जिलों के एसपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। बैठक के दौरान डीजीपी ने सोशल मीडिया पर निगरानी का आदेश दिया। साथ ही डीजे पर भड़काऊ गाने बजाने पर रोक लगाने का आदेश दिया गया है। डीजीपी ने आदेश दिया है कि बीते सालों में बकरीद या अन्य मौके पर सांप्रदायिक घटनाओं के मामलों में दर्ज कांडों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। बकरीद के मद्देनजर असामाजिक तत्वों के विरूद्ध अपेक्षित निरोधात्मक कार्रवाई करने, विधि-व्यवस्था संधारण के लिए दंडाधिकारी एवं बलों की विशेष निगरानी डीजीपी ने जिलों में दंगारोधी सुरक्षा उपकरणों, दंगारोधी वाहन, वाटर केनन की उपलब्धता एवं एंटी रॉयट कंट्रोल ड्रील की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। इस दौरान वारंटियों पर कार्रवाई, कुर्की वारंट के तामिला, प्रतिबंधित पशुओं की तस्करी पर निगरानी का विशेष निर्देश भी दिया गया है। बैठक के दौरान सभी प्रक्षेत्रीय आईजी/क्षेत्रीय डीआईजी द्वारा आगामी त्योहार के मद्देनजर विधि-व्यवस्था संधारण के लिए बनाए गए रणनीतियों की क्षेत्रवार प्रस्तुति दी। बैठक में एडीजी प्रिया दूबे, आईजी अभियान माईकलराज एस, आईजी जगुआर अनुप बिरथरे, डीआईजी जगुआर इंद्रजीत माहथा, विशेष शाखा के एसपी मूमल राजपुरोहित भी पुलिस मुख्यालय से मौजूद थे।

संवेदनशील स्थानों के आसपास की सुरक्षा बढ़ाएं

धर्मस्थलों के आसपास बढ़ाएं सुरक्षा डीजीपी ने जिलों के एसपी को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों व संवेदनशील स्थानों के आसपास की सुरक्षा बढ़ाएं। ऐसी जगहों पर सीसीटीवी लगवाएं। साथ ही वीडियोग्राफी और ड्रोन से निगरानी की भी व्यवस्था की जाए। जिलों में संयुक्त नियंत्रण कक्ष तथा आपातकालीन योजना तैयार करने का निर्देश भी जिलों के एसपी को दिया गया। जिला, थाना स्तरीय शांति समिति की बैठक का निर्देश भी डीजीपी ने दिया।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत के मामले में स्कूटी सवार पर केस

रांची। रांची के धुर्वा छोटा डैम के पास दो दिन पहले सड़क हादसे में दो युवकों की मौत के मामले में विधानसभा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दर्ज प्राथमिकी में स्कूटी सवार चालक को आरोपी बनाया गया है। डैम साइड निवासी प्रबल कुजूर की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी में कहा गया है कि उनका बड़ा भाई पंकज कुजूर और नवीन एक्का बाइक से तिरिल बस्ती से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान स्कूटी सवार ने उनके भाई की बाइक में लापरवाही से चलाते हुए जोरदार धक्का मार दिया। इससे उनके भाई समेत दो लोगों की मौत हो गयी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

घर में सोया रहा परिवार चोर दो लाख के जेवर ले भागे

रांची। रांची के हटिया लटमा रोड के रहने वाले शिव विमल टोप्पो के घर में घुसकर चोरों ने नगदी समेत दो लाख के जेवरात लेकर फरार हो गए। घटना एक जून की है। इस संबंध में शिव विमल टोप्पो ने जगन्नाथपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिव विमल टोप्पो ने पुलिस को बताया कि एक जून की रात वे परिवार के साथ होटल में खाना खाने के बाद रात साढ़े दस बजे घर पहुंचे। दूसरे दिन दो जून को जब वे उठे तो देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था। अलमीरा में रखे एक लाख नगद और एक लाख के जेवर गायब थे। इसके बाद वह थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव से राजकोष की होगी बचत : सुनील कुमार सिंह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने एक देश– एक चुनाव पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि "एक देश– एक चुनाव" कराने से केंद्र के राजकोष की बचत होगी। क्योंकि, हर 5 पांच साल में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी होता है। वहीं, देश में हर साल अलग-अलग समय पर विधानसभा चुनाव होते हैं। इसकी जिम्मेदारी भारतीय निर्वाचन आयोग की होती है। जिससे चुनावी खर्च का बोझ देश पर पड़ता है। एक ही समय पर चुनाव होने से राजकोष की बचत होगी। सुनील सिंह ने कहा कि चुनाव के समय राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाती है और यह परिणाम जारी होने तक लागू रहती है। ऐसे में इससे विकास परियोजनाओं में देरी होती है। "एक देश एक चुनाव" होने पर ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान अक्सर जांच एजेंसियों द्वारा काले धन के उपयोग को लेकर आरोप लगाए जाते हैं। ऐसे में एक देश एक चुनाव होने पर इस तरह की घटनाओं पर रोक लगेगी।

वृद्ध महिला के गले में पड़ी सोने की चेन छिना

रांची। पंडरा ओपी क्षेत्र के शाहदेवनगर में दुकान से दूध लेकर घर लौट रही वृद्ध महिला से दो उचक्कों ने गले में पड़ी सोने की चेन छिन ली। चेन छिनतई के बाद उचक्के बाइक से भाग निकले। मामले में पीड़िता सुनीता देवी की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया गया कि वह सुबह में आवास के समीप की एक दुकान से दूध लेकर घर लौट रही थी। इसी क्रम में बाइक से आये दो उचक्कों ने गले में पड़ी दस ग्राम वजन की चेन की छिनतई कर ली। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने हुलिया के आधार पर उचक्कों की आसपास के इलाके में तलाश की, लेकिन उनका कहीं सुराग नहीं मिला

निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

प्रदेश अध्यक्ष केशव कमलेश कल करेंगे वर्चुअल बैठक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में प्रस्तावित नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। पार्टी संगठन सृजन अभियान के साथ-साथ प्रखंडों में संविधान बचाओ रैली, पेसा कानून की मजबूती और सरना धर्म कोड पर जन-जागरूकता अभियान को धार देने के लिए रणनीति तैयार कर रही है। इसी क्रम में 6 जून को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से राज्य के 18 जिलों के जिलाध्यक्षों, जिला पर्यवेक्षकों और नगर निकाय पर्यवेक्षकों से संवाद स्थापित करेंगे। यह बैठक तीन चरणों में जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने जानकारी दी कि बैठक में संगठन विस्तार पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसमें प्रखंड कांग्रेस कमिटी और मंडल कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों की नियुक्ति, वार्ड कांग्रेस कमिटी के गठन और संविधान बचाओ रैली की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, पेसा कानून और सरना धर्म कोड से जुड़े जन-जागरूकता अभियान की रणनीति भी तय की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश इन बैठकों के माध्यम से सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश देंगे, ताकि चुनावी तैयारियों को ज़मीनी स्तर पर और अधिक मजबूती दी जा सके।

सरना आदिवासी विरोधी है राज्य सरकार : आजसू पार्टी

● आदिवासी आस्था से खिलवाड़ बंद करे राज्य सरकार : आजसू पार्टी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार सरना आदिवासी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं को संरक्षित करने में विफल रही है। झामुमो–कांग्रेस की सरकार सरना आदिवासी विरोधी है, इसलिए बार बार सिरम टोली सरना स्थल के सामने रैंप निर्माण का विरोध होने के बावजूद उनकी मांगों तथा भावनाओं को उपेक्षित किया जा रहा है। राज्य सरकार आदिवासियों की आस्था से खिलवाड़ बंद करे।

आजसू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि झारखंड बंद की सफलता के लिए सरना आदिवासी संगठनों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आजसू आरंभ से ही आदिवासी संगठनों की मांगों का नैतिक समर्थन कर रही है। अगर राज्य सरकार चाहती तो सिरम टोली रैंप विवाद का समाधान कर सरना स्थल का मार्ग बाधित होने से बचाया जा सकता था। लेकिन राज्य सरकार ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के निर्देशों के बावजूद रैंप निर्माण नहीं रोका गया। राज्य सरकार हिटलरशाही पर उतर आई है।

डॉ भगत ने कहा कि यह सरकार लगातार सरना आदिवासियों के धार्मिक स्थलों, जमीन, संस्कृति और अस्तित्व पर प्रहार कर रही है, जिससे स्पष्ट होता है कि इसकी नीयत और नीति दोनों में खोट है। डॉ भगत ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासियों को हक नहीं देना चाहती, जिसका प्रमाण है पेसा कानून लागू नहीं करना। कल ही लापुंग में जमीन रक्षा के लिए आयोजित पड़हा समिति की बैठक में आए आदिवासियों पर पुलिस ने लाठी–गोली चलाई और उल्टा आरोप आदिवासियों पर मढ़ दिया गया।

जीएसटी घोटाले के आरोपी ने जमानत की गुहार लगाई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 800 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाला के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी जमशेदपुर के कारोबारी विक्की भालोटिया ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। उसपर शेल कंपनियों के नाम पर जीएसटी इंट्री कर 800 करोड़ से अधिक के फर्जीवाड़े का आरोप है। इस मामले की जांच इडी कर रही है। इस मामले में अब तक 4 आरोपियों को ईडी ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में शिव कुमार देवड़ा, जमशेदपुर के जुगसलाई का कारोबारी विक्की भालोटिया, कोलकाता के कारोबारी अमित गुप्ता और मोहित देवड़ा शामिल हैं। फिलहाल सभी आरोपी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में न्यायिक हिरासत में बंद हैं।

राष्ट्रव्यापी विकसित कृषि संकल्प अभियान

बीएयू ने 6 दिनों में 63 हजार से अधिक किसानों को किया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के किसानों को नवीनतम कृषि एवं पशुपालन तकनीक से अवगत कराने तथा झारखंड सरकार एवं केंद्र सरकार की किसान कल्याण योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने बताया कि 29 मई से प्रारंभ हुआ यह अभियान 12 जून तक चलेगा। उन्होंने बताया कि बीएयू के नियंत्रणाधीन राज्य के 16 जिलों में अवस्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के नेतृत्व में 29 मई से 3 जून तक इन जिलों के 646 गांवों में 63,207 किसानों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया गया। अभियान के तहत खरीफ मौसम की मुख्य फसलों जैसे – धान, मक्का, मोटे अनाज (श्री अन्न), अरहर, उड़द, मूँग, सोयाबीन, मूंगफली, तिल, सरगुजा की खेती की उन्नत तकनीक, मिट्टी जाँच का महत्व तथा मिट्टी जाँच के आधार पर पोषक तत्वों का व्यवहार, फसल सुरक्षा के उपाय, फलों एवं सब्जियों की उन्नत कृषि तकनीक, गर्मी एवं बारिश के मौसम में पशु–पक्षियों की देखभाल, पोषण, प्रबन्धन एवं रोग निदान आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गयी।

इसी प्रकार प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मोटे अनाज की खेती, किसानों की स्वदेशी किस्मों एवं पद्धतियों के संरक्षण, कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन विषय पर भी विस्तृत तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी गयी। इसके अलावा केंद्र एवं झारखंड सरकार की कृषि से संबंधित योजनाओं जैसे – प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पारम्परिक कृषि विकास योजना, कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन, कृषि विस्तार पर उप मिशन, किसान क्रेडिट कार्ड, मिलेट मिशन योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, झारखंड किसान समृद्धि योजना, बिरसा बीज उत्पादन एवं फल विस्तार योजना, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी तथा किसानों से इन योजनाओं से जुड़कर लाभ उठाने का आह्वान किया गया। कुलपति डॉ दुबे ने बताया कि अभियान के तहत 16 जिलों में 36 टीमों का गठन किया गया है, जिनमें बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों के 56 वैज्ञानिक, विश्वविद्यालय के मुख्यालय, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों से 24 वैज्ञानिक, झारखंड में अवस्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों से 29 वैज्ञानिक एवं राज्य सरकार के कृषि विभाग एवं संबन्धित विभागों के जिला एवं प्रखंड स्तर के 78 पदाधिकारी शामिल हैं।

प्रत्येक टीम प्रतिदिन 3 गाँवों में कार्यक्रम आयोजित कर रही है। विश्वविद्यालय स्तर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ रेखा सिन्हा एवं नोडल पदाधिकारी डॉ बीके अग्रवाल प्रतिदिन इस अभियान की प्रगति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। यह अभियान 12 जून तक चलेगा।

जमीन पर काम करवा रही महिला को पीटा, प्राथमिकी दर्ज

रांची। रांची के नयासराय की रहने वाली निलोफर वाहिद ने तबरेज अहमद, आफताब आलम, अंजना लिंडा समेत अन्य के विरूद्ध विधानसभा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। निलोफर ने आवेदन में कहा कि वह दो जून को अपने सपारोम स्थित जमीन पर निर्माण करा रही थी। इसी दौरान आरोपी अपने अन्य सहयोगियों के साथ पहुंचा। मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान चेन समेत अन्य चीजें लूट ली। धमकी दी कि इस जमीन पर काम किया तो हत्या कर देंगे। इसके बाद वह थाना पहुंची और मामला दर्ज कराया। पुलिस जांच में जुट गई है।

आज से 15 अगस्त तक एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम चलाएगी भाजपा : बालमुकुंद सहाय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने बताया कि

भाजपा के लाखों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकल्पित हैं। यह कार्यक्रम 5 जून (पर्यावरण दिवस) से प्रारंभ होकर 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) तक चलेगा। वहीं कहा कि प्रदेश के सभी 29 हजार बूथों के प्रत्येक गांव, टोले व मुहल्ले में लाखों पेड़ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं बल्कि एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं जिन्हें समाज के अन्य समस्याओं की भी चिंता रहती है। भाजपा कार्यकर्ता देश के लिए जीता और मरता है। उन्होंने कहा कि 5 जून को प्रदेश के सभी शीर्ष नेता,पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि अपने- अपने क्षेत्रों में पौधरोपण करेंगे। बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह साहेबगंज में पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर, कूल्ही, डॉ प्रदीप वर्मा नामकुम के होरहाप और तुपुदाना में, रांची महानगर में विधायक सीपी सिंह लालपुर मंडल में, विधायक नवीन जायसवाल अरगोड़ा मंडल में, बालमुकुंद सहाय सुखदेव नगर दक्षिण, पहाड़ी मंदिर के पास पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

झारखंड बिजली बोर्ड के सहायक अभियंता को दिल्ली में मिला सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नई दिल्ली स्थित सतगुरु रविदास रिसर्च एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित बेगमपुराः ए रोड टू वर्ल्ड पीस एंड हार्मनी विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड बिजली बोर्ड के सहायक विद्युत अभियंता संजय कुमार महतो को उनके सामाजिक कार्यों मे भागीदारी को देखते हुए सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन मे विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे और कैसे अपने अपने शहरों को बेगमपुरा शहर की तर्ज पर विकसित करें इसपर मंथन किया गया। कांफ्रेंस में इंग्लैंड, इटली, पुर्तगाल के अलावे कई अन्य देशों के डेलीगेट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में दिल्ली सरकार के सामाजिक कल्याण मंत्री रविंदर इन्दर सिंह स्पेशल गेस्ट, मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत, यूजीसी के ज्वाइंट सेक्रेटरी जीएस चौहान मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सरना स्थल बचाओ मोर्चा और आदिवासी बचाओ मोर्चा का झारखंड बंद

राजधानी में दिखा बंद का मिलाजुला असर, कई जगह सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता। रांची। केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली बचाओ मोर्चा और आदिवासी बचाओ मोर्चा के द्वारा सिरमटोली रैंप निर्माण के विरोध समेत अन्य मांगों को लेकर बुधवार को बुलाए गए झारखंड बंद का राजधानी के बाजारों में मिलाजुला असर दिखा। शहर के अधिकांश बाजारों में सुबह में दुकानें खुली रहीं। सुबह 11 बजे के बाद अलग-अलग इलाकों में बंद समर्थकों का निकलना शुरू हुआ, जिससे एहतियात के तौर पर कारोबारियों ने अपनी दुकानें बंद करनी शुरू कर दीं। मेन रोड में सुबह कुछ दुकानें बंद थीं। लेकिन, दोपहर के समय बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ज्वेलरी शॉप्स समेत अन्य प्रतिष्ठानों पर ताले लटक गए। क्लब रोड स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में सुबह से दुकानें बंद रहीं। हिनू में कुछ दुकानों को छोड़कर करीब तीन बजे तक सभी दुकानें बंद रहीं। हालांकि, हरमू बाजार, डोरंडा इलाके में बंद का उतना असर नहीं दिखा। इसी तरह एचबी रोड, लालपुर, क्लब रोड, कोकर समेत कई इलाकों में सुबह सामान्य दिनों की तरह दुकानें खुलीं। पर, बंद समर्थकों द्वारा विरोध-प्रदर्शन के बाद कई कारोबारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं।

● हिनू, मेन रोड और कांटाटोली में बंद का असर ● हरमू-डोरंडा और लालपुर में खुली रहीं दुकानें

प्रशासन ने बंद समर्थकों को किया गिरफ्तार

रांची। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत झारखंड बंद के दौरान केन्द्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा एवं जगलाल पहान के अगुवाई में केंद्रीय सरना समिति एवं चडरी सरना समिति के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने झारखंड बंद कराने सड़कों पर उतरे। बंद की शुरुआत केंद्रीय सरना समिति के प्रधान कार्यालय लाइन टैंक रोड ढहऊ क्वार्टर होते हुए लाइन टैंक रोड चडरी एचबी रोड होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंच कर दुकानदारों से शांतिपूर्वक बंद करने की अपील की। वहीं अल्बर्ट एक्का चौक पर ही धरने में बैठ गए। इस दौरान सभी बंद समर्थकों ने गिरफ्तारी दी। केंद्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप विवाद,आदिवासियों के धार्मिक स्थल मरांग बुरू,पारसनाथ हिल्स गिरिडीह, लुगु बुरू, मुधर हिल्स पिठोरिया, दिउरी दिरी तमाड़ और बेड़ो महादानी सरना स्थल को बचाने समेत कई मुद्दों को लेकर झारखंड बंद बुलाया गया है। जगलाल पहान ने कहा कि जिस दिन हमारी संस्कृति व परंपरा खत्म हो जाएगी उसी दिन आदिवासी समाज खत्म हो जाएगा।

● आदिवासी संगठनों का झारखंड बंद रहा असरदार: बबलू मुंडा

बंद का यातायात व्यवस्था पर पड़ा प्रभाव

रांची। बंद का यातायात व्यवस्था पर प्रभाव पड़ा। राजधानी में प्रवेश का रास्ता ही बंद कर दिया गया था। इससे कई लोगों को फ्लाइट, ट्रेन व बसें छूट गई। बंद से राजधानी की गति थम गई थी। वहीं दूसरी तरफ राजस्व का भी नुकसान हुआ। खादगढ़ा और आईटीआई बस स्टैंड में बंद का असर देखा गया। लंबी दूरी की बसें नहीं चली। खादगढ़ा बस स्टैंड में 35 से 40 हजार और आईटीआई बस स्टैंड में 25 से 30 हजार के राजस्व की क्षति हुई। वहीं रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम सूची सिंह ने बताया कि ट्रेन के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। हालांकि दोपहर में हीनू के पास जाम था जिस कारण कुछ लोगों को रांची स्टेशन पहुंचने में बाधा हुई। एक- दो लोगों की ही ट्रेनें छूटी है वे भी दूसरे ट्रेन से प्रस्थान कर गए। स्टेशन पर किसी प्रकार का हंगामा नहीं हुआ। पैसेंजर की आवाजाही कल से भी ज्यादा थी। राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता ने बंद के कारण अतिरिक्त सुविधाएं पैसेंजर को उपलब्ध कराने की बात पूछी गई तो उन्होंने कहा कि इसकी आवश्यकता ही नहीं पड़ी। सभी कुछ अन्य दिनों की तरह सामान्य रहा।

● कई लोगों की छूटी फ्लाइट व ट्रेन

बंदी के दौरान उपद्रव फैलाने वाले के विरुद्ध पुलिस ने की कार्रवाई

रांची। आदिवासी बचाओ मोर्चा और केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली बचाओ मोर्चा ने झारखंड बंद कराने के दौरान विभिन्न जगहों पर सड़क जाम कराया एवं दुकानें बंद कराई। बंद के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने प्रभावी के सुरक्षा उपाय किए थे। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई थी, ताकि कोई भी अप्रिय घटना ना हो सके। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के क्रम में रांची जिला से 06 एवं रामगढ़ जिला से 04 कुल 10 लोगों पर निवारक निरोध किया गया। पुलिस की मुस्तैदी के कारण राज्य भर में कहीं से किसी भी अप्रिय घटना की पुष्टि नहीं हुई है।

सिरमटोली फ्लाईओवर मामले में समाधान निकालें सीएम : बाबूलाल

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम पर गंभीर भावनात्मक मुद्दों से आंख मूंद लेने का आरोप लगाया। श्री मरांडी ने कहा कि सिरमटोली फ्लाइओवर विवाद के संदर्भ में झारखंड के आदिवासी संगठनों ने फिर से बंद आहूत किया है। कहा कि सीएम हेमंत सोरेन को पता है कि सिरमटोली फ्लाईओवर मामले में बीते कई महीनों से आदिवासी संगठन अपनी मांग उठा रहे हैं। लेकिन राज्य सरकार असंवेदनशील बन गई है और आदिवासी समाज को आंदोलन, प्रदर्शन के लिए बाध्य कर रही है। श्री मरांडी ने सीएम से आग्रह किया है कि आदिवासी समाज की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाए बगैर गतिरोध समाप्त किया जाए।

आदिवासी मुख्यमंत्री होने पर भी हो रहा है आदिवासियों का शोषण : बबलू मुंडा

मनोज मिश्रा

रांची। केंद्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा ने राष्ट्रीय नवीन मेल से विशेष बातचीत में कहा कि बंदी असरदार रहा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज विकास विरोधी नहीं है, परंतु हमलोग पांच महीने से राज्य सरकार से मांग कर रहे हैं कि हमारे आस्था के केंद्र से खिलवाड़ न करते हुए रैंप को आगे किया जाए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासी के हितों की बात करके ही दूसरी बार सत्ता में आए। आदिवासियों के रीति-रिवाज, परंपराओं और संस्कृति की रक्षा करने की बात कहकर सत्ता में काबिज हुए। वहीं मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही आदिवासी विरोधी काम कर रहे हैं। शराब नीति ला रहे हैं, ग्राम सभा के माध्यम से गांव-गांव में शराब केंद्र खोलना चाहते हैं। ऐसे ही हड़िया,महुआ से आदिवासी समाज ग्रसित है। गांव में बार खोलकर खास षडयंत्र के तहत दारू पिलाकर आदिवासियों की जमीन को लूटना चाहते हैं। श्री मुंडा ने कहा कि आदिवासी बेटी-बहन के साथ बलात्कार की घटनाएं हो रही है और सरकार मौन है। पुलिस प्रशासन केस लेने को तैयार नहीं होती है। आदिवासी मुख्यमंत्री का झारखंड में रहने का क्या मतलब जब आदिवासियों की रक्षा ही नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार में आदिवासी गर्त में जा रहे हैं। ईसाईयों के दबाव में राज्य सरकार पेसा कानून नहीं ला रही है। जबकि धर्मांतरित आदिवासी पेसा की मांग कर रहे हैं। आदिवासी के नाम पर धर्मांतरित आदिवासी जो आदिवासी नहीं है अपनी मूल संस्कृति से कटकर ईसाई बन गए हैं, वे आदिवासियों का हक मारना चाहते हैं। पेसा लागू होने से धर्मांतरित आदिवासियों को पूरा लाभ मिलता रहेगा और जो सही में आदिवासी हैं अपने हक व अधिकार से वंचित हो जाएंगे। इस बंदी के माध्यम से राज्य सरकार को बता देना चाहते हैं कि आदिवासियों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बंदी किसी भी समस्या का समाधान नहीं : आदित्य मल्होत्रा

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने राष्ट्रीय नवीन मेल से विशेष बातचीत में कहा कि बंदी से राज्य के विकास की गति ठहर जाती है। किसी कारोबार, पढ़ाई या अन्य कार्य के लिए जो दिन बीत जाता है वह वापस नहीं आता है। उसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। किसी भी समस्या का समाधान बंदी नहीं होता है। इससे राज्य व देश की प्रगति रुक जाती है। बंद से राज्य की छवि को नुकसान पहुंचता है। राज्य की प्रगति पर भी असर पड़ता है। रोज कमाने-खाने वालों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। भय का माहौल पूरे दिन बना रहता है कि कहीं कोई अप्रिय घटना न हो जाए। प्रशासन को भी अलर्ट रहना पड़ता है। काम के माहौल से भटकाव आता है। बंदी सफल होने पर सबको लगता है बंदी ही सही रास्ता है अपनी बातों को रखने का। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्रों को देखें तो वहां बंद की अनुमति नहीं है। धरना-प्रदर्शन हो सकता है लेकिन काम को रोक दिया जाए यह विकसित देशों में नहीं होता है।

भोले-भाले आदिवासियों को बरगला रही भाजपा : मुस्ताक आलम

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा कि जब से अबुआ सरकार आई है आदिवासियों के हितों में ही काम किया जा रहा है। रघुवर दास के समय सरना कोड को अटकाया गया था, हड़गड़ी और अन्य मामले को लेकर भोले-भाले हजारों आदिवासियों को देश-द्रोह में फंसाया गया था। अबुआ सरकार आते ही सरना कोड की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया और हजारों लोगों पर दर्ज केस को खत्म किया जिसे भाजपा ने झूठे आरोपों में फंसाया था। फील्ड फायरिंग रेंज आदिवासियों की चिरलंबित लड़ाई थी। श्री सोरेन की सरकार ने आदिवासियों के हितों में फैसला लिया कि फील्ड फायरिंग रेंज नहीं बनेगा। जितना आदिवासियों के हित अधिकारों को दिलाने का कार्य हेमंत सरकार कर रही है आज तक वैसा काम हीं नहीं हुआ था। भोले-भाले आदिवासियों को बरगलाकर भाजपा अपना हित साधने में लगी है लेकिन ऐसा हम कतई नहीं होने देंगे। बंदी कराने वालों में अधिकतर भाजपाई थे और बंदी का असर राजधानी में बेअसर रहा।

झारखंड बंद का व्यापक असर साढ़े पांच घंटे तक सड़क रही जाम

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

सरना आदिवासी संगठनों द्वारा आहूत बंद का बेडो.में व्यापक असर देखा गया। वहीं सरना आदिवासी महिलाओं ने साढ़े पांच घंटे तक सड़क जाम किया। इस मौके पर बेडो.के सभी दुकानें पूरी तरह बंद रही। बंद के दौरान बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। महावीर चौक के निकट थाना के पास सैकड़ो महिलाओं ने लाठी डंडे लेकर लोहरदगा से तमाड़ तक जाने वाली और रांची गुमला मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। इस मौके पर संतोष उरांव ने कहा कि सरना स्थलों सहित सरना आदिवासियों के अति प्राचीन धरोहरों सहित धार्मिक स्थलों को सरकार अति क्रमण मुक्त करें। उन्होंने कहा कि हमारे सिरमटोली में केंद्रीय सरना स्थल के समीप रैंप के निर्माण को रोकें और सरना स्थल को अतिक्रमण मुक्त करें। उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासियों की अबुआ सरकार है लेकिन इसके बावजूद सरकार आदिवासियों के खिलाफ खड़ी नजर आ रहीं हैं। उन्होंने कहा कि बेडो.के सरना स्थल को भी हर हालत में अतिक्रमण मुक्त करना होगा। सड़क जाम के दौरान वाहनों का परिचालन बंद रहा। जाम का नेतृत्व कर रहे आदिवासी महिलाओं ने संध्या 4:30 बजे जाम हटाया गया, जिसके बाद वाहनो का परिचालन शुरू हुआ। इस मौके पर झारखंड में खड़िया भाषा प्लस टू विद्यालय शिक्षक नियुक्ति सृजन, नई शराब नीति रद्द कराने, लैंड बैंक रद्द कराने, जनगणना प्रपत्र में सरना धर्म कॉलम की मांग करने, आदिवासी जमीन अधिग्रहण और सदा पट्टा में आदिवासी की जमीन गैर कानूनी रूप के खरीद - बिक्री एवं अन्य मांगों को लेकर बेडो. में जोर शोर से आंदोलन की गई।

नामकुम और टाटीसिलवे में बंद समर्थकों ने बंद कराईं दुकानें

नामकुम। झारखंड बंद के तहत बुधवार को नामकुम और टाटीसिलवे में आदिवासी संगठनों के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। टाटीसिलवे में टायर जलाकर सड़क जाम की, जबकि नामकुम बाजार और सदाबहार चौक की दुकानें बंद कराई। बंद समर्थकों ने सरना धर्म कोड, शराब नीति की वापसी, धार्मिक स्थलों की रक्षा समेत कई मांगों को लेकर विरोध जताया। हालांकि दोपहर बाद स्थिति सामान्य हुई। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज होगा। बुधवार को बंदी होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दूर दराज जाने वाले यात्री काफी परेशान दिखे। लोगों का कहना था कि कोई वाहन नहीं चल सका और लोग सड़क पर भटकते नजर आए। आज काफी धूप रहने से परेशानी हुई।

बुंडू में विवाह समारोह में पहुंचे वृद्ध की कुएं में डूबने से मौत

बुंडू। प्रखंड के बारूहातू गांव में विवाह समारोह में पहुंचे वृद्ध की कुएं में डूबने से मौत हो गई। घटना मंगलवार देर रात की है। सरायकेला जिले के दलभंगा थाना क्षेत्र के गेरूपाड़े गांव निवासी 60 वर्षीय पान सिंह मुंडा बुंडू के बारूहातू गांव में अपने एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आया था। देर रात सभी लोगों के साथ पान सिंह मुंडा ने खाना खाया। बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने विवाह स्थल के पास स्थित कुएं में उसका शव देखा। सूचना मिलने पर पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

आशंका है कि रात में कुआं नहीं देखने से वह उसी में गिर गया। शादी में मृत्यु होने से लोग काफी परेशान नजर आ रहे थे। लोगों का कहना था कि कुएं वह किस तरह गिर इसका किसी को पता नहीं था और न ही रात के समय कोई इन्हें देख भी सका।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का सन्नी टोप्पो ने किया उद्घाटन, कहा

समाज में अपनी संस्कृति की रक्षा बहुत ही जरूरी

नवीन मेल संवाददाता। मांडर

प्रखंड के बिसहाखटंगा में आयोजित मंडा पूजा उत्सव में फुलखूंदी पर भाजपा नेता सन्नी टोप्पो बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने सांस्कृतिक जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति को संरक्षित करना भी चाहिए।उन्होंने कहा कि मुगलों अंग्रेजों बाहरी आक्रांताओं ने तरह-तरह के जुल्म किया उसके बाद भी, हमारी संस्कृति को हमारे पूर्वजों ने बचा कर रखा।

हमें भी विभिन्न समस्याओं को सामना करते हुए भी उससे लड़ते हुए एक जुटता के साथ अपने समाज की अपने संस्कृति की रक्षा करनी है।

आदिवासी संगठनों के बुलाए गए बंद का व्यापक असर देखने को मिला

सड़क के दोनों और वाहनों की लगी लंबी कतारें, लोग परेशान

नवीन मेल संवाददाता। चान्हो/ मांडर

आदिवासी संगठनों द्वारा बुलाए गए बंद का बुधवार को क्षेत्र में व्यापक असर देखने को मिला। चान्हो थाना क्षेत्र के बीजूपाड़ा चौक पर रांची डालटेनगंज मुख्य पथ को लगभग 10 घंटे तक जामकर्ताओं ने जाम रखा। सुबह के 6:00 से शुरू किया गया जाम शाम के 4:00 समाप्त किया गया। इस दौरान सड़क के दोनों और कई किलोमीटर वाहनों की लंबी कतारें लगी रही। साथ ही आज के दिन यात्रा पर निकले यात्रियों को भी काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। मुख्य पथ के साथ-साथ जितने भी सहायक रास्ता है , लगभग सभी जगह पर जामकर्ताओं का जबरदस्त प्रभाव देखने को मिला। सबसे अधिक परेशानी बुधवार को हटार में लगने वाले साप्ताहिक बाजार पहुंचने वाले किसानों को उठानी पड़ी। कई किसान सब्जी में ऑटो में सब्जी लेकर घरों से तो निकले और वह बाजार तक नहीं पहुंच पाए। वे काफी देर तक जाम में फंसे रहे। वहीं दूसरी ओर मांडर में बंद का मिला-जुला प्रभाव रहा। छोटी वाहनें चली पर लंबी दूरी की वाहने सड़कों से गायब थी। दुकान भी खुली रही। दिन के लगभग 2:00 बजेb ब्रांबे चौक पर जामकर्ताओं द्वारा 2 घंटे के लिए रांची मेदिनी नगर मुख्य पथ को जाम किया गया था।

चार ट्रेनों में अलग-अलग तिथियों में लगेगी अतिरिक्त कोच

रांची। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर चार ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे। इसमें रांची-गोड्डा एक्सप्रेस में पांच और सात जून को द्वितीय श्रेणी स्लीपर का एक अतिरिक्त कोच लगेगा। रांची-वाराणसी एक्सप्रेस में पांच और सात को अतिरिक्त कोच लगेगा। रांची-गोड्डा एक्सप्रेस में पांच को एक स्लीपर का अतिरिक्त कोच और रांची-आरा एक्सप्रेस में पांच और सात को स्लीपर का अतिरिक्त कोच की सुविधा बहाल की जाएगी।

ओरमांझी में पुल के रेलिंग में स्कूटी टकराई, दो छात्रों की मौत

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के शास्त्री चौक बोरिया सड़क पर साईनाथ विश्वविद्यालय के पास पुल की रेलिंग से टकराकर घायल स्कूटी सवार दो छात्रों की रिम्स में मौत हो गई।

न्यूज बॉक्स

चान्हो में बकरीद को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

चान्हो। चान्हो थाना परिसर में बुधवार को आगामी बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस पदाधिकारी के साथ-साथ शांति समिति के सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित हुए।डीएसपी खलारी आरएन चौधरी ने बताया कि शांति पूर्वक इस पर्व को मनाया जाए। हर त्यौहार प्रेम एवं प्रसन्नता के साथ लोग मिलजुल कर मनाएं यही हमारे देश की खूबसूरती है। बैठक में चान्हो थाना प्रभारी चंदन कुमार ने लोगों से आपसी भाईचारा एवं प्रेम के साथ त्यौहार को मनाने का आग्रह किया और लोगों को बकरीद की मुबारकबाद भी दी। मौके पर अंचलाधिकारी संजीव कुमार, ,प्रखंड विकास पदाधिकारी बरूण कुमार, अजीत सिंह, मो ग्याश, रमीज राजा,सोनी तबसूम, फुरकान अंसारी, मौलाना रफिक समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति घायल

मांडर। एन एच 39 पर मुड़मा पेट्रोल पंप के निकट बुधवार की शाम 5:00 बजे हुए सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार चान्हो थाना क्षेत्र के हुटार निवासी 30 वर्षीय मिनेश महतो अपनी मोटरसाइकिल से ब्रांबे से वापस हुटार की ओर लौट रहा था। इसी दौरान उक्त स्थान के निकट एक अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। गंभीर रूप से घायल मीनेश को प्राथमिक उपचार के लिए रेफरल अस्पताल मंडल लाया गया वहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स भेज दिया गया। रेफरल अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार मीनेश के सीने में गहरी चोट लगी है।

जामताड़ा पुलिस ने चार साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

जामताड़ा। जामताड़ा पुलिस ने चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक राज कुमार मेहता ने बुधवार को प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी।

आदिवासी समाज के लोगों ने पिठौरिया और कांके जाम किया

पिठौरिया। राजधानी रांची सिरमटोली रैंप निर्माण के विरोध में विभिन्न आदिवासी संगठनों द्वारा बुधवार को बुलाए गए बंद का जोरदार असर कांके और पिठौरिया में देखा गया। सुबह सात बजे से ही बंद समर्थक सड़कों पर उतर गए। बांस बल्ली, रस्सी, टेंट और वाहन सड़कों पर लगा कर आवागमन को बाधित कर दिया। इस कारण रांची कांके पतरातु मुख्य मार्ग पर कई जगह जाम लग गया। चौड़ी बस्ती, हॉलिडे होम चंदवे, नगड़ी चौक, पिठौरिया चौक, बोड़ेया चौक पर बंद समर्थक सड़क पर उतर गए। स्वयं कांके इंस्पेक्टर प्रकाश कुमार रजक और थाना प्रभारी पिठौरिया अभय कुमार वन सुबह से ही अलग अलग जगहों पर जाकर बंद समर्थकों को समझा कर हटाने का प्रयास करते दिखे। इसको लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ कई जगह बंदसमर्थकों की कहा सुनी भी हुई। बंद समर्थक एम्बुलेंस, मरीज तथा चिकित्सकों को छोड़कर किसी अन्य को पार नहीं होने दे रहे थे। रिनपास, सीआईपी, टाटा कैंसर हॉस्पिटल आने वालों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ी। उनमें कइयों को पैदल ही जाना पड़ा। बंद समर्थकों के कड़े तेवर के कारण कई मेडिकल कर्मियों, विभिन्न सरकारी कर्मियों तथा स्टूडेंट्स को वापस लौटना पड़ा। बंद समर्थक सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साध रहे थे। एक तरफ जहां पुलिस मुस्तैद थी, वहीं मजिस्ट्रेट विलंब से सड़कों पर नजर आए। हालांकि कांके न्यू मार्केट आदि की दुकानें खुली रहीं।

डीपीआरओ ने बैठक में अनुदान की राशि पर की चर्चा

खूंटी। जिला पंचायत राज पदाधिकारी डॉ शिशिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को पंचायत सचिवों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त अनुदान राशि की व्यय स्थिति, पंचायतों में किए गए अंकेक्षण तथा पंचायत सचिवालयों को डिजिटल पंचायत के रूप में विकसित करने की दिशा में की जा रही पहल पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पंचायत सचिवालयों में बुनियादी सुविधाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। बैठक में पंचायत सहायकों को समुचित कक्ष आवंटित कर पंचायत सहायता केंद्रों को शीघ्र चालू करने पर बल दिया गया।

इसके अतिरिक्त पंचायत ज्ञान केंद्र की स्थापना एवं प्रभावी संचालन को लेकर रूपरेखा तैयार करने पर भी चर्चा हुई। जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों को योजनाओं को पारदर्शी, समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया।

खलारी स्टेशन पहुंचे डीआरएम अखिलेश मिश्र

रनिंग रूम प्रबंधन प्रणाली का किया लोकार्पण

नवीन मेल संवाददाता। खलारी

धनबाद रेल मंडल के नवपदस्थापित मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अखिलेश मिश्र ने बुधवार को खलारी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। पदभार ग्रहण के बाद यह उनका खलारी का पहला दौरा था, जिसे कई मायनों में ऐतिहासिक माना जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने खलारी रनिंग रूम में विकसित की गई रनिंग रूम प्रबंधन प्रणाली का विधिवत लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई, जिसमें पंडित बृजराज दुबे ने पूजन कर शुभारंभ कराया। डीआरएम के साथ कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार, वरीय मंडल परिचालन प्रबंधक अंजय तिवारी, वरीय मंडल विद्युत अभियंता (परिचालन) रजतकुमार सिंह, वरीय विद्युत अभियंता (सामान्य) संजीव कुमार, वरीय संकेत एवं दूरसंचार अभियंता रजनीश पांडेय व आरपीएफ कमांडेंट सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रनिंग रूम इंचार्ज सुबोध कुमार ने जानकारी दी कि खलारी रनिंग रूम को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया गया है। अपग्रेडेड रनिंग रूम मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से सभी गतिविधियों की निगरानी अब डिजिटल माध्यम से कहीं से भी आनलाइन की जा सकेगी, जिससे पारदर्शिता, कुशलता एवं समयबद्ध कार्यप्रणाली सुनिश्चित होगी। निरीक्षण के बाद डीआरएम अखिलेश मिश्र ने बताया कि इस दौरे का उद्देश्य डिवीजन की जमीनी हकीकत से परिचित होना और टोरी सेक्शन में चल रहे महत्वपूर्ण कार्यों का मूल्यांकन करना था। उन्होंने यह भी कहा कि रनिंग रूम जैसी सुविधाओं का आधुनिकीकरण रेलवे कर्मियों के कार्य-जीवन संतुलन और सेवा गुणवत्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्टेशन अधीक्षक जान सोरेंग ने बताया कि डीआरएम का यह निरीक्षण 'विंडो इंस्पेक्शन' योजना के तहत धनबाद से टोरी, फिर खलारी, राय, निरीक्षण के दौरान ट्रैक, सिग्नलिंग, स्टेशन व्यवस्थाओं और कर्मचारियों की कार्य स्थितियों का बारीकी से आकलन किया गया। इस दौरे के साथ न केवल खलारी स्टेशन के लिए एक नई तकनीकी शुरुआत हुई, बल्कि धनबाद मंडल की कार्य संस्कृति में नवाचार, निरीक्षण और उत्तरदायित्व की स्पष्ट झलक भी दिखाई।

मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब 6 विकेट से जीत दर्ज की

रांची। ईडीएस सुपर डिवीजन क्रिकेट मेकॉन ग्राउंड में मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब बनाम यूनाइट क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूनाइट क्रिकेट क्लब की टीम ने 32.3 ओवर में 10 विकेट पर 141 रन बनाया। इस दौरान नाजिम सिद्दीकी ने 46, सिकंदर ने 22 व मुद्दासर ने 22 रन बनाया। वहीं विकाश सिंह ने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब ने 22 ओवर में चार विकेट पर 142 रन बनाया। कुमार शांतनु ने 64 व शुभ शर्मा ने 46 रन बनाए। अर्श हरण ने 2 विकेट लेकर 20 रन दिया। मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब 6 विकेट से जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबला शुक्रवार को आर एंड डी सेल बनाम मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के बीच मेकॉन स्टेडियम में खेला जाएगा।

राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति से मिले रक्षा मंत्री

नई दिल्ली/रांची। बुधवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड से औपचारिक मुलाकात की।

महायज्ञ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पिपरवार। पिपरवारक्षेत्र के बिलारी में आयोजित तीन दिवसीय श्री श्री 1008 नर्मदेश्वर रुद्र महायज्ञ महोत्सव के दूसरे दिन काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह पांच बजे से ही यज्ञशाला की परिक्रमा करने के लिए महिला, पुरुष और बच्चों की भीड़ होने लगी, सभी लोगों ने बाबा भोलेनाथ का जयकारा लगाते हुए यज्ञशाला की परिक्रमा की।

उपायुक्त की अध्यक्षता में ईद-उल-अजहा पर हुई शांति समिति की बैठक

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर टाउन हॉल, सिदगोड़ा में केंद्रीय शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने की, जिसमें वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय भी उपस्थित रहे। बैठक में समिति के सदस्यों से त्योहार के दौरान शांति बनाए रखने और प्रशासन को सहयोग करने को कहा । साथ ही उपायुक्त ने सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की लोगों से अपील की। जिला प्रशासन ने साफ-सफाई, पेयजल और बिजली जैसी नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। नगर निकाय अधिकारियों को सफाई सुनिश्चित करने, पेयजल विभाग को पर्याप्त पानी की आपूर्ति, तथा विद्युत विभाग को नियमित बिजली और स्ट्रीट लाइट मरम्मत का निर्देश दिया गया। जिला दण्डाधिकारी ने सोशल मीडिया पर अफवाहों से बचने और सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि कोई भी आपत्तिजनक या भ्रामक सूचना मिलने पर प्रशासन से पुष्टि अवश्य करें। शांति समिति के सदस्यों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे प्रशासन के लिए 'फोर्स मल्टीप्लायर' हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल और अतिरिक्त फोर्स की तैनाती रहेगी। सभी डीएसपी और थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखने और धार्मिक स्थलों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

मनीष जायसवाल की जीत के एक वर्ष पूरा होने पर भाजपा जिला समिति ने दी बधाई

रामगढ़। भाजपा रामगढ़ जिला समिति ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा है की आज ही के दिन एक वर्ष पूर्व हजारीबाग लोकसभा चुनाव में सांसद मनीष जायसवाल को भरी बहुमत से जीत हुई। उनकी जीत के आज एक वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला परिवार सांसद मनीष जायसवाल को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके अब तक के कार्य को जनकल्याणकारी और जनता के हित में बताया है । भाजपा क्व रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने बुधवार को कहा कि सांसद द्वारा 151 बेटियों का विवाह न सिर्फ झारखंड में बल्कि हिंदुस्तान में भी चर्चित रहा और लोगों ने सांसद के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की।

विश्व पर्यावरण दिवस और प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान चलाया गया

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली

श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस और प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस स्वच्छता अभियान में रूडसेट में प्रशिक्षण ले रहे 65 प्रशिक्षणार्थीयो ने भाग लिया ।इस स्वच्छता अभियान के तहत सिल्ली स्वास्थ्य केंद्र के कैम्पस को रूडसेट संस्थान के प्रशिक्षणार्थी और रुडसेटी कर्मचारियों के द्वारा सफाई किया गया और सफाई पर विशेष ध्यान रखने के लिए रूडसेट संस्थान के निदेशक संजीत कुमार और डॉक्टरों ने संदेश दिया कि ज्यादा गन्दगी होने से ही हमारे आस पास बहुत ज्यादा बीमारियां फैलते हैं।बीमारियां होने का मुख्य कारण है गन्दगी और प्लास्टिक कचरा से और ज्यादा बीमारियां फैलती है,इसलिए सफाई पर विशेष ध्यान रखना जरूरी है,जिससे शुद्ध वातावरण और शुद्ध ऑक्सीजन हम सभी को मिल सके ताकि व्यक्ति का जीवन लंबी हो और अच्छा स्वास्थ्य हो। इसलिए हम सभी मिलकर आज शपथ लेते है कि हमारा गांव, समाज, देश ,प्लास्टिक मुक्त हो। मौके पर वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार , सुरेन्द्र कुमार ,जगदीश चंद्र महतो ,दशरथ कुमार महतो, महेश रुहिदास एवं सुनील मुंडा उपस्थिति रहे।

गिरिडीह पहुंची कल्पना मुर्मू सोरेन कई कार्यक्रमों में हुईं शामिल

गांडेय। गांडेय विधानसभा की विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन बुधवार को गिरिडीह पहुंची और कई कार्यक्रमों में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले सदर प्रखंड में अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा नवनिर्मित दुकानों का उद्घाटन की। साथ ही सदर प्रखंड परिसर में ही हेमंत सरकार के महत्पूर्ण अबुआ आवास योजना के 10 लाभुकों को घर का प्रतिकात्मक चाभी सौंपा। इसके बाद गांडेय विधायक कल्पना सोरेन गांडेय विधानसभा क्षेत्र के झलकडीहा पहुंची। जहां एनआरईपी की 49 लाख की लागत से प्रस्तावित सालखन सोरेन पार्क की आधारशीला रखी। मौके पर डीसी राम निवास यादव, एसपी डॉक्टर बिमल कुमार, पूर्व विधायक केदार हाजरा, झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह, दिलीप रजक, चपुआडीह के मुखिया शमीम अंसारी समेत झामुमो के लोग मौजूद थे। इस दौरान सदर प्रखंड मुख्यालय में उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अबुआ आवास योजना हेमंत सरकार का छोटा सा प्रयास हैं। झारखंड को विकास की ओर अग्रसर करने के लिए कई कार्य किए जा रहे है। कहा कि अब तो महिलाएं रोजगार से भी जुड़ रही है और यह दुकान भी इसी बात का प्रतिक है की हर महिलाए रोजगार से जुड़ सके और लाभ उठाए।

अग्निवीरों को मिलने वाले प्रशिक्षण में जुड़ गई नई तकनीक : ब्रिगेडियर साजेश

रामगढ़। आतंकियों के खिलाफ भारत की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद अग्निवीरों को नई तकनीक के साथ प्रशिक्षित किया जा रहा है। उनकी ट्रेनिंग में कई नई तकनीक को शामिल किया गया है। यह बातें बुधवार को पंजाब रेजिमेंटल सेंटर में आयोजित अग्निवीरों के पासिंग आउट परेड के बाद ब्रिगेडियर साजेश बाबू पीजी ने कही। उन्होंने कहा कि जिस तरह की लड़ाई अब लड़ी जा रही है उसके मद्देनजर अग्नि वीरों के प्रशिक्षण में भी थोड़ा बदलाव जरूरी था। 31 हफ्ते की शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण के समापन के बाद पंजाब रेजिमेंटल सेंटर ने पांचवें बैच के 622 अग्निवीरों को तैयार किया है। प्रशिक्षण के समापन पर गौरवशाली पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। ब्रिगेडियर ने की परेड की समीक्षा परेड की समीक्षा पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर साजेश बाबू पीजी की ओर से की गई। उन्होंने इस स्मरणीय अवसर पर अग्नि वीरों और उनके अभिभावकों को बधाई दी।

सदर प्रखंड के चानो और बेहरी पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल

एकादशी उद्यापन सह यज्ञ में हुए शामिल व मंदिर निर्माण कार्य का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड का दौरा किया और इस दौरान उन्होंने धर्म और आस्था से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल हुए। सांसद मनीष जायसवाल सबसे पहले ग्राम चानो में सुरेश पाण्डेय के आवास पहुंचे जहां बीते 03 जून से आगामी 07 जून तक चल रहे एकादशी व्रत उद्यापन सह श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन यज्ञ मंडप में पहुंचकर माथा टेका। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उनका फूल माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंटकर और अंग- वस्त्र ओढ़ाकर भव्य अभिनंदन किया। यहां यज्ञ आचार्य वाराणसी के पहुंचे अरविंद पांडेय और प्रवचनकर्ता वृन्दावन से पहुंचे अरुण शुक्ला सहित यज्ञ संपन्न कराने में जुटे विद्वतजनों का सांसद मनीष जायसवाल ने सम्मान भी किया और यज्ञ मंडप में माथा टेककर ईश्वर से संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की । तत्पश्चात सदर प्रखंड स्थित ग्राम बेहरी हेठ टोला में नवनिर्मित हनुमान सह- शिव- मंदिर निर्माण कार्य के प्रगति का स्थानीय ग्रामीणों संग मिलकर सांसद मनीष जायसवाल ने जायजा लिया। मंदिर निर्माण कार्य प्रगति पर है और ग्रामीणों को इस कार्य में यथासंभव सहयोग का उन्होंने भरोसा जताया। इसी परिसर में उनके पूर्व के समय के विधायक मद से एक बेहद ही आकर्षक और जनउपयोगी सामुदायिक भवन का निर्माण भी कराया है जिससे ग्रामीणों को सामाजिक कार्य में लाभ मिल रहा है । मौके पर सदर पश्चिमी भाजपा मंडल अध्यक्ष रणधीर पांडेय, महामंत्री दामोदर प्रसाद, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सह भाजपा नेता विजय कुमार, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

सांसद पहुंचे कटकमसांडी

रोमी सिद्धीदात्री देवी मंडप में आयोजित यज्ञ में हुए शरीक

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत ग्राम रोमी स्थित मां सर्व सिद्धिदात्री देवी मंडप के जीर्णोद्धार के अवसर पर आयोजित मां सिद्धिदात्री शिवशक्ति सह हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के दूसरे दिन सांसद मनीष जायसवाल ने यज्ञ मंडप पर माथा टेक कर मां सर्व सिद्धिदात्रि, बजरंगबली और भोलेनाथ से संपूर्ण हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। यहां 3 जून से यज्ञ का शुरुआत हुआ और कथा-प्रवचन, भंडारा, जागरण सहित कई धार्मिक अनुष्ठान के साथ 05 जून को हवन संग यज्ञ की पूर्णाहुति समापन होगी। यहां पहुंचने पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं सहित यज्ञ समिति के लोगों और संपूर्ण ग्रामीण महिला-पुरुषों ने सांसद मनीष जयसवाल का फूल माला व चुनरी पहनाकर भव्य स्वागत किया । यहां बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए यज्ञ की महिमा, सनातन धर्म का महत्व बताया।

न्यूज बॉक्स

गोतनी का जेठानी पर पति को जहर खिलाकर मारने का आरोपी, मामला दर्ज

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बसरिया में एक व्यक्ति को उनकी ही बड़ी भाभी के द्वारा जहर खिलाकर जान से मार देने का मामला प्रकाश में आया है। इस बाबत मृतक की पत्नी शीला देवी उम्र 35 वर्ष, पति महेश मंडल ने बरकट्ठा थाना में लिखित शिकायत की है ।जिसमें बताया है कि मेरे जेठ (भेंसुर) अपने हिस्से से ज्यादा जमीन जोत रहे थे इसी को मेरे पति बराबर करने की बात कही थी । इतने में ही मेरी जेठानी प्रमिला देवी हाथ में लोहे का रड लेकर आई और मेरे पति के माथे पर वार कर दी ।लिखा है कि जब मैं अपने पति को बचाने गई तो मेरी जेठानी समेत उनकी बहू और बेटी ने मिलकर हम दोनों पति पत्नी को बेहरमी से पीटाई कर दी । जिसके बाद लहुलूहान स्थिति में हम दोनों पति पत्नी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में इलाज कराया। उसके बाद बरकट्ठा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने गयी लेकिन ग्रामीणों ने सामाजिक पहल कर फैसला कर देने की बात कही ।तो मैंने प्राथमिकी दर्ज नही करायी। जिसके बाद दिनांक 02 जुन को शाम छः बजे मेरी गोतनी मेरे पति को घर बुलाकर ले गई और जहरीला दवा खिला दी जिससे मेरे पति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मेरे भेंसुर फोन पर मेरे पति को जान से मारने की बात कही थी। इस संबंध में पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिध दिनेश प्रसाद ने बताया कि मृत स्वयं जहरिला प्रदार्थ खाकर आत्म हत्या किया है। यह बात मृतक ने स्वयं कई लोगों को पहले भी बताया था। मिली आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

जिप अध्यक्ष और जिप सदस्यों ने उपायुक्त से की मुलाकात

रामगढ़। रामगढ़ जिला के नये उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज से जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी के नेतृत्व में जिला परिषद सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उपायुक्त को बुके प्रदान कर बधाई दी। मुलाकात के क्रम में उजयुक्त से विकास कार्य में सहयोग की मांग की गई। जिसपर उपायुक्त ने विकास कार्य में हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। मौके पर जिप उपाध्यक्ष रीता देवी, पार्षद धनेश्वर उर्फ़ डीएम महतो, जलेश्वर महतो, सरस्वती देवी, कुमारी रेखा सोरेन, जलेश्वर महतो, दयामंती देवी, राजाराम प्रजापति, भोला तुरी, सुनीता देवी आदि उपस्थित थे।

भूमि माफिया के सरकारी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास अंचल कर्मी ने काम को रूकवाकर किया विफल

रामगढ़। शहर के दामोदर नदी तट पर रामेश्वर धाम मंदिर के समीप भूमि माफियाओं ने सरकारी गैर मजूरूआ जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश शुरू की। स्थानीय लोगों की सूचना पर सोशल मीडिया में सरकारी जमीन पर कार्य करते हुए मजदूर का फोटो वायरल हो गया। सूचना और फोटो वायरल होने की जानकारी जमीन माफियाओं को लगते ही मजदूर को काम पर लगाकर सभी वहां से हट गए। सूचना मिलने पर रामगढ़ अंचल कार्यालय से कर्मचारी सह सीआई शुभम कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और गेट को गाड़ने के लिए किए गए गड्ढे को काम कर रहे मजदूर से बंद कराया गया। स्थानीय लोगों ने बताया निवर्तमान उपायुक्त चंदन कुमार ने लगभग 1 वर्ष पहले भूमि माफियाओं के सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश की सूचना मिलने पर तात्कालिक अंचल अधिकारी को मामले की जांच का निर्देश दिया था। तात्कालिक अंचल अधिकारी ने उक्त जमीन को सरकारी गैर मजूरूआ जमीन घोषित किया था। इसके बाद उपायुक्त के आदेश पर उसे जमीन पर सरकारी भूमि होने का बोर्ड लगाया गया था। भूमि माफियाओं ने उक्त बोर्ड को भी वहां से हटा दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार उपायुक्त चंदन कुमार का तबादला होते ही सेटिंग गेटिंग के खेल में माहिर जमीन माफिया एक बार फिर सरकारी जमीन पर कब्जे के प्रयास में लग गए हैं।

श्रीश्री हनुमत प्राण-प्रतिष्ठा सह यज्ञ महोत्सव का किया गया शुभारंभ

बरकाकाना। पांच दिवसीय श्रीश्री हनुमत प्राण-प्रतिष्ठा सह यज्ञ महोत्सव का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ मंगलवार को हो गया। अयोध्या धाम से आए आचार्य पंडित दिलीप कुमार, पंडित सुधाकर, पंडित संजय कुमार तथा स्थानीय पुरोहित राकेश इंद्रगुरु, मुकेश इंद्रगुरु ने मुख्य यजमान जगनारायण सिंह, जयंती देवी को वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा-अर्चना कराई। जिसके बाद ढ़ोल और बाजे-गाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 551 महिलाओं ने कलश उठाया। जय श्रीराम, जय वीर हनुमान, हर हर महादेव के जयघोष के साथ दामोदर नद तट पर पहुंचें। जहां गंगा पूजन कर सामुहिक आरती की गई। आरती के बाद दामोदर नद से कलश में जल भर कर झुमते-गाते श्रद्धालु वापस यज्ञ स्थल पर पहुंचे। जहां सभी कलशों को स्थापित किया गया। जिसके बाद आचार्य मंडली ने मंडप प्रवेश तथा अरणी मंथन अनुष्ठान संपन्न कराया। कलश यात्रा में विजय सिंह ने श्रद्धालुओं के लिए शरबत-पानी की व्यवस्था की। यज्ञ के प्रथम दिन कलश यात्रा के बाद लोगों के बीच हलुवा व चना के भंडारे का प्रसाद प्रसिद्ध व्यवसायी सह समाजसेवी नेपाल यादव ने किया। कलश यात्रा में मुख्य रूप से आजसू केंद्रीय सचिव मनोज महतो, वार्ड पार्षद प्रदीप शर्मा, आजाद सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। मनोज महतो ने कहा कि अध्यात्म से आत्मिक शांति मिलती है। यज्ञ अनुष्ठान अध्यात्म के साथ एकता का प्रतिक है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम का होगा आयोजन

रामगढ़। महर्षि परमहंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन हुहुआ कोठार रामगढ़ झारखंड में मंगलवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के दुरुपयोग को समाप्त करने हेतु जागरूकता अभियान का आयोजन हुआ। जिसमें सभी छात्र छात्राओं ने शपथ ले कर यह संदेश दिया कि मादक पदार्थ एवं धूम्रपान निषेध से दूर रहना चाहिए। यह ऐसी खतरनाक बीमारियों को दावत देता है, जिसके सेवन करने से घातक बीमारियों के चपेट में आ कर जल्द ही मृत्यु तक पहुंच जाते हैं। इसलिए सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं समाज के लोगों को यह संदेश दिया गया कि वह इन मादक पदार्थों से दूर रहें। देश, प्रदेश, जिला, समाज, व्यक्ति के लिए बहुत ही हानिकारक होता जा रहा है ।इससे हमारे समाज के छात्र-छात्राओं को और सभी वर्ग के लोगों को इससे बचना चाहिए। इस पर अधिक से अधिक जागरूकता फैलाया जाना चाहिए। मौके पर मुख्य रूप से कॉलेज के सचिव मनोज अग्रवाल, कॉलेज के प्राचार्य डॉ जीआर चौरियां, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ नीलकमल सिन्हा आदि उपस्थित रहे।

गिट्टी लदे ट्रैक्टर पलटने से दो लोग दबकर गंभीर रूप से घायल

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के चेचकपी,बभनी में बुधवार सुबह 10:00 बजे गिट्टी लदा ट्रैक्टर के पलटने से ड्राइवर और लेबर दब गए। ड्राइवर भातु मांझी महावर मोड़ क्रेशर से गिट्टी लेकर चेचकपी की ओर जा रहे थे। इस क्रम में डाढ़ा ग्राम बभनी पुल के सामने गाड़ी का ब्रेकडाउन होने के कारण ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई, जिसमें ड्राइवर भातु मांझी उम्र 40 वर्ष तथा लेबर इरफान अंसारी पिता स्माइल अंसारी उम्र 28 वर्ष दोनों गाड़ी के नीचे दब गए।वहीं ग्रामीणों के सहयोग से गाड़ी को उठाकर दोनों व्यक्ति को निकाला गया। जिसमें दोनों बुरी तरह घायल हो गए थे।तत्पश्चात लोगों ने इसकी जानकारी चेचकपी मुखिया रीता देवी और मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव दी तो वे दोनों घटना स्थल पहुंचकर अपना एंबुलेंस से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग भेजा। समाचार लिखे जाने तक स्थिति गंभीर बताई जा रही थी।

आदिवासी संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर किया सड़क जाम

वाहनों की लगी लंबी कतार

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

आदिवासी संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर आदिवासी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले झारखंड बंदी के तहत 4 जून को सुबह 6:00 बजे से 8:00 बजे तक नयामोड़ फोरलेन सड़क को कर दिया। सड़क जाम होने से सड़क के दोनों छोर पर वाहनों की लंबी कतारें लग गयी। जिससे आने- जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम कर रहे संघर्ष मोर्चा के लोगों ने कहा कि यह बंद आदिवासी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, जमीन विवाद और विकास योजनाओं से जुड़ी आपत्तियों के खिलाफ किया जा रहा है। संगठनों ने संयुक्त मोर्चा बना कर सिरम टोली फ्लाइओवर रैंप विवाद, लुगु बुरु, पारसनाथ पहाड़, दिउरी दिरी तमाड़ और बेड़ो महदानी सरना स्थल जैसे मुद्दों को उठाकर विरोध प्रकट करते हुए इन स्थलों को बचाने की मांग की है। बाद में कुजू पुलिस ने आदिवासी संगठनों के नेताओं को समझा कर करीब 2 घंटे बाद जाम हटाया। इस दौरान मोर्चा ने सरकार के नाम विभिन्न मांगों को लेकर पत्र सौपा। वही नेताओं ने कुजू पुलिस को स्वतः गिरफ्तारी दिया, जिसके बाद पुलिस ने सभी को ओपी लाकर कागजी प्रक्रिया के बाद छोड़ दिया। गिरफ्तारी देने वालों में प्रकाश मुंडा, पवन कुमार करमाली, शत्रुघ्नबेदिया, अमरदीप मुंडा, विक्रम कुमार, श्याम करमाली, ज्ञानी मुंडा, ओम प्रकाश करमाली, अनिल अगरिया आदि शामिल थे।

पेंशनर कल्याण समाज की बैठक में समस्याओं पर हुई चर्चा

गोला। गोला एसएस प्लस टू हाई स्कूल परिसर में झारखंड पेंशनर कल्याण समाज की मासिक बैठक बाल गोविंद राम करमाली की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पेंशनर कल्याण समाज की उपलब्धि और पेंशनर समाज में सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस दौरान सभी पेंशनरों को 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी राशि मिल जाने से सेंट्रल बैंक के मैनेजर को बधाई दी गई। अंत में सेवानिवृत शिक्षक हाजी युसूफ मियां के निधन दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। मौके पर रामस्वरुप खन्ना, भगतु नाया, गोपी प्रसाद, बच्चन प्रजापति, बासुदेव महथा, बलराम करमाली आदि उपस्थित थे।

सरगडीह हरि मंदिर में तीन दिवसीय अखंड हरिकीर्तन शुरू

गोला। बरलंगा थाना क्षेत्र के सरगडीह स्थित हरि मंदिर में मंगलवार को क्षेत्र के कल्याण के लिए तीन दिवसीय अखंड हरी कीर्तन का भव्य शुभारंभ किया गया। यहां पिछले कई वर्षों से अनवरत अखंड हरि कीर्तन का आयोजन हो रहा है। पंडित विश्वजीत चटर्जी व गोहिडास बाबा जी ने विधिवत पूजा अर्चना कर संकीर्तन की शुरुआत की। इस दौरान तीन दिनों तक सभी ग्रामीणों को नेम निष्ठा के साथ पुरोहित पूजा कराएंगे। संकीर्तन के शुरु होते ही पूरे गांव में रामधुन हरे राम, हरे कृष्णा से गांव का वातावरण भक्तिमय हो गया। पश्चिम बंगाल क्षेत्र से आए 6 सदस्यीय कीर्तन मंडली के कलाकार लगातार तीन दिनों तक भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का संगीतमय मंचन करेंगे। इधर हरिनाम संकीर्तन को लेकर हरि मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। आयोजकों ने बताया कि समापन के दिन श्रद्धालु के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। मौके पर सुरेंद्रनाथ महतो, बढ़न महतो, तिरथनाथ महतो, केशव महतो, मिथुन महतो, कैलाश महतो, अंगद महतो, निधि महतो, प्रदीप महतो, रोहनु महतो, धनेश्वर महतो, भीम महतो, गोलक महतो सहित सैकड़ों महिला पुरुष मौजूद थे।

विश्व परिवार हनुमानलला राधाकृष्णनन मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा

वैदिक मंत्रों की दिव्या ध्वनि से ऊर्जा का संचार होता है : सुनीता चौधरी

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कैथा स्थित जगन्नाथ नगर में आयोजित "श्री श्री 1008 शिव परिवार हनुमानलला, दुर्गा जी, राधाकृष्णन, प्राण प्रतिष्ठा" के शुभ अवसर पर मंगलवार को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया । कलश यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ की पूर्व विधायक सुनीता चौधरी ने कलश यात्रा में शामिल होकर महिलाओं के साथ कलश लेकर गोबरदरहा महादेव चट्टान मंदिर दामोदर नदी से जल उठाकर प्राचीन शिव मंदिर होते हुए नवनिर्मित मंदिर तक पहुंची । जहां कलशों को विधिवत स्थापित किया गया । मुख्य अतिथि सुनीता चौधरी ने कहा कि यज्ञ में संपन्न होने वाले हवन-पूजन से न केवल वातावरण को शुद्ध होता है, बल्कि वैदिक मंत्रों की दिव्य ध्वनि से सकारात्मक ऊर्जा का संचार एवं शांति का प्रसार होता है। उन्होंने कहा की आयोजण समिति को इस विशेष धार्मिक अनुष्ठान के लिए हार्दिक आभार व क्षेत्रवासियों को बहुत बहुत बधाई दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो, आजसू के रामगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष राजेश कुमार महतो,वार्ड पार्षद देवधारी महतो,मुख्य संरक्षक जानकी महतो,संरक्षक दिनेश प्रसाद ,अध्यक्ष चंद्र बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष नंदलाल सिंह, रमेश विश्वकर्मा, पीयूष बरेलिया, गुड्डू ओझा, अभिषेक अग्रवाल, सरोजकांत यादव, रविंद्र प्रसाद सिंह, श्याम सुंदर प्रसाद,जे बी सिंह,कुलदीप वर्मा, अनुपमा सिंह, पिंकी देवी, कुसुम देवी, संजना कुमारी, तुलसी वर्मा, मोनिका, कंचन, सविता, सुधा सहित सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे।

महिला ने रक्तदान कर मानवता के प्रति पेश की मिसाल

नारी शक्ति समाज की रीढ़ है : चंद्र प्रकाश जैन

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग यूथ विंग के विशेष पहल और प्रोत्साहन से शहर की दो जागरूक और संवेदनशील नारी शक्तियाँ प्रतीक्षा करण और प्रिया करण ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। रक्तदान केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि किसी ज़रूरतमंद को जीवन देने जैसा कार्य है, और प्रतीक्षा व प्रिया ने यह सिद्ध कर दिया कि नारी शक्ति न केवल सृजन का प्रतीक है, बल्कि सेवा, समर्पण और साहस का भी उदाहरण है। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ऑफ अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में दिनों ने रक्तदान किया.। इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष विकास तिवारी एवं सचिव रितेश खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों पदाधिकारियों ने मौके पर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और इस अभियान को समाज के लिए एक प्रेरक पहल बताया। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने इस अवसर पर कहा कि हमारी संस्था का उद्देश्य युवाओं में सेवा और सामाजिक दायित्व की भावना को जागृत करना है। प्रतीक्षा और प्रिया ने जो कार्य किया है, वह सिर्फ रक्तदान नहीं, बल्कि समाज के लिए एक सशक्त संदेश है कि महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। प्रतीक्षा करण और प्रिया करण ने भी रक्तदान के पश्चात अपने विचार साझा करते हुए कहा की यह कार्य उन्हें आत्मिक संतोष और गर्व का अनुभव देता है। दोनों ने कहा कि यदि हमारी कुछ बूंदें किसी ज़रूरतमंद की जान बचा सकें, तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता।

कांग्रेस कार्यालय के भूमि दान करनेवालों का होगा स्वागत : शहजादा अनवर

रामगढ़। परिसदन रामगढ़ के सभागार में रामगढ़ जिला भू-संपत्ति संपदा समिति की एक आवश्यक बैठक मंगलवार को समिति के संयोजक और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान ने की और धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी ने किया। बैठक में मुख्य रुप से रामगढ़ जिला में कांग्रेस कार्यालय के लिए जमीन की उपलब्धता और कांग्रेस कार्यालय के निर्माण पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला स्तर पर ट्रस्ट का निर्माण अविलंब करना है।

विधायक ने दस योजनाओं का किया शिलान्यास

जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है : प्रदीप प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को कटकमसांडी प्रखंड के पूर्वी मंडल में कुल दस विकास योजनाओं का विधिवत शिलान्यास किया। इन योजनाओं की अनुमानित लागत लगभग एक करोड़ रुपये है। यह संपूर्ण आयोजन एक दिवसीय विकास यात्रा के रूप में सम्पन्न हुआ, जिसकी शुरुआत उन्होंने छड़वा डैम स्थित माँ काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर की। उन्होंने माँ के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की उन्नति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। पूरे दिन चले इस यात्रा में विधायक ने विभिन्न गांवों और पंचायतों का दौरा कर योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह केवल पत्थर रखने की रस्म नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन कार्यों को तय समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाएगा और गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होगा। शिलान्यास की गई योजनाओं में छड़वा में माँ काली मंदिर के मुख्य द्वार के सामने हाई मास लाइट लगाने का कार्य शामिल है, जिससे धार्मिक स्थलों की रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। गदोखर गांव में सामुदायिक भवन का सौंदर्यीकरण कर ग्रामीणों को एक बेहतर सामाजिक मंच प्रदान किया जाएगा। पेलावल दक्षिणी अंतर्गत कृष्णा नगर में सामुदायिक भवन के सौंदर्यीकरण कार्य का भी शुभारंभ किया गया, जिससे स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। पेलावल उत्तरी में दूभिया तालाब की सीढ़ियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर जल संरक्षण और धार्मिक गतिविधियों के लिए सुविधाजनक वातावरण तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त खुटरा, सुलमी, कंसार, बेलरगड्डा और कंचनपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में पीसीसी पथ निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, लुपुंग पंचायत में असधीर क्षेत्र में सीढ़ी निर्माण कार्य की योजना भी शुरू की गई, इसके साथ ही असधीर गांव में कुलदीप यादव की सुपुत्री के निधन पर मृतक परिवारों से भेंट कर विधायक ने संवेदना व्यक्त की वहीं वज्रपात से मृतक हुए व्यक्ति के परिजनों से भेंट कर विधायक ने संवेदना व्यक्त और यथासंभव सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।

- **शिलान्यास की गई योजनाओं में छड़वा में माँ काली मंदिर के मुख्य द्वार के सामने हाई मास लाइट लगाने का कार्य शामिल है**

शिवकुमार बने समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष

भुरकुंडा। भुरकुंडा पटेलनगर निवासी शिवकुमार यादव को समाजवादी पार्टी झारखंड प्रदेश का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन्हें पार्टी के प्रति उनकी दीर्घकालिक निष्ठा, समाज सेवा में सक्रिय योगदान और जनसरोकारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को देखते हुए सौंपी गई है। पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष केश्वर यादव उर्फ रंजन यादव ने स्वयं मनोनयन पत्र सौंपते हुए कहा कि शिवकुमार यादव लंबे समय से ज़मीनी स्तर पर समाजवादी सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने में जुटे रहे हैं। वे न केवल एक समर्पित कार्यकर्ता हैं, बल्कि सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों पर भी मुखर रहते हैं। वही शिवकुमार यादव ने कहा कि यह पद मेरे लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं राजनीति को सेवा का माध्यम मानता हूँ और समाजवादी विचारधारा को सशक्त करने हेतु हरसंभव प्रयास करता रहूँगा।

सेंट्रल जेल हजारीबाग में सुधार को लेकर अधिकारियों को भेजा पत्र

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

सेंट्रल जेल हजारीबाग में बुनियादी सुविधाओं में सुधार की मांग जय हिन्द सेना निगरानी समिति के प्रदेश सचिव (बरकट्ठा निवासी) अरुण कुमार मेहता ने की है। इस बाबत श्री मेहता ने गृह सचिव भारत सरकार, गृह सचिव झारखंड सरकार, जेल आईजी झारखंड, राष्ट्रीय अध्यक्ष मानवाधिकार आयोग, प्रदेश अध्यक्ष जय हिन्द सेना को एक पत्र भेजा है। जिसमें उन्होंने जेल से संबंधित त्रुटियों का जिक्र किया है। जिसमें स्वच्छ पेयजल व भोजन में शुद्धता की व्यवस्था करने, चापानल की मरम्मत व आवश्यकता अनुसार बोरिंग की व्यवस्था, कंबल, बेड, विछावन पुराना के स्थान पर नया बदलने, कारा के अन्दर चलने वाले कंकरीले सड़क को पक्कीकरण करने, कैदियों एवं हाजतों से लिये जान वाले वेड एवं गुंगटी के नाम पर अवैध वसूली व नगद रूपया भेजे जाने पर 10 प्रतिशत कमीशन कटौती पर रोक लगाने, महिला वार्ड में महिलाओं के सभी आवश्यक चीजों की समुचित व्यवस्था, हॉस्पीटल वार्ड में भर्ती मरीजों के लिए दवा, फल, डाक्टर एवं पौष्टिक अहार देने की व्यवस्था देने की मांग को अविलम्ब पूरा करने की गुजारिश किया है।

- **स्वच्छ पेयजल व भोजन में शुद्धता की व्यवस्था करने, चापानल की मरम्मत व आवश्यकता अनुसार बोरिंग की व्यवस्था, कंबल, बेड, विछावन आदि शामिल हैं**

सिमडेगा में बकरीद पर शांति समिति की बैठक

शांति व सौहार्द से बकरीद मनाने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा जिला प्रशासन द्वारा आगामी बकरीद पर्व को लेकर शांति और सौहार्द बनाए रखने हेतु एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मो. अर्शी की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले के विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों ने भाग लिया।बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बकरीद का त्योहार शांति, भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष बकरीद का त्योहार 7 जून शनिवार को मनाया जाएगा। नमाज के लिए दो स्थान निर्धारित किए गए हैं जामा मस्जिद में प्रातः 6:50 बजे और ईदगाह में 7:30 बजे। बारिश होने की स्थिति में नमाज अलग-अलग मस्जिदों में अदा की जाएगी। इस अवसर पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं दिया जाए और यदि कोई व्यक्ति या असामाजिक तत्व सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक आदि माध्यमों से भ्रामक एवं उकसाने वाली सूचना प्रसारित करता है, तो संबंधित ग्रुप एडमिन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।उपायुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और आमजन से अपील की गई कि कोई भी भ्रामक संदेश न तो साझा करें और न ही आगे फॉरवर्ड करें। ऐसी किसी भी सूचना की जानकारी तुरंत जिला प्रशासन को दें, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।पुलिस अधीक्षक मो. अर्शी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से जिले के सभी मस्जिदों, ईदगाहों और संवेदनशील स्थानों पर प्रशासनिक नजर रखी जाएगी। वहां पुलिस बल के साथ दंडाधिकारी भी तैनात रहेंगे और लगातार पेट्रोलिंग की जाएगी।शांति समिति के सदस्य द्वारा नमाज के समय राष्ट्रीय उच्चपथ पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने का निवेदन किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जहां-जहां नमाज का आयोजन होगा, वहां साफ-सफाई, पेयजल एवं विद्युत की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। ईदगाह व बस स्टैंड के आसपास सड़क किनारे कीचड़ न फैले, इसके लिए मिट्टी की फ्लाइंग की व्यवस्था की जाएगी। उपायुक्त ने उत्पाद अधीक्षक को निर्देश दिए कि बकरीद पर्व के दौरान अवैध शराब के निर्माण, बिक्री व तस्करी पर सख्ती से रोक लगाई जाए। साथ ही, पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी देना, खरीद-बिक्री, परिवहन एवं संग्रहण झारखंड राज्य में संज्ञेय अपराध है, और इसके उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ने सभी को शांतिपूर्ण ढंग से पर्व मनाने, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और जिले में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। प्रशासन ने सभी समुदायों से सहयोग की अपील की और पर्व को प्रेम, भाईचारे एवं आपसी समझदारी के साथ मनाने का आग्रह किया।बैठक में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु, परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की, अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र सहित, शांति समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया कर्मी गण उपस्थित थे।

ईवीएम वेयर हाउस का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था की ली जानकारी

सिमडेगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त कंचन सिंह ने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा उपकरणों की स्थिति का गहनता से जायजा लिया। उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी से ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, उनकी रिकॉर्डिंग प्रणाली तथा कंट्रोल रूम की स्थिति का मूल्यांकन किया। साथ ही सुरक्षा में लगे सशस्त्र बलों के लॉग बुक, तैनाती व्यवस्था एवं अग्निशमन यंत्रों की भी जांच की। उन्होंने सभी सुरक्षाकर्मियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क और सजग रहने के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने 70-सिमडेगा एवं 71-कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत रखे गए मशीन रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षित रख-रखाव तथा गोपनीयता सुनिश्चित करने हेतु उचित निर्देश दिए।निरीक्षण के समय उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल अमृत मिंज, नगर परिषद प्रशासक समीर बोदरा सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आजसू पार्टी के धुपेंदर, झारखंड मुक्ति मोर्चा नोआस केरकेट्टा, भारतीय जनता पार्टी मनोज कुमार चौबे, आम आदमी पार्टी विनोद क्रिकेटर, राष्ट्रीय जनता दल दिनेश यादव उपस्थित रहे।

जलडेगा के केलुगा में झामुमो का कार्यकर्ता सम्मेलन सह मिलन समारोह का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। प्रखंड के केलुगा में झामुमो द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख जोसेफ लुगून द्वारा किया गया।इस दौरान उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा की पार्टी कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं, पार्टी कार्यकर्ताओं के बल पर ही पार्टी जीतते एवं हारते हैं।उन्होंने पार्टी संगठन को गांव एवं पंचायत स्तर पर मजबूत बनाने पर जोर दिया।वहीं जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना, जिला सचिव शफीफ खान ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया तथा पार्टी संगठन को मजबूत बनाने पर बल देते संगठन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरा तथा संगठन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं से भी सुझाव मांगे।इस दौरान भटके हुए पुर्व पार्टी कार्यकर्ता बिनोद बड़ाईक, अमजद अली, सुरेन्द्र मांझी आदि लोगों ने पुनः झारखंड पार्टी में शामिल हुए।जिन्हें फुल माला पहनाकर तथा पार्टी का अंगवस्त्र ओढ़ाकर पार्टी में स्वागत किया गया।मौके पर पार्टी कोषाध्यक्ष नुवाश केरकेट्टा, सचिव नेल्सन कंडुलना, विजय बागे, रेयाज अहमद, अजीत किड़ो सहित केंद्रीय समिति सदस्यगण एवं पार्टी कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।।

सिमडेगा में पंचायत के बाद महिला की गर्दन काटकर जंगल में फेंका

- बांसजोर थाना क्षेत्र के पहाड़टोली जंगल में घायल महिला मिली
- महिला की गर्दन धारदार हथियार से काटी गई, हालत गंभीर
- घायल महिला की पहचान मीरा तिर्की के रूप में हुई, ओडिशा निवासी

नवीन मेल संवाददाता

बांसजोर। जिले के बांसजोर थाना क्षेत्र में पहाड़टोली जंगल से बुधवार सुबह घायल अवस्था में एक महिला मिली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना स्थल पहुंच कर घायल महिला को बीरमित्रपुर अस्पताल भेजवाया। बताया गया कि महिला की गर्दन किसी धारदार हथियार से काटी गयी है। मामले में बांसजोर जिला परिषद सेमरॉम पॉल ने बताया कि मामला एक व्यक्ति के 2 शादी से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि ओडिसा निवासी मीरा तिर्की बांसजोर निवासी किसी बागे नामक शादीशुदा व्यक्ति के साथ दूसरी पत्नी बनकर रहती थी।इस मामले में मंगलवार को पहाड़टोली में पंचायत भी बैठाई गई थी। इसके बाद मीरा को मारकर जंगल में फेंका गया था। इस मामले में पुलिस अग्रतर कार्रवाई शुरू कर दी है। इधर घायल मीरा की हालत गंभीर बनी हुई है।वहीं इस मामले में पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अर्शी ने कहा कि मामले को संज्ञान में लेते हुए व्यक्तियों की पहचान की जा रही है तथा थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि मामले में सख्त कार्रवाई करें ताकि दोबारा इस तरह से कोई भी हरकत ना करें।

सांसद प्रतिनिधि अमित डुंगडुंग ने की डीसी व पुलिस अधीक्षक से शिष्टाचार भेंट

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। खूँटी लोकसभा के सांसद कालीचरण मुंडा के सिमडेगा जिला प्रतिनिधि अमित डुंगडुंग ने जिले में नव पदस्थापित उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अर्शी को बुके देकर स्वागत किया। साथ ही श्री डुंगडुंग ने अपना परिचय देते हुये स्थानीय जन समस्या का जिक्र करते हुये जिले के हर क्षेत्र में विकास और सुरक्षा सम्बंधित कार्यों में हमेशा मदद करने की बात कही। जिसपर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने धन्यवाद देते हुये क्षेत्र में उत्पन्न सभी ज्वलंत समस्यायों का ससमय समाधान करते हुये सरकार के कल्याणकारी योजनाओं को गाँव के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाकर उन्हें लाभान्वित करने की बात कही।

डुमरिया पंचायत का बीडीओ ने किया निरीक्षण, अभिलेखों में पाई गईं त्रुटियां

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बीडीओ नइमुद्दीन अंसारी ने ग्राम पंचायत डुमरिया का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पंचायत से संबंधित विभिन्न योजनाओं और अभिलेखों की गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण के क्रम में बीडीओ ने योजना अभिलेख, योजना पंजी, 15वें वित्त आयोग की योजना कैश बुक, पंचायत सुदृढ़ीकरण कैश बुक, जन्म एवं मृत्यु निबंधन पंजी, रॉयल्टी पंजी, पत्र निर्गत पंजी, कार्यकारिणी रजिस्टर एवं ग्रामसभा रजिस्टर आदि दस्तावेजों की जांच की।निरीक्षण के दौरान नौमिल में संचालित स्नानघर योजना की स्थिति का भी भौतिक निरीक्षण किया गया। बीडीओ ने पाया कि कुछ अभिलेखों में त्रुटियाँ हैं तथा अद्यतन जानकारी दर्ज नहीं की गई है। इस पर पंचायत सचिव को एक सप्ताह के भीतर सभी त्रुटियों को दूर कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।निरीक्षण के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों की उपस्थिति में बीडीओ ने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता बनाए रखने एवं समयबद्ध तरीके से कार्य संपन्न करने का निर्देश भी दिया।इस अवसर पर डुमरिया पंचायत के मुखिया लुथर भुइंया, पंचायत सचिव रंजीत सिंह, जनसेवक संजय डांग, प्रखंड समन्वयक पंचायती राज अरमान सोरेन, बीपीआरओ रंजीत महतो, बानो के कनिष्ठ अभियंता राजा कुजूर एवं अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने भी योजनाओं से संबंधित अपनी समस्याएं बीडीओ के समक्ष रखीं, जिन पर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

पंचर दुकान चलाने वाले युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोलेबिरा। कोलेबिरा देवनदी मोड़ के समीप टायर दुकान चलाने वाले 23 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।मिली जानकारी के अनुसार बिहार के वैशाली जिला निवासी 23 वर्षीय आकाश कुमार पिता वृंदा साहनी जो कोलेबिरा मोड के समीप एक झोपड़ी बनाकर टायर दुकान चलाता था और वाहन के पंचर बनाया करता था। मंगलवार शाम वह अपने झोपड़ी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।इसकी जानकारी ग्रामीणों के द्वारा कोलेबिरा पुलिस को दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस दलबल के साथ उक्त स्थल पहुंचे और शव को फंदे से उतारकर अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम करने के लिए सिमडेगा भेज दिया।इस संबंध में कोलेबिरा थाना में यू डी मामला दर्ज किया गया है।

ईद उल अजहा को लेकर कोलेबिरा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

सिमड़ेगा/कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना परिसर ईद उल अजहा (बकरीद)पर्व को देखते हुए बुधवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमे प्रखंड क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कुर्बानी व नमाज अदा करने के संबंध मैं जानकारी दी मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किड़ो व अंचल अधिकारी अनूप कच्छप ने को संबोधित करते हुए कहा जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोगों से बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में मनाने की की अपिल की।वहीं सब इंस्पेक्टर सकलदेव सिंह ने कहा त्यौहार के समय सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी वही पूरे क्षेत्र में पुलिस गश्ती भी जारी रहेगी। असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जायेगी। ऐसे में कही भी कोई अफवाह फैले तो इसकी तुरंत सूचना प्रशासन को दें। त्यौहार के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी करने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सचेत है। त्यौहार की पूर्व से ही इंटरनेट मीडिया पर प्रशासन की कड़ी नजर है। किसी भी तरह के विवादित या आपत्तिजनक पोस्ट शेयर करने वालों के खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि त्योहार के दौरान शराब या नशा का कारोबार करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी साथ ही उन्होंने कहा एसपी के निर्देशानुसार अपराध नियंत्रण लेकर 24×7 कोलेबिरा पुलिस आपके साथ है . इसके लिए समाजसेवी संस्थाओं के अलावे ग्रमीणों का सहयोग चाहिए .त्योहार सामाजिक सौहार्द्ध व आपसी भाईचारा के साथ बनाएं अफवाहों पर ध्यान न दे।मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष रोज प्रतिमा सोरेंग, प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम,सब इंस्पेक्टर नवीन कुमार,ए एस आई कौशल किशोर सिंह,शाहपुर मुखिया अंकिता केरकेट्टा, भाजपा नेता मुनेश्वर तिर्की,मुमताज आलम जितेंद्र तिवारी, विधायक प्रतिनिधि श्यामलाल प्रसाद, केदार सोनी,अभिषेक कुमार,तुफैल अंसारी वकील खान वार्ड मेम्बर कलावती देवी मयंती देवी के अलावे कई गणमान्य लोग एवं वार्ड सदस्य मौजूद थे।

एनएच-143 जाम कर आदिवासी संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन, सरना स्थल विवाद पर उबाल

नवीन मेल संवाददाता

● बंद का कारण: सिरम टोली स्थित सरना स्थल से रैम्प हटाने का विरोध।

सिमडेगा। बुधवार को झारखंड बंद के आह्वान पर सिमडेगा में विभिन्न आदिवासी संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया और अहले सुबह झूलन सिंह चौक पर एनएच-143 को जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण यातायात ठप हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बंद का प्रमुख कारण रांची स्थित केंद्रीय सरना स्थल, सिरम टोली में बनाए गए रैम्प को हटाया जाना और आदिवासियों के धार्मिक अधिकारों पर कथित हमले को लेकर था।प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि सरना धर्म को मान्यता दी जाए और जनगणना प्रपत्र में 'सरना धर्म' के लिए अलग कॉलम शामिल किया जाए। साथ ही पेशा कानून 1996 की नियमावली को लागू करने, लैंड बैंक प्रक्रिया को समाप्त करने, नई शराब नीति को रद्द करने, खड़िया भाषा में प्लस टू शिक्षक पद सृजन करने तथा आदिवासी जमीन की अवैध खरीद-बिक्री पर रोक लगाने की मांग प्रमुख रही।केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र भगत ने मौके पर कहा, सरना स्थल हमारे अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा हुआ है। वहां किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार आदिवासियों की धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है।भारत आदिवासी पार्टी के नेता अमृत चिराग तिर्की ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा हेमंत सोरेन खुद को आदिवासियों का मसीहा बताते हैं, लेकिन उनकी सरकार में ही आदिवासियों की भूमि, संस्कृति और धर्म पर चोट हो रही है। अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो यह आंदोलन और उग्र होगा।छात्र नेता प्रदीप टोप्पो ने कहा, आज का आदिवासी युवा अपने अधिकारों को लेकर सजग है। सरकार अगर युवाओं की आवाज को दबाने की कोशिश करेगी तो सड़कों पर निर्णायक संघर्ष होगा।कई घंटों तक जाम रहने के बाद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी के समझाने पर प्रदर्शनकारियों ने जाम हटाया। इसके बाद यातायात सामान्य हो गया। सिमडेगा में बंद शांतिपूर्ण रहा और जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो गया।

युवा आयोग की बैठक में 12 प्रस्तावों पर मुहर खेल व युवाओं के विकास पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड राज्य युवा आयोग की एक महत्वपूर्ण बैठक परिसदन, सिमडेगा में आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आयोग के सदस्य श्री विशाल तिर्की, सुनील टुडू, सदस्य सचिव वेद रत्न मोहन सहित विशेष आमंत्रित विधायक प्रतिनिधि संतोष कुमार सिंह उपस्थित थे।बैठक की शुरुआत युवा हॉकी प्रशिक्षक स्वर्गीय प्रतिमा बरवा को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके आश्रितों को मुआवजा, प्रशिक्षकों के लिए ई.एस.आई./ई.पी.एफ. सुविधा, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा तथा नियुक्ति संबंधी नियमावली तैयार करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया।आयोग ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन द्वारा आदिवासी छात्रावासों के जीर्णोद्धार और करमटोली, रांची में 520 शैय्या वाले छात्रावास की आधारशिला रखने पर आभार जताया। इसके अलावा आयोग के वार्षिक प्रतिवेदन को स्वीकृति प्रदान की गई।युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु पोर्टल आधारित सूचना प्लेटफॉर्म की स्थापना, कौशल विकास, जैविक कृषि, नशामुक्ति एवं एच.आई.वी./एड्स जागरूकता से जुड़ी योजनाओं को CSR माध्यम से क्रियान्वयन की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। साथ ही युवा महोत्सव 2025 और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत 7-8 जून को योग प्रशिक्षण शिविर की भी घोषणा की गई।खेल अवसंरचना विकास को लेकर सिमडेगा जिले के एस.एस. बालक उच्च विद्यालय स्थित प्रशिक्षण केंद्र को विशेष दर्जा देने की अनुशंसा की गई। वहां हाईमास्ट लाइट, छात्रावास निर्माण, जिम और जलापूर्ति जैसी सुविधाओं पर ज़ोर दिया गया।सलीमा टेटे के गाँव बड़की छापर को आदर्श गाँव और केलाघाघ को पतरातु घाटी की तरह पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। वहीं रामरेखा धाम को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की अनुशंसा भी की गई।बैठक के पश्चात आयोग अध्यक्ष व अन्य आमंत्रित सदस्यों ने एस्ट्रोटर्फ मैदान का निरीक्षण किया और रंग-रोगन की बदहाल स्थिति देखकर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को एक सप्ताह में सुधार के निर्देश दिए।

स्टेडियम बना आवारा मवेशियों का अड्डा, मॉर्निंग वॉकर्स परेशान

सिमडेगा। जिले का एकमात्र खेल परिसर परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम इन दिनों आवारा गाय-बैलों का अड्डा बनता जा रहा है। खासकर रात के समय दर्जनों मवेशी स्टेडियम परिसर में डेरा डाल देते हैं, जिससे सुबह मॉर्निंग वॉक करने वाले नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार, मवेशी स्टेडियम परिसर में गंदगी फैला देते हैं जिससे वातावरण दूषित हो रहा है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। मॉर्निंग वॉक करने वाले कई नागरिकों ने जिला प्रशासन से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।इस मुद्दे पर मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह ने भी चिंता जताई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि आवारा पशुओं को स्टेडियम परिसर से हटाने की व्यवस्था की जाए ताकि आम नागरिक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में शारीरिक गतिविधियाँ कर सकें।स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया तो वे सामूहिक रूप से विरोध प्रदर्शन करेंगे।

बकरीद को लेकर गिर्दा ओपी में शांति समिति की बैठक हुई आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो थाना अंतर्गत गिर्दा ओपी परिसर में बकरीद पर्व और आगामी त्यौहार को लेकर गिर्दा ओपी शांति समिति की बैठक ओपी प्रभारी जितेंद्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुई।बैठक में त्यौहार को शांति एवं आपसी प्रेम भाव और भाईचारे के साथ मनाने पर चर्चा हुई।ओपी प्रभारी ने कहा कि त्यौहार सभी धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए मनाया जाना चाहिए। त्यौहारों आपसी सौहार्द बढ़ाता है।इस अवसर पर ओपी प्रभारी जितेंद्र कुमार वर्मा ने बकरीद त्यौहार के संबंध में क्षेत्र में त्योहार मनाने वाले स्थानों की जानकारी प्राप्त की।उन्होंने कहा कि प्रशासन हर तरह के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है,सोशल मीडिया के भ्रामक प्रचार से बचें,किसी पोस्ट को पहले अध्ययन करें उसके बाद ही आगे भेजें।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर त्वरित पुलिस प्रशासन को सूचित करें हर संभव सहयोग करने के लिए प्रशासन आपके साथ है।ओपी प्रभारी ने सभी को मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट पहनने,साइबर क्राइम से बचाव, मानव तस्करी की सूचना पुलिस को देने तथा किसी भी अनहोनी की संभावना होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की।बैठक में गिर्दा ओपी के पुलिस पदाधिकारी,एस आई रामनाथ सिंह, एएसआई अनिरुद्ध कुमार पासवान, जमताई मुखिया नामजन जोजो, रायकेरा मुखिया सोमा पाहन, ग्राम प्रधान घनश्याम सिंह, दुर्योधन दास, नंदलाल साहू, दामोदर सिंह, रामनरेश साहू, धनंजय प्रसाद,सुदीप नाग, तयैब अली, मोहम्मद अबुल हसन, ओमीन सिंह, गुरुदत्त प्रसाद सिंह, हरीश कुमार सिंह, बुद्धदेव कुमार साह, दीपक साहू, सोहेब, मोहम्मद वासीम, बिरेंद्र साहू, विनय साहू, प्रधान लुगुन, रामनाथ सिंह सहित सभी गण मान्य व्यक्ति,प्रबुद्ध जन, शांति समिति के सदस्य गण और ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में लगाया जनता दरबार

दर्जनों फरियादी आमजनों की शिकायतों पर कार्रवाई का मिला आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता। गिरीडीह

उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगाया। आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए दर्जनों लोगों से उपायुक्त ने मिलकर उनकी समस्याएं सुनी तथा जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस प्रकार बारी-बारी से लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट भी निष्पादन किया गया। आज के जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि, दाखिल खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, पेंशन, राशन, पेयजल, शिक्षा, कल्याण, छात्रवृति आदि से संबंधित विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अग्रसारित किया गया तथा जल्द से जल्द शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आमजनों की समस्याओं का समाधान त्वरित गति से किया जाय और जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ उन्हें लाभान्वित किया जाय। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकारी योजनाओं से वंचित है, उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ जाएगा और पूरी प्राथमिकता के साथ उन्हें लाभान्वित किया जाएगा।

शांतिपूर्ण से त्योहार मनाने को लेकर की गई बैठक

अफवाहों पर ध्यान नहीं दें, अपराधी किसी भी हाल में नहीं बचेंगे : एसडीपीओ

बरही। क्षेत्र में शांति व सौहार्द के साथ बकरीद मनाने के उद्देश्य से बरही नगर भवन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. जिसकी अध्यक्षता एसडीओ और संचालन को अमित किस्कू ने किया. जिसमे प्रशासन की ओर से मुख्य रूप से एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी आभाष कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार सहित कई समाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद थे. एसडीओ ने त्योहार के दौरान प्रतिबंध पशुओं की कुर्बानी नही करने, साफ सफाई पर ध्यान रखने, वर्जित पदार्थो को सुरक्षित स्थान पर विनष्ट करने आदि संबंधित निर्देश दिए. एसडीपीओ ने लोगो ने अफवाहों से दूर रहने, सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट करने से बचने और किसी भी अप्रिय घटना के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित करने की बात कही. सीओ ने बताया कि सभी प्रमुख जगहों पर सशस्त्र बल के सात दंडाधिकारी प्रतिनियुक्ति किए गए हैं. इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी ने कहा कि बकरीद को लेकर पुलिस पूरी तरह चौकस है. क्षेत्र में लगातार गश्तियाँ की जा रही है. शांति या माहौल खराब करने वाले किसी भी हाल में नही बचेंगे. सर्किल इंस्पेक्टर ने कहा कि बरही वासी अमन प्रेमी है और पूर्ण विश्वास है कि हर वर्ष की तरह किस वर्ष भी शांति और सौहार्द के साथ बकरीद मनाने में पूर्ण योगदान देंगे.

न्यूज बॉक्स

बकरीद पर्व को लेकर बरकट्ठा पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

बरकट्ठा। बकरीद पर्व को लेकर क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बरकट्ठा पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व बरकट्ठा थाना प्रभारी गौतम उरांव किया ।उनके साथ में बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान शामिल थे। फ्लैग मार्च बरकट्ठा से प्रारंभ होकर बरकट्ठा डीह होते हुए कोनहारा कला पहुंचा। मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों से शांति पूर्वक त्योहार मनाने और अफवाहों से बचने की अपील की। वहीं थाना प्रभारी गौतम उरांव ने लोगों से शांति सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अफवाह फ़ैलाने और कानून से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती से निपटेगी।

फाइनेंस कंपनी में करोड़ों की लूट के फिराक में थे अपराधी

हथियार समेत 4 को पुलिस ने दबोचा

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद

जिला पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने हथियार समेत चार अपराधी को गिरफ्तार किया है. अपराधियों के पास से दो बंदूक, छह जिंदा गोली, तीन स्मार्टफोन और दो बाइक बरामद किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों की धनबाद में डकैती की घटना को अंजाम देने की तैयारी थी. आरोपियों ने बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में एक माइक्रो फाइनेंस कंपनी में डकैती की योजना बनाई थी. माइक्रो फाइनेंस में प्रवेश से पहले ही चारों आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए. इस गिरफ्तारी में तीन और आरोपी थे, जो इस गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देते. लेकिन धनबाद आने के दौरान रास्ते में ही उन तीनों को बिहार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था. सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में एक माइक्रो फाइनेंस कंपनी में डकैती करने वाले हैं. डकैती को रोकने और अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी दल का गठन किया गया. छापेमारी टीम द्वारा माइक्रो फाइनेंस कंपनी में प्रवेश करने से पहले चारों अपराधियों को पकड़ लिया गया. पकड़े गये अपराधियों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में पुलिस को बताया कि पुरुलिया जेल में बंद गुड्डू उर्फ ओम प्रकाश प्रसाद के आदेश पर बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के एक माइक्रो फाइनेंस कंपनी में डकैती करने आये थे.

युवक ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

धनबाद। धनबाद जिले के सुदामडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहलबनी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. युवक की पहचान राजू महतो (22 वर्ष) के रूप में हुई है. उसका शव ओबी डंप के पास जंगल में एक पेड़ पर गमछे के सहारे लटका मिला.सूचना मिलते ही सुदामडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेज दिया. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. युवक के परिवार वालों से भी पूछताछ की जा रही है. आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है. घटना के संबंध में पूर्व पार्षद चंदन महतो ने बताया कि राजू महतो शांत स्वभाव का था. आज सुबह वह अपने घर से शौच के लिए गया था. अचानक सूचना मिली कि उसने मोहलबनी ओबी डंप के पास पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है.

मंईयां सम्मान योजना का प्रचार वाहन लेकर डैम आए दो युवक डूबे

रील बनाने की चक्कर में दो लड़कों की गयी जान

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के प्रचार प्रसार करने हजारीबाग के केरेडारी प्रखंड आए दो युवकों की घाघरा डैम में डूबने से मौत हो गई. घटना 3 जून शाम चार बजे की है. इस संदर्भ मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवकों में एक कटकम दाग प्रखंड के बनादाग निवासी आशीष कुमार पासवान (उम्र लगभग 22 वर्ष) और विशाल कुमार राम (उम्र लगभग 20 वर्ष) सदर प्रखंड के चानो, बहेरी का निवासी है. इस घटना की सूचना पर हेवई पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अमित दुबे घटनास्थल पर पहुंच कर इस हादसे की सूचना केरेडारी पुलिस को दी. जानकारी मिलते ही केरेडारी थाना प्रभारी विवेक कुमार घाघरा डैम पहुंचे और दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये हजारीबाग मेडिकल कॉलेज भेज दिया. सूचना जन संपर्क विभाग रांची से तीन युवक केरेडारी प्रखंड क्षेत्र में राज्य सरकार की महिलाओं के लिए चलाए जा रहे महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के प्रचार प्रसार करने प्रचार वाहन से यहां आए थे. प्रचार के दौरान हेवई पंचायत अंतर्गत घाघरा डैम की सुंदरता को देखकर विशाल व आशीष रील बनाने घाघरा डैम के ऊपर चढ़ गए. इसी में एक युवक का पैर फिसला तो दूसरा उसे बचाने का प्रयास किया. इसी क्रम में दोनों फिसल कर फॉल के साथ लगभग एक सौ फीट नीचे घाघरा डैम में गिर गए. जिससे दोनों को सिर में पत्थर से गहरी चोट लग गयी. जिससे दोनों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी. इस घटना की सूचना पर पूरे क्षेत्र में चर्चा आग की तरह फैल गई.

हेमंत सरकार को आदिवासी हित में कार्य करने की जरूरतः बेबी महतो

सरायकेला। आदिवासी समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा बुलाए गए झारखंड बंद का झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने समर्थन किया है। मोर्चा के केंद्र सचिव बेबी महतो ने बयान जारी कर कहा कि झारखंड को बचाना है तो आदिवासियों का हित में निर्णय लेने की जरूरत है। झारखंड बंद पूरी तरह से असरदार रहा। सरकार को अब गंभीर होकर निर्णय लेने की जरूरत है। आदिवासियों के हित में निर्णय लेकर काम करे। उन्होंने कहा कि नई उत्पाद नीति 2025 की मंजूरी झारखंड सरकार की सबसे बड़ी कमजोरी है। सरकार को अपनी नीति को बदलने की जरूरत है। जिस तरह से शराब को लेकर सरकार गंभीर है, यदि उस तरह से शिक्षा व रोजगार को लेकर गंभीर होता तो आज राज्य पीछे नहीं होता। लगातार महिला समूह एकजुट होकर शराब की बंदी को लेकर जोर दे रहे हैं। यह निर्णय सरकार ने उस समय लिया जिस समय झारखंड एक युवा अवस्था में है। झारखंड का 24 साल हो चुका है और युवा अवस्था में इसे खत्म करने की साजिश में वर्तमान सरकार लगा है। उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में शराबबंदी को लेकर अब जोर देने की जरूरत है। यदि शराब बंद नहीं होता है तो आने वाला भविष्य अंधकार में होगा। झारखंड में संसाधन की कमी नहीं है। लेकिन आज भी झारखंडी गरीब है। जिसका मूल कारण है लोग नशे में रहते हैं।

शराब दुकानों से लाखों रुपए राजस्व की हेराफेरी तीन कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज

बरही। खुदरा शराब दुकानों से संबंधित एक बड़े राजस्व घोटाले का मामला सामने आया है। उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक सुमितेश कुमार ने इस संबंध में बरही थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। आवेदन में उन्होंने बरही के तीन शराब दुकानकर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि झारखंड राज्य मद्य निषेध एवं उत्पाद निगम लिमिटेड (जेएसबीसीएल) द्वारा संचालित अनुज्ञप्ति प्राप्त शराब दुकानों में कार्यरत कर्मियों द्वारा बिक्री के पैसों में हेराफेरी कर फरार हो गए है। प्राथमिकी में उन्होंने बताया है कि सितंबर 2023 से मार्च 2025 तक खुदरा शराब दुकानों में मानव बल की आपूर्ति निजी एजेंसी एमएस विजन हॉस्पिटैलिटी कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से की जा रही थी। आंतरिक अंकेक्षक संस्था एस. जैन एंड कम्पनी द्वारा किए गए अंकेक्षण में यह तथ्य सामने आया कि बरही, गया रोड स्थित खुदरा शराब दुकान (अनुज्ञप्ति संख्या 018-एफएलएक्स-एचजेडबी-22-23 एवं 048-सीओएम-एचजेडबी-22-23) में कार्यरत कर्मियों द्वारा करोड़ों की बिक्री के बावजूद लाखों रुपये की राशि कम जमा की गई। उन्होंने आरोपित कर्मियों में आशीष कुमार पिता संजय साव, निवासी सिरमा, थाना पाटन, जिला पलामू उम्र लगभग 27 वर्ष, शशिभूषण कुमार पिता जनार्दन प्रसाद निवासी सिरमा, थाना पाटन, जिला पलामू उम्र लगभग 26 वर्ष और अमित सिंह पिता नामालूम निवासी पिपरा, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग उम्र लगभग 29 वर्ष शामिल है। इन तीनों पर सितंबर 2023 से जून 2024 के बीच कुल मिलाकर 32,30,723 (बत्तीस लाख तीस हजार सात सौ तेईस रुपये) की सरकारी राशि में हेराफेरी कर फरार हो जाने का आरोप है। इस घोटाले को सरकारी राजस्व का गबन मानते हुए, अवर निरीक्षक ने उक्त तीनों कर्मियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराया है। उन्होंने बरही थाना में कांड संख्या 203/25 में धारा बीएनएस 316(2), 316(3), 316(4), 306, 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराया है।

घर में लगी आग, दस लाख की संपत्ति जलकर राख

चक्रधरपुर। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड की चैनपुर पंचायत के बोड़दा गांव में बुधवार को एक घर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई. इस घटना में घर में रखे सारे सामान जलकर खाक हो गये. घर की बूढ़ी महिला समेत तीन लोग बाल-बाल बच गये. बताया जाता है कि बोड़दा गांव निवासी प्रेम लाल महतो रोजाना की तरह काम करने के लिए गम्हरिया गये हुये थे. उनकी पत्नी मंजूलता महतो सोनुआ गई थी.घर में प्रेम लाल महतो की बूढ़ी मां गंगामुनी महतो, 15 साल का पुत्र शेखर महतो व भतीजी थी. सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे प्रेमलाल महतो का पुत्र बाथरुम में था, तभी घर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई और तेज लपटें उठने लगीं. आनन-फानन में किसी तरह स्थानीय लोगों ने प्रेम लाल महतो की बूढ़ी मां, भतीजी व बेटे शेखर महतो को घर से बाहर निकाला. स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया. साथ ही इसकी सूचना चक्रधरपुर थाना को दी गई.लगभग आधा घंटे बाद फायर ब्रिगेड की टीम दमकल के साथ गांव पहुंची और आग बुझाने में जुट गई. डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. तब तक घर में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो चुका था.

उपायुक्त ने की कौशल विकास के कार्यों की समीक्षा

करियर काउंसलिंग के लिए रोस्टर तैयार कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा रामगढ़ जिले में किए जा रहे कार्यों को लेकर बुधवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान श्रम अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं जिला नियोजन पदाधिकारी मनोज मनजीत द्वारा उपायुक्त को उनके विभाग द्वारा संचालित योजना तथा विकास कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस इस दौरान श्रम अधीक्षक के द्वारा झारखंड असंगठित कर्मकार मृत्यु/ दुर्घटना सहायता योजना, मातृत्व प्रसव सुविधा योजना, अंत्येष्टि सहायता योजना, मुख्यमंत्री असंगठित श्रमिक औजार सहायता योजना, विवाह सहायता योजना, निर्माण श्रमिक सेफ्टी किट योजना सहित अन्य योजनाओं के तहत लाभुकों को दिए जा रहे लाभ की विस्तार से जानकारी दी गई इस दौरान उपायुक्त के द्वारा योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने तथा योग्य लाभुकों को चिन्हित कर योजनाओं से लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान जिला नियोजन पदाधिकारी मनोज मनजीत द्वारा उपायुक्त को रामगढ़ जिले में पंजीकृत बेरोजगार युवाओं की जानकारी देने के क्रम में बताया गया कि जिले में अब तक 9132 बेरोजगार युवाओं का पंजीकरण किया गया है एवं उनके लिए समय-समय पर रोजगार मेला एवं भर्ती कैम्प का आयोजन किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025- 26 में कुल तीन रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा वहीं 12 भर्ती कैंप का आयोजन किया जाएगा। साथ ही उनके द्वारा जानकारी दी गई की जिला नियोजनालय द्वारा युवाओं के लिए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

टाटानगर से दो नई ट्रेनों का परिचालन होगा शुरू

जमशेदपुर। टाटानगर रेलवे स्टेशन से चाकुलिया और चाईबासा के लिए दो नई ट्रेनों का परिचालन शुरू होगा. दक्षिण पूर्व रेलवे ने इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी है. 06 जून 2025 से दोनों नई ट्रेन का परिचालन शुरू होगा. दक्षिण पूर्व रेलवे ने चक्रधर रेल मंडल के अंतर्गत टाटानगर रेलवे स्टेशन से दो नई मेमू (MEMU) पैसेंजर शुरू करने के लिए हरी झंडी दे दी है. यात्रियों की सुविधा के लिए टाटानगर से चाईबासा और चाकुलिया के लिए दो मेमू पैसेंजर का परिचालन 06 जून 2025 से होगा. 68137/68138 टाटानगर-चाईबासा-टाटानगर मेमू पैसेंजर टाटानगर से रात 8 बजकर 55 मिनट पर खुलेगी और 11 बजे चाईबासा पहुंचेगी.

गायत्री जयंती के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बरकट्ठा। गायत्री जयंती के अवसर पर बरकट्ठा बाजार रोड स्थित काली मंदिर के प्रांगण में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस दौरान 12 घंटे का अखंड जाप कीर्तन किया गया जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।वहीं संध्या काल में भव्य दीपयज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और दीप जलाकर अपनी आध्यात्मिक भावनाओं को व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिव शंकर मोदी प्रखंड संजोधक, बबीता देवी, गोपेश्वर प्रसाद, रेखा देवी, शीला देवी, सुशीला देवी, शांति देवी समेत कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी नेताओं और श्रद्धालुओं ने अखंड जाप कीर्तन और दीपयज्ञ में भाग लेकर अपनी श्रद्धा को प्रदर्शित किया।इस अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को गायत्री जयंती की शुभकामनाएं दीं और इस पावन अवसर पर अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के आयोजन में जुटे सभी लोगों को बधाई देते हुए सभी ने आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री ने की बाबा बासुकीनाथ धाम मंदिर में पूजा अर्चना-कहा

मोदी सरकार रोजगार देने का कर रही हर प्रयास

नवीन मेल संवाददाता। दुमका

केंद्रीय बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी बाबा बासुकीनाथ धाम मंदिर पहुंची जहां उन्होंने विधि विधान पूर्वक बाबा भोलेनाथ की पूजा अर्चना की. पूजा अर्चना के बाद वन विभाग के विश्राम गृह में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की. इस दौरान उनके साथ उनकी अन्य पारिवारिक सदस्य भी मौजूद रहे. भोलेनाथ की पूजा करने के बाद बाल विकास मंत्री ने जनकल्याण के लिए महादेव पार्वती की मंगल आरती भी की. मंत्री के आगमन के दौरान मंदिर परिसर में स्थानीय पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था. अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि बाबा बासुकीनाथ की कृपा से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देशवासियों के लिए विकासात्मक योजनाएं लागू कर रही हैं. देश के विकास के लिए सरकार पूरी तरह से तत्पर है. अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि केंद्र सरकार सभी विभागों में रोजगार एवं नियुक्ति उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है ताकि देश को निरंतर आगे बढ़ाया जा सके. उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश रोज-रोज नई ऊंचाइयों को छू रहा है और हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है. मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव कांत प्रसाद, महिला मोर्चा की अध्यक्ष मनोरमा देवी के अलावा काफी संख्या में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे. उनसे भेंटवार्ता के बाद मंत्री ने देवघर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान किया.

पारा शिक्षक की हत्या मामले में 5वां आरोपी गिरफ्तार

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला के टेबो थाना क्षेत्र के पारा शिक्षक सनिका तोपनो की पिछले दिनों हरसिंह कोचा वनग्राम जंगल में हत्या कर दी गई थी. इस संबंध में मृतक के पुत्र अनिल तोपनो ने टेबो थाना में मामला दर्ज कराया था. अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने पांचवें आरोपी भोला बोदरा उर्फ भोलाय को मुरुकबेरा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इस मामले में पुलिस संजय बोदरा, सुदर्शन बोदरा, रेला हेम्ब्रम उर्फ डेका व एक नाबालिग को पहले ही जेल भेज चुकी है। पुलिस के अनुसंधान में यह बात सामने आई कि संजय बोदरा ने कुछ दिनों पहले सनिका तोपनो की बाइक को मांग कर अपने गांव चाकी ले गया था. इस दौरान उसने बाइक क्षतिग्रस्त कर दी थी.

अधीक्षण अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, हजारीबाग

-:: आम सूचना ::-

"जल ही जीवन है" "जल है तो कल है"

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, हजारीबाग कार्यालय सहित प्रमण्डलों में नियंत्रण कक्ष का गठन किया जाता है। कार्यालयवार सूचना निम्नांकित है:–

क्र0	नियंत्रण कक्ष/कार्यालय का नाम	नियंत्रण कक्ष में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/कर्मचारी का नाम	मोबईल नं0	नियंत्रण कक्ष की दूरभाष संख्या
1	2	3	4	5
1	पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, हजारीबाग	श्री रवि कुमार, कनीय अभियंता (नोडल पदाधिकारी)	9110946282	06546–262811
		श्री रामसेवक मेहता, आशुलिपिक–।।	9110912027	
		श्री कृष्णा कुमार, निम्न वर्गीय लिपिक	6299638350	
		श्री राजेश कुमार (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	8709418857	
2	पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग	ई0 अनिल प्रसाद गुप्ता, कार्यपालक अभियंता	9973461837	06546–296105
3	पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा	ई0 मनोज कुमार मुण्डारी, कार्यपालक अभियंता	8002093156	06541–253273
4	पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, झुमरीतिलैया	ई0 अनुज कुमार सिन्हा, कार्यपालक अभियंता	8002536460	
5	पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, रामगढ	ई0 सुरेन्द्र कुमार दिनकर, कार्यपालक अभियंता	7717776462	06553–223193

आम जनता से अपील है कि अपने आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों में नलकूपों की साधारण मरम्मति/जलापूर्ति संबंधित शिकायत उपर्युक्त अंकित मोबाईल/दूरभाष/शिकायत पंजी एवं विभागीय टोल फ्री दूरभाष संख्या–18003456502 तथा ई–मेल sedwsd.hazaribagh@gmail.com पर भी संपर्क स्थापित कर शिकायत दर्ज कराना चाहेंगे, ताकि आम जनता को नियमित रूप से पेयजलापूर्ति की जा सके।

(उपेन्द्र कुमार मण्डल)
अधीक्षण अभियंता

PR.NO.354260 Drinking Water and Sanitation(25-26):D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

दया ईश्वरानुभूति के लिए आवश्यक है, क्योंकि ईश्वर स्वयं इस गुण से आप्लावित हैं। सहृदय व्यक्ति स्वयं को दूसरों के स्थान पर रख उनकी पीड़ा का अनुभव कर उसे दूर करने का प्रयास कर सकते हैं। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

आभासी दुनिया के ग्लैमर का काला सच

कुछ दिनों पूर्व एक समाचार कौंधा कि रील बनाने वाले ने मर्सिडीज कार खरीदी जिसके बाद रील बनाने वालों की बाढ़ आ गई। जबकि ज्योति मल्होत्रा का मामला एक इन्फ्लुएंसर की दुनिया के अंधेरे पक्षों को उजागर करता है। हरियाणा की रहले वाली ट्रैवल व्लॉगर ज्योति मल्होत्रा की हाल ही में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में हुई गिरफ्तारी ने देश के सुरक्षा प्रतिष्ठानों और समाज में भी खलबली मचा दी है। चुलबुली ज्योति या जो, जिस नाम से वह सोशल मीडिया पर जानी जाती है, एक औसत यूट्यूबर इन्फ्लुएंसर के रूप में सामने आती है, जो अब तक स्वतंत्रता और अपने अनुभवों पर आधारित जिंदगी जी रही थी। लेकिन अब जैसा हम देख रहे हैं, यह मामला यूट्यूबरों की दुनिया के अंधेरे पक्षों को उजागर करता है, जो इन्फ्लुएंसर की पहचान और पैसे से जुड़ा है। यह मामला सोशल मीडिया, राजसी जीवन की चाह और राष्ट्रीय सुरक्षा के जटिल त्रिकोण को इंगित करता है। इससे यह भी स्पष्ट है कि डिजिटल युग जासूसी और सामाजिक व्यवहार के पारंपरिक प्रतिमानों को कैसे बदल रहा है। एक युवा जीवनशैली-उन्मुख यात्री, जो अपनी यात्राओं का रिकॉर्ड रखने के लिए यूट्यूब, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नेपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करती है। सुनने में यह बेहद सरल और सामान्य लगता है। पाकिस्तान की यात्राओं को प्रदर्शित करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाली उसकी सामग्री (कंटेंट), सौम्य पर्यटन और सांस्कृतिक रुचि के साथ मेल खाती प्रतीत होती है। हालांकि, पूर्व सुरक्षा विशेषज्ञ जोर देते हैं कि इस तरह की खुली गतिविधियों का इस्तेमाल गुप्त अभियानों के लिए किया जा सकता है और कथित तौर पर उसके मामले में ऐसा ही हुआ। धारणाओं के वैश्विक युद्ध में पाकिस्तान जैसे नाम मात्र के लोकतांत्रिक और नापाक इरादों वाले देश इन इन्फ्लुएंसरों को आसानी से उपलब्ध वस्तु के रूप में देखते हैं, जिनका इस्तेमाल लोगों की सोच को आकार देने में किया जा सकता है। पाकिस्तान की उसकी व्यापक यात्राएं और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देश को देखने का उसका गुलाबी चश्मा, पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारियों के साथ उसके निजी संबंध, जिस ओर इशारा करते हैं, उसी दिशा में बातें भी हो रही हैं। डिजिटल युग में खुद को खानाबदोश घुमक्कड़ और संस्कृति ब्लॉगर के रूप में प्रस्तुत करना एक आवरण के रूप में काम कर सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्यक्तिगत अभिव्यक्ति, जुड़ाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए अभूतपूर्व अवसर प्रदान करते हैं। फिर भी, जैसा कि मल्होत्रा के मामले से पता चलता है कि वे सौम्य बातचीत की आड़ में जासूसी की सुविधा भी देते हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ उसकी सहभागिता व सोशल मीडिया के जरिये राजनयिक कार्यक्रमों में भागीदारी, इन प्लेटफॉर्म के सचेत उपयोग के जरिए खुफिया उद्देश्यों से संबंध बनाने की आशंकाओं को ही जाहिर करती है। वह स्वतंत्र रूप से बातचीत करती दिखती है, कुछ का तो यहां तक कहना है कि उसने एक पाकिस्तानी व्यक्ति के साथ रोमांटिक समीकरण विकसित किया हुआ है। यह मामला बहुत चिंताजनक है और समाज में मौजूद कमजोरियों के प्रति हमारी आंखें खोलता है।

सोशल मीडिया, राजसी जीवन की चाह और राष्ट्रीय सुरक्षा के जटिल त्रिकोण को इंगित करता है।

फिर बोतल से बाहर आ रहा है कोरोना का जिन्न

दुनिया के अन्य देशों के साथ भारत में भी कोरोना के मामलों में काफी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है,कोविड-19 संक्रमण एक बार फिर से तेजी के साथ पैर पसार रहा है। देश में कोरोना के मामले 4 हजार के करीब पहुंच गए हैं। यानी किसी भी वक्त कोविड-19 के मामले 4 हजार के आंकड़े को पार कर सकते हैं। इस वक्त सबसे ज्यादा कोविड संक्रमित मरीज केरल (1435) में हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र (506) और तीसरे नंबर पर दिल्ली (483) हैकोविड संक्रमण के कारण मौत के आंकड़ों की बात करें तो अब तक 32 कोविड मरीजों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे के अंदर 4 लोगों ने संक्रमण के कारण दम तोड़ा है। मरने वालों में एक मरीज दिल्ली, एक केरल, एक महाराष्ट्र और एक तमिलनाडु का है। तेजी से बढ़ते संक्रमण और संक्रमित मरीजों के मौत के मामले ने सभी को डरा दिया है। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पिछले 24 घंटे के अंदर एक कोविड पॉजिटिव केस मिला है, जिसके बाद कोविड संक्रमितों की तुलना अब 63 हो गई है, जिसमें महिला 31 और पुरुष 32 हैं। कोविड के केस लगातार बढ़ना थोड़ी चिंता की बात जरूर है। कारण है कि काफी तेजी से मामले बढ़ रहे हैं, उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में भी वृद्धि देखी जा रही है। कोरोना में यह बढ़ोत्तरी ऐसे समय में देखने को मिल रही है, जब दुनिया मानकर चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जनजीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी, लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में कोविड के मामले बढ़कर 4000 के पास पहुंच चुके हैं। सबसे अधिक 1435 मामले केरल में मिले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 506 और दिल्ली में 483 एक्टिव मामले हैं। शुक्रवार से शनिवार के बीच कोविड के 685 नए केस सामने आए है आए हैं। वहीं इससे 4 मौतें हुई हैं, जिसमें दिल्ली , कर्नाटक, उत्तर प्रदेश में एक-एक मौत हुई है। अब तक कोरोना से 32 मौतें हो चुकी हैं। इससे पहले 30 मई को सुबह 8 बजे तक सिर्फ 7 मौतों का आंकड़ा सामने आया था। ऐसे में बीते दो दिनों में देश के अंदर 21 लोगों की मौत दर्ज की गई। 31 मई को बेंगलुरु में 63 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसे दोनों वैक्सीन के साथ बूस्टर डोज भी लगी थी। वहीं दिल्ली में 60 साल के बुजुर्ग की मौत हुई है। महाराष्ट्र-केरल में सबसे ज्यादा 7-7 लोगों ने जान गंवाई है। कर्नाटक सरकार ने पब्लिक एडवाइजरी जारी की। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में एनबी. 1.8.1 और एलएफ. 7 वेरिएंट्स के कारण मामलों में वृद्धि हो रही है। दरअसल एनएफ.1.8.1 और एलएफ. 7 ओमिक्रॉन के जेएन. 1 वेरिएंट और इसमें हुए म्यूटेशन से उत्पन्न सब-वैरिएंट्स हैं। वैज्ञानिकों ने इसे बेहद सक्रामक बताया है। इतना ही नहीं एनबी. 1.8.1 से होने वाले खतरों को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे वैरिएंट ऑफ मॉनिटरिंग के रूप में क्लासीफाई किया है। इसे अब तक वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में रखा गया था। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक एनवी. 1.8.1 रिकॉम्बिनेंट वैरिएंट एक्सडीवी. 1.5.1 से निकला है। इसका सबसे पहला सैंपल 22 जनवरी साल 2025 को इकट्ठा किया गया था। इस वेरिएंट में कुछ एसेम्प्यूटेशन देखे गए हैं, जो इम्यूनिटी को भी चकमा दे सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इन नए वेरिएंट्स से संक्रमित लोगों में सामान्यतः बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द और थकान जैसे हल्के लक्षण देखे जा रहे हैं। हालांकि ये वेरिएंट प्रतिरक्षा प्रणाली को चकमा दे सकते हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है कि ये गंभीर या लंबी बीमारी का कारण बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इन वेरिएंट्स को चिंताजनक श्रेणी में शामिल नहीं किया है। विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन स्थिति पर निरंतर निगरानी आवश्यक है। उन्होंने जनता से भी अपील की है कि वे घबराएं नहीं बल्कि सतर्क रहें। सरकार सक्रिय रूप से हालात पर नजर बनाए हुए है और यदि कोरोना मामलों में वृद्धि होती है, तो सतर्कता बढ़ाने और आवश्यक तैयारियां करने पर जोर दिया जाएगा। अगर देखा जाए तो दुनिया मानकर चल रही थी कि कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी, लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है, वो चिंताजनक है। चीन से भी छन छन कर जो निकल रहा है उससे इतना तो पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है, लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा। इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं, जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्विटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। कोरोना के बढ़ते हुए मामले को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देश भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वो स्थिति न आए, जिसे हमने देखा और भोगा है। लेकिन पुराने कड़े अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हालांकि ऐसी स्थिति आने की संभावना नहीं है, लेकिन इसके बावजूद अब समय आ गया है कि हमलोग सभी सतर्क हो जाए। कोरोना से कैसे लड़ना है, यह बताने की जरूरत है। सबको पता है कि कोरोना से कैसे निपटना है, इसलिए जरूरत है कि सभी सतर्क हो जाए और उन एहतियात का पालन करने, जो कोरोना के समय करते थे, ताकि इसको बढ़ने से पहले ही रोका जा सकें। कोरोना के लिए सरकार निपटने की तैयारियों में जुट गयी है नागरिकों को भी सुरक्षा उपायों को अमल करना चाहिए। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आज की बात

मनोज कुमार अग्रवाल

पनीर की पीड़ा

हमारे मोहल्ले में एक पंडित जी रहते हैं—नाम नहीं लूँगा, क्योंकि नाम लेते ही वे आ जाते हैं और फिर कम से कम दो घंटे तक प्रवचन देते हैं कि "ब्रह्मांड की उत्पत्ति कैसे हुई और उसमें पनीर का क्या योगदान है।" पंडित जी ने अब प्रवचन देना बंद कर दिया है, अब वे पनीर ज्ञान बाँटते हैं। कहते हैं- "पनीर एक तत्व है, जैसे पंचतत्व-जल, अग्नि, वायु, आकाश और पनीर।" एक दिन बोले, "पनीर सबमें है, तुझमें है, मुझमें है, हरजीत की चाट में है, शर्मा जी के टिफिन में है। जो पनीर को पहचान गया, वह आत्मा को पहचान गया।" मैंने कहा-"पंडित जी, आत्मा तो कब की निकल चुकी है, अब पेट में गैस है। वो भी पनीर से।" पंडित जी ने गुस्से से देखा, फिर बोले-"इस अधम को भूतल पर पनीर की कृपा नहीं चाहिए।" अब उनकी कृपा से मोहल्ले में एक नया मंदिर बन रहा है-"श्री श्री पनीरेश्वर धाम"। वहाँ हर मंगलवार को "शाही पनीर आरती" होती है। बर्फी के बदले पनीर का प्रसाद बँटता है। एक बार मैंने मज़ाक में कह दिया कि "प्रसाद खट्टा था", तो मुझ पर "गौग्रास का अपमान" कहकर एफआईआर दर्ज हो गई।

अब स्कूलों में भी यही हाल है। एक सरकारी स्कूल में निरीक्षण के दौरान शिक्षिका ने बताया-"हमने बच्चों को विविधता का पाठ पढ़ाया है।" मैंने पूछा-"कैसे?" उन्होंने जवाब दिया-"बच्चों को पनीर की पाँच रेसिपी याद करवाई है—पनीर दो प्याज़ा, मटर पनीर, पालक पनीर, कढ़ाई पनीर और शाही पनीर।" मैंने कहा-"अरे देवी, ये विविधता नहीं, एकता में एकता है!" शिक्षिका बोलीं-"सर, नया पाठ्यक्रम आया है, 'राष्ट्रीय व्यंजन-निर्माण योजना।'" अब बच्चा रटता है-'सबका स्वाद, एक पनीर', जैसे पहले रटता था 'सबका साथ, सबका विकास।' एक बार एक बच्चा गलती से 'भिन्डी' लिख आया। पूरा स्कूल उठ खड़ा हुआ। उसकी कॉपी को गंगाजल से शुद्ध किया गया। बच्चे को समझाया गया-"ये देश का अपमान है। यहाँ पनीर बोलना ही देशभक्ति है।" अब स्कूल में झंडा फहराते समय राष्ट्रगान के बाद "पनीर वंदना" गाई जाती है-"पनीर तुंही महान, तेरे बिना न हो खान।" एक दिन मैं एक पुराने मित्र के घर गया। देखा तो उनकी पत्नी रसोई में रो रही थीं। मैंने पूछा-"क्या हुआ भाभीजी?" वे बोलीं-"हर दिन पनीर बना रही हूँ। अब तो हाथ कांपते हैं पनीर काटते-काटते। और सुनिए, वो तो हद कर दी इन साहब ने।" मैंने पूछा-"क्या?" बोलीं-"इन्होंने अपनी शादी की सालगिरह पर मुझे पनीर की साड़ी गिफ्ट की।" मैंने देखा, साड़ी पर छोटे-छोटे पनीर के टुकड़े प्रिंट थे, और बॉर्डर पर लिखा था-'पनीरलिशियस लव'। मैं स्तब्ध। उनकी बेटी आई, बोली-"चाचाजी, मेरा नाम अब 'पनीरिका' रख दिया है।" अब मोहल्ले में शादियाँ नहीं होतीं, पनीर महोत्सव होते हैं। बैंड वाले भी अब 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है' के बजाय 'तेरे बिना पनीर अधूरी सी लगती है' गाते हैं। और क्या कहें!

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

विश्व पर्यावरण दिवस अनुष्ठान नहीं आचरण का पर्व

विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि मानवता के आत्मावलोकन का दिवस है। 5 जून को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें प्रकृति के साथ हमारे संबंधों की पुनः समीक्षा करने का अवसर देता है। आज जब ग्लोबल वॉर्मिंग, जैवविविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन, जल संकट और प्रदूषण जैसे मुद्दे वैश्विक अस्तित्व को चुनौती दे रहे हैं, तब यह दिवस एक चेतावनी बनकर सामने खड़ा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की हालिया रिपोर्टें संकेत देती हैं कि यदि अगले दशक में कार्बन उत्सर्जन में कठोर कमी नहीं की गई. तो पृथ्वी की औसत तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक की वृद्धि होगी, जिसके विनाशकारी परिणाम होंगे। आर्कटिक की बर्फ पिघल रही है, जंगल जल रहे हैं, तूफान व बाढ़ की तीव्रता बढ़ रही है, और मरुस्थलीकरण बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई हिस्सों में पेयजल संकट विकराल रूप ले रहा है। भारत, जिसने "पृथ्वी को मां" के रूप में पूजा है, आज वैश्विक मंचों पर पर्यावरण-संरक्षण की दिशा में नेतृत्व कर रहा है। 'इंटरनेशनल सोलर अलायंस', 'लाइफ मिशन' लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट, जल शक्ति अभियान, राष्ट्रीय हरित नीति और स्वच्छ भारत अभियान जैसे कार्यक्रम पर्यावरणीय जिम्मेदारी की मिसाल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने जी20, सीओपी26 जैसे वैश्विक मंचों पर "वन अर्थ, वन हेल्थ" और "नेट जीरो 2070" का संकल्प लेकर पर्यावरणीय नेतृत्व का परिचय दिया। आज पूरे विश्व में समसामयिक बदलावों से जनमानस त्राहिमाम कर रहा है, पर्यावरण के विविध क्षेत्र और उनमें हो रहे परिवर्तन से असामान्य मौसमी घटनाएं, जैसे समय से पहले मानसून, असहनीय गर्मी, और अनियंत्रित वर्षा, ज्वालामुखी, भू-स्खलन जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। वहीं जैव विविधता में गिरावट से अनेक प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं। मधुमक्खियों, तितलियों जैसे परागणकर्ता तेजी से घट रहे हैं। वायु प्रदूषण एक बहुत बड़ी समस्या आज के युवा पीढ़ी के सामने खड़ी है। शहरीकरण और औद्योगीकरण ने वायु को विषाक्त बना दिया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, भारत के कई शहर विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में गिने जाते हैं। दूसरी ओर जल संकट बड़ी समस्याओं की ओर बढ़ती जा रही है। भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट और जल स्रोतों का प्रदूषण विकराल हो चुका है। प्लास्टिक प्रदूषण एक भारी समस्या बन गई है। समुद्री जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। 2050 तक महासागरों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका जताई गई है। इस विकट परिस्थिति में अब सवाल उठता है कि हम मनुष्यों को क्या करना चाहिए? पर्यावरण संकट केवल सरकारों का नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है। पुनरावृत्ति योग्य वस्तुओं का प्रयोग करें। प्लास्टिक त्याग और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा दें। जल और ऊर्जा संरक्षण की ओर ध्यान दें। स्थानीय जैविक उत्पादों को अपनाएं। वृक्षारोपण को बढ़ावा दें एवं हरियाली बनाए रखें। हर छोटा कदम सामूहिक बदलाव का वाहक बन सकता है। युवाओं एवं बच्चों की भूमिका भी तय होनी चाहिए। भविष्य के निर्माता आज की सोच को दिशा दें। विद्यालयों में पर्यावरणीय पाठ्यक्रम लागू किया जाए। प्राकृतिक विज्ञान क्लब बनाया जाए। 'ग्रीन स्कूल' 'ग्रीन कॉलेज' 'ग्रीन यूनिवर्सिटी' अभियान चलाया जाए। ईको वॉरियर कार्यक्रम को लागू किया जाए। डिजिटल माध्यमों द्वारा जागरूकता फैलाना, जैसे उपायों से युवा पीढ़ी को प्रकृति के साथ आत्मीय संबंध स्थापित कराना अनिवार्य है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भारतीय आध्यात्मिक दर्शन में पर्यावरण का स्थान परम है। ऋग्वेद में कहा गया है: "माता भूमिः पुत्रोऽहम पृथिव्याः" (पृथ्वी मेरी माता है, और मैं उसका पुत्र हूं।) महर्षि वशिष्ठ, कणाद, पतंजलि, कबीर और तुलसी जैसे संतों ने प्रकृति को ईश्वर का ही रूप माना है। संत रविदास ने 'प्रकृति धर्म' को 'सहज धर्म' कहा। तुलसीदास लिखते हैं: "वृक्ष जल बिनु होहिं न हराही, जल बिनु सोई गति बृक्षन्ह कराही।" आज भी यह संतवाणी जीवन दर्शन की मूल चेतना बन सकती है। हिंदी साहित्य ने पर्यावरण को कभी उपेक्षित नहीं किया। जयशंकर प्रसाद की कामायनी में जल और प्रकृति का गहरा वर्णन मिलता है। नागार्जुन की कविताओं में प्रकृति का चित्रण अद्भुत किया गया है। राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा, विनोद कुमार शुक्ल सभी ने पर्यावरणीय चेतना को स्वर दिया है। वर्तमान समय में साहित्यकारों की जिम्मेदारी है कि वे जलवायु चेतना को आम जन तक प्रभावशाली भाषा में पहुँचाएँ।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात

डॉ दीपक प्रसाद
रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य

विश्व पर्यावरण दिवस विशेष

फेसबुक वॉल से

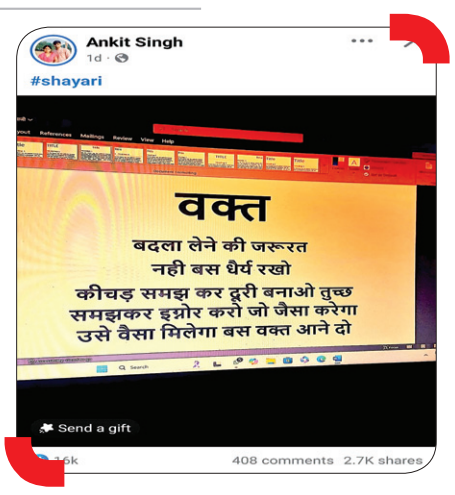

एक्स से

आज का दोहा

क्या दिन थे जब घर नहीं, दिल थे बड़े विशाल।
हम बच्चों के सामने, बनते बड़े मिसाल।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

मां गंगा के अवतरण की याद दिलाता है गंगा दशहरा

भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने जिस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण किया,उस पवित्र दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लेकर आए थे। जिसके लिए उन्होंने कठिन तपस्या की थी। गंगा दशहरा पर हर वर्ष गंगा में आस्था की डुबकी लगाई जाती हैं। ऐसा कहते हैं कि इस दिन गंगा में स्नान करने से 10 प्रकार के पाप मिट जाते हैं। गंगा ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हस्त नक्षत्र में धरती पर अवतरित हुई थी। इस साल ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 4 जून की रात 11 बजकर 54 मिनट पर शुरू हो रही है ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए 5 जून, गुरुवार को गंगा दशहरा मनाया जा रहा है।गंगा दशहरा पर सुबह 9 बजकर 14 मिनट पर सिद्धि योग है इसके साथ ही इस दिन रवि योग और हस्त नक्षत्र भी है,जो दोपहर 1 बजकर 2 मिनट पर तैतिल करण रहेगा। गर करण योग दोपहर 2 बजकर 15 मिनट तक रहने वाला है। गंगा में डुबकी लगाते समय 'ऊँ नमः शिवायै नारायण्यै दशहरायै गंगायै नमः' मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता हैं। गंगा दशहरा के दिन दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन दान-धर्म के कार्य करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दशहरा का अर्थ 10 मनोविकारों के विनाश से है। ये दस मनोविकार हैं-क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी। जिनसे मुक्ति के लिए ज्ञान गंगा का स्नान करने से हम विकारमुक्त होकर पवित्र बन सकते है। राजा भागीरथ की कठोर तपस्या, उनके अथक प्रयास और परिश्रम से इसी दिन गंगा ब्रह्मा जी के कमंडल से निकलकर शिव की जटाओं में विराजमान हुई थी और शिवजी ने अपनी शिखा को खोल कर गंगा को धरती पर जाने की अनुमति दी थी। इसलिए गंगा के धरा अवतरण दिवस को गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है। गंगा दशहरा के दिन प्रातः काल गंगा में स्नान करके मां गंगा की आरती करने से समस्त पापों का विनाश हो जाने की धार्मिक मान्यता है। गंगा का जल हमेशा पवित्र व गुणकारी होता है,उसमें कभी भी कीड़े नहीं पड़ते और इसका जल प्रदूषित नहीं होता। इसलिए इस जल में स्नान करने से रोगों का विनाश हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन स्नान, ध्यान और तर्पण करने से शरीर शुद्ध और मानसिक विकारों से मुक्त हो जाता है।अमृत दायिनी मां गंगा के स्पर्श मात्र से ही चराचर जीवो के पापों का अंत हो जाता है और उसे मुक्ति मिल जाती है। कहते है कि एक बार महाराज सगर ने एक बड़ा यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला। इंद्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्नकथा। परिणाम स्वरूप अंशुमान ने सगर की साठ हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया। सारा भूमंडल खोज लिया पर अश्व नहीं मिला।फिर अश्व को पाताल लोक में खोजने के लिए पृथ्वी को खोदा गया। खुदाई पर उन्होंने देखा कि साक्षात् भगवान महर्षि कपिल के रूप में तपस्या कर रहे हैं। उन्हीं के पास महाराज सगर का अश्व घास चर रहा है। प्रजा उन्हें देखकर चोर-चोर चिल्लाने लगी। महर्षि कपिल की समाधि टूट गई। ज्यों ही महर्षि ने अपने आग्नेय नेत्र खोले, त्यों ही सारी प्रजा भस्म हो गई। इन मृत लोगों के उद्धार के लिए ही महाराज दिलीप के पुत्र भगीरथ ने कठोर तपस्या की थी।भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने उनसे वर मांगने को कहा तो भगीरथ ने गंगा की मांग की। इस पर ब्रह्मा ने कहा- राजन! तुम गंगा का पृथ्वी पर अवतरण तो चाहते हो? परंतु क्या तुमने पृथ्वी से पूछा है कि वह गंगा के भार तथा वेग को संभाल पाएगी? मेरा विचार है कि गंगा के वेग को संभालने की शक्ति केवल भगवान शंकर में है। इसलिए उचित यह होगा कि गंगा का भार एवं वेग संभालने के लिए भगवान शिव का अनुग्रह प्राप्त कर लिया जाए। महाराज भगीरथ ने वैसा ही किया। उनकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने गंगा की धारा को अपने कमंडल से छोड़ा। तब भगवान शिव ने गंगा की धारा को अपनी जटाओं में समेटकर जटाएं बांध लीं। इसका परिणाम यह हुआ कि गंगा को जटाओं से बाहर निकलने का पथ नहीं मिल सका। अब महाराज भगीरथ को और भी अधिक चिंता हुई। उन्होंने एक बार फिर भगवान शिव की घोर तपस्या शुरू की। तब कहीं जाकर भगवान शिव ने गंगा की धारा को मुक्त करने का वरदान दिया। इस प्रकार शिवजी की जटाओं से छूट कर गंगाजी हिमालय की घाटियों में कल-कल निनाद करके मैदान की ओर आई इस प्रकार भगीरथ पृथ्वी पर गंगा का वरण करके बड़े भाग्यशाली हुए। उन्होंने जनमानस को अपने पुण्य से उपकृत कर दिया। युगों-युगों तक बहने वाली गंगा की धारा महाराज भगीरथ की साधना की गाथा कहती है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

अलग बात

डॉ श्रीगोपाल नारसन

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव शुरू
5 जून को राम दरबार की स्थापना

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय समारोह शुरू हो गया है। संत मिथिलेश नंदनी शरण ने बुधवार को कहा कि जब से श्रीराम लला मंदिर के भूतल पर मुख्य गर्भगृह में विराजमान हुए हैं, तब से भक्तों और पूरे देश को शेष परिसर खासकर श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा का इंतजार है। आस्था और पूजा पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए प्राण प्रतिष्ठा के वैदिक अनुष्ठान और उनकी पारंपरिक प्रक्रियाओं का ठीक से पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा दशहरा को ध्यान में रखकर तीन दिनों का यह उत्सव हो रहा है। भगवान सीताराम जुगल सरकार, हनुमान जी महाराज, लक्ष्मण जी को साथ प्रथम तल पर विराजमान कराया जा रहा है। वहीं, गोस्वामी तुलसीदास महाराज और ऋषियों के विग्रह विराजमान हो रहें है। उन्होंने कहा कि एक तरफ परमब्रह्म परमात्मा और अयोध्या के आराध्य होकर दशरथ नंदन श्रीराम की स्थापना मंदिर में होगी। वहीं, दूसरी ओर समाज और मनुष्य से संबंध को भी आदर्श मनुष्यता के रूप में मंदिर परिसर में जीवंत किए जाने के लिए प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। यह बड़ी ही प्रसन्नता और प्रशंसा का विषय है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहते हैं कि आज हम श्री राम मंदिर का उत्सव मना पा रहे हैं। इसके अतीत में कई नायक हैं। लेकिन वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष योगदान रहा है, जिनकी वजह से यह उत्सव मनाया जा रहा है। वह अयोध्या के उत्थान के नायक बनकर निरंतर लगे रहे हैं और असाधारण सेवाएं दे रहे हैं। सीएम योगी का जन्मदिन भी 5 जून को है। गोरक्षपीठ के प्रमुख होने के कारण उनके अनुयायी उनका जन्मदिन मनाएंगे।

दिल्ली और राजस्थान के रोहिंग्याओं को शामिल करने की थी कोशिश

'आरसा' का आतंकी नेटवर्क बेनकाब

एजेंसी। कोलकाता

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर बंगाल सहित पूर्वोत्तर भारत में आतंकी साजिश रच रहे 'अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी' यानी 'आरसा' के नेटवर्क को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार की विशेष जांच टीम ने समय रहते बेनकाब कर दिया है। दिल्ली, राजस्थान और जम्मू के रोहिंग्याओं को इस साजिश में शामिल करने की कोशिश की जा रही थी। अब तक उत्तर भारत में ऐसे कम से कम 20 रोहिंग्याओं की पहचान की जा चुकी है, जिनका ब्रेनवॉश कर उन्हें हमले के लिए तैयार किया गया था। मार्च के मध्य में बांग्लादेश के नारायणगंज से आताउल्लाह अपने पांच साथियों के साथ रैपिड एक्शन बटालियन के हाथों गिरफ्तार हुआ। उसके पास से भारी मात्रा में अमेरिकी डॉलर, बांग्लादेशी टाका और अन्य विदेशी मुद्रा बरामद हुई। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि आईएसआई के निर्देश पर भारत के विभिन्न हिस्सों में रोहिंग्याओं की मदद से हमले की साजिशें रची जा रही हैं। इस जानकारी के आधार पर भारतीय खुफिया एजेंसियों ने राजस्थान, दिल्ली और जम्मू में अभियान चलाकर कम से कम 20 ऐसे रोहिंग्याओं की पहचान की, जिनका ब्रेनवॉश कर उन्हें स्लीपर सेल में तब्दील किया जा रहा था। इनमें से कई से पूछताछ कर उत्तर बंगाल के हिली सीमा क्षेत्र में दो अन्य रोहिंग्याओं को पकड़ा गया है, जिनसे फिलहाल पूछताछ जारी है।

● बांग्लादेश में आताउल्लाह समेत 5 लोग विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार

● भारतीय एजेंसियों ने हिली सीमा क्षेत्र से भी 2 रोहिंग्या पकड़े, पूछताछ जारी

बंगाल में हमले की साजिश, आरसा और आईएसआई का गठजोड़

कोलकाता पुलिस मुख्यालय लाल बाजार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इन संदिग्धों से पूछताछ के बाद उत्तर बंगाल के बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों में छिपे दो और रोहिंग्याओं की जानकारी मिली है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इनकी मदद से बंगाल में किसी बड़ी हमले की साजिश की योजना तो नहीं थी। जानकारी के मुताबिक, आरसा' को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से समर्थन मिल रहा है। इस आतंकी संगठन का सरगना आताउल्लाह अबू अम्मार जुनुनी मूल रूप से रोहिंग्या है लेकिन उसका जन्म पाकिस्तान के कराची में हुआ था और उसने मध्य-पूर्व में शिक्षा प्राप्त की। म्यांमार के रखाइन राज्य में उसने 'अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी' की स्थापना की, जो मुख्य रूप से रोहिंग्याओं को शामिल कर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता है। पिछले साल आताउल्लाह ने बांग्लादेश के छिपकर आतंकी साजिशों को कई हिस्सों में अंजाम देना शुरू किया। वहीं से उसका संपर्क आईएसआई से हुआ। रणनीति के तहत भारत में घुसे रोहिंग्या शरणार्थियों का इस्तेमाल किया गया ताकि अजनबी चेहरों के जरिए साजिश को अंजाम दिया जा सके।

मध्य प्रदेश के झाबुआ में कार पर पलटा ट्राला, 9 की मौत

एजेंसी। झाबुआ

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात को एक बड़ा हादसा हो गया। एक कार के ऊपर ट्राला पलट गया, जिससे कार में सवार नौ लोगों की मौत हो गई है, वहीं तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात को लगभग दो बजे झाबुआ जिले के थांदला मेघनगर के बीच में पड़ने वाले संजेली रेलवे फाटक के पास निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के करीब एक ट्राले का संतुलन बिगड़ा और वह करीब से गुजर रही कार पर पलट गया। कार में सवार लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे। बताया गया है कि ट्राला मेघनगर तहसील के अंतर्गत आने वाले संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास की जर्जर सड़क से गुजरते हुए निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज को पार कर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे कार पर पलट गया। ट्राले पर सीमेंट लदा हुआ था, परिणामस्वरूप कार में सवार कुल नौ लोगों की मौत हुई है, वहीं तीन लोग घायल हुए हैं। मृतक थांदला के शिवगढ़ महुदा के निवासी बताए जा रहे हैं। कार में जो लोग सवार थे, वे एक शादी समारोह से लौट रहे थे। बताया गया है कि हादसा होने के बाद सड़क से गुजर रहे वाहनों में सवार लोग और अन्य लोगों ने राहत तथा बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस दल भी मौके पर पहुंचा और कार में दबे लोगों को बाहर निकाला गया। कार के भीतर फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। सभी को एंबुलेंस के जरिए स्वास्थ्य केंद्र तक भेजा गया। जिस सड़क पर यह हादसा हुआ है, उसकी हालत जर्जर है और उसी का नतीजा रहा कि सीमेंट से भरा ट्राला, जिस पर वजन काफी ज्यादा था, उसका संतुलन बिगड़ा और नौ लोगों की जान ले ली। नौ लोगों की तो मौत हुई है, वहीं तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

'ऐसी घटनाएं लोकतंत्र की जड़ों पर हमला'

सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के बंगाल हिंसा मामले में छह आरोपियों की जमानत रद्द की

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के पश्चिम बंगाल हिंसा मामले के छह आरोपियों की जमानत को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र की जड़ों पर हमला हैं। दरअसल, सभी आरोपी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ता हैं और उन पर 2021 के पश्चिम बंगाल हिंसा के दौरान एक हिंदू परिवार पर हमला करने का आरोप है। इन सभी छह आरोपियों को कलकत्ता हाईकोर्ट ने जमानत दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मामले में सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के जमानत के आदेश को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में सभी आरोपियों की जमानत रद्द करते हुए उन्हें दो सप्ताह के अंदर निचली अदालत के सामने सरेंडर करने का आदेश दिया। साथ ही सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में निचली अदालत में चल रही सुनवाई में तेजी लाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत को छह महीने के भीतर सुनवाई पूरी करने का निर्देश भी दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि उसे यह पता चला है कि लगभग 40-50 हमलावरों ने पीड़ित के घर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। इतना ही नहीं, उसकी पत्नी को बालों से खींचा, जबरन उसके कपड़े उतारे और फिर उसका यौन शोषण किया। उसने खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगाने की धमकी दी और उसके बाद वह वहां से भागने में सफल रही थी। सर्वोच्च अदालत ने आरोपियों की जमानत रद्द करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं की कड़ी आलोचना भी की। कोर्ट ने कहा कि ऐसी घटनाएं 'लोकतंत्र की जड़ों पर हमला' हैं। आरोपियों के खिलाफ आरोप इतने गंभीर हैं कि उनका समाज पर 'प्रतिकूल प्रभाव' पड़ता है और 'अदालत की अंतरात्मा को झकझोरता है'।

गुरुद्वारे की जमीन पर ठोका था दावा, दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि एक परिसर का इस्तेमाल गुरुद्वारे के तौर पर किया जा रहा है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने वक्फ बोर्ड की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उसने 2010 में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उसकी याचिका खारिज करने के फैसले के खिलाफ अपील की थी। जस्टिस शर्मा ने कहा कि बोर्ड को खुद ही अपना दावा छोड़ देना चाहिए था। हालांकि, बोर्ड की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय घोष ने कहा कि निचली अदालतों ने माना था कि वहां मस्जिद थी लेकिन अब वहां किसी तरह का गुरुद्वारा है। कोर्ट ने अपील खारिज करते हुए कहा कि किसी तरह का नहीं। एक उचित ढंग से काम करने वाला गुरुद्वारा। एक बार गुरुद्वारा बन जाए तो उसे रहने दें। वहां पहले से ही एक धार्मिक संरचना काम कर रही है। आपको खुद ही उस दावे को छोड़ देना चाहिए। वक्फ बोर्ड के अनुसार शाहदरा में विवादित मस्जिद मस्जिद तकिया बब्बर शाह थी। बोर्ड का दावा है कि यह मस्जिद अनादि काल से अस्तित्व में है और धार्मिक उद्देश्यों के लिए समर्पित थी। हालांकि, प्रतिवादी ने तर्क दिया था कि संपत्ति वक्फ संपत्ति नहीं है क्योंकि संपत्ति के मालिक मोहम्मद अहसान ने इसे 1953 में उसे बेच दिया था।

कोरोना के 64 नए मामले दर्ज, 461 हुई संक्रमितों की संख्या

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात में कोरोना के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 64 केस दर्ज किए गए। इससे कुल संक्रमितों की संख्या 461 हो गई। राहत की बात यह है कि 461 सक्रिय मामलों में से केवल 20 मरीज वर्तमान में अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं, जबकि 441 घर पर ठीक हो रहे हैं। अहमदाबाद में सबसे ज्यादा 241 सक्रिय मामले सामने आए हैं। यह राज्य के कुल मामलों का आधे से भी अधिक है। मंगलवार को असरवा सिविल अस्पताल में 37 वर्षीय महिला को भर्ती कराया गया। यहां पर वर्तमान में चार मरीजों का इलाज चल रहा है, जिनमें दो पुरुष, एक महिला और एक आठ महीने की बच्ची शामिल है। पिछले 24 घंटों में पूरे गुजरात में 64 नए मामले सामने आए, जबकि 36 मरीज ठीक हुए। जनवरी, 2025 से अब तक राज्य भर में कुल 156 मरीज ठीक हो चुके हैं। वहीं सक्रिय मामलों में केरल (1,416) और महाराष्ट्र (494) के बाद तीसरे स्थान पर है। इसके बाद दिल्ली में 393 केस और पश्चिम बंगाल में 372 केस हैं देशभर के सक्रिय मामलों में से 10 प्रतिशत सिर्फ गुजरात में हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों से पता चलता है कि हल्के लक्षणों वाले ज्यादातर कोविड-19 मरीजों का इलाज घर पर ही किया जा रहा है। अस्पताल में भर्ती होने की व्यवस्था मुख्य रूप से गंभीर लक्षणों वाले मरीज के लिए आरक्षित है। कोविड-19 मामलों में हाल ही में हुई वृद्धि होने पर गुजरात सरकार सतर्क हो गई है और अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों को विशेष रूप से अहमदाबाद जैसे शहरी केंद्रों में, जहां अधिकांश मामले केंद्रित हैं, उच्च अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य ने परीक्षण बढ़ा दिया है और स्थानीय स्वास्थ्य निगरानी टीमों के माध्यम से क्लस्टरों की निगरानी कर रहा है। जिन जिलों में मामले बढ़ रहे हैं, वहां अस्पतालों को अलग से वार्ड तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। सिविल अस्पतालों और जिला स्वास्थ्य केंद्रों को आपातकालीन जरूरतों के लिए ऑक्सीजन बेड और आईसीयू तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

आज का राशिफल

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा।

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं।

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, इक्षत्ता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा।

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

तुला : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक : पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें।

धनु : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मइक्षचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मकर : 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें।

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

पूर्व कैबिनेट मंत्री के निजी सचिव जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी। जयपुर

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए पूर्व कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सचिव शकूर खान से पूछताछ जारी है। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार शकूर खान पूछताछ में कतई सहयोग नहीं कर रहा है। वह किसी भी सवाल का ठीक जवाब नहीं दे रहा है। वह हर बात में यह कह रहा है कि उसे कोई जानकारी नहीं है। वह बार-बार बीमारी का भी बहाना बना रहा है। कभी ब्लड प्रेशर बढ़ने और कभी नींद आने की बातें करता है। वह पाकिस्तान से सालेह मोहम्मद के लिए तोहफा भी लाया था। सूत्रों के मुताबकि शकूर खान की मदद से जैसलमेर के कुछ अन्य लोग भी पाकिस्तान गए थे। जांच एजेंसियां अब उन लोगों के नाम और उनके पाकिस्तान जाने के मकसद को पता लगाने का प्रयास कर रही है। जरूरत पड़ने पर उनसे भी पूछताछ की जा सकती है। शकूर खान ने यह भी बताया है कि उसके पाकिस्तान जाने के बारे में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद को जानकारी रहती थी। यह भी जानकारी सामने आई है कि पूर्व मंत्री के ऑफिस से एक बार पाकिस्तान जाने के लिए उसे आर्थिक मदद भी दी गई थी।

● पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में शकूर खान से पूछताछ जारी

● शकूर ने माना कि पाकिस्तान यात्रा की जानकारी सालेह मोहम्मद को थी

'आप' के भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगी हैं : हरीश खुराना

नई दिल्ली। स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की ओर से समन पर भाजपा विधायक हरीश खुराना ने कहा कि आम आदमी पार्टी की भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगी हैं। वीडियो जारी कर भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हमारी शिकायत के आधार पर एसीबी ने संज्ञान लेते हुए मनीष सिसोदिया को 9 जून और सत्येंद्र जैन को 6 जून को तलब किया है। कानून अपना काम कर रहा है। सभी दस्तावेज साफ तौर पर बताते हैं कि इस मामले में भ्रष्टाचार हुआ है। जिस क्लासरूम को बनाने में 5 लाख रुपये खर्च हुए, उसकी कीमत 25-30 लाख रुपये बताई गई। यह घोटाला हजारों करोड़ रुपये का है। एफआईआर दर्ज हो चुकी है और अब आप के भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगी हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में दिखेगा अब तक का सबसे अलग 'भाई' चारा

बीएमसी चुनाव में साथ आएंगे उद्धव-ओवैसी?

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की महाराष्ट्र इकाई आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ठाकरे गुट (शिवसेना-यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे) के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार दिखाई दे रही है। आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र के हित में सभी गैर-महायुति दलों से एक साथ आने की सार्वजनिक अपील की है। उन्होंने राज्य के कल्याण के लिए सभी दलों के साथ सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की है। इस्माइल ने कहा कि आदित्य की पहल पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम विधायक मुफ़्ती इस्माइल ने कहा कि मैं उद्धव ठाकरे और असदुद्दीन ओवैसी दोनों को साथ आते देखना चाहता हूँ। हम आदित्य ठाकरे के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करेंगे। धर्म हमारे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है- हम विकास पर केंद्रित चर्चा के लिए तैयार हैं। अगर कोई हमें विकास पर बातचीत के लिए आमंत्रित करता है, तो हम सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

मुफ्ती ने आगे कहा कि हालांकि, अंतिम निर्णय एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर निर्भर करेगा। पिछले विधानसभा चुनावों में, हमने गठबंधन बनाने का प्रयास किया था। हम महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन हमें शामिल नहीं किया गया। उन्होंने अब निमंत्रण दिया है, लेकिन हमें अभी भी संदेह है कि क्या वे वास्तव में हमें शामिल करेंगे। बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव के नजदीक आते ही शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के नेता राज ठाकरे के साथ सुलह करने की इच्छा जताई है।

पाक जासूस को फंडिंग, कोलकाता का व्यवसायी एनआईए के रडार पर

एजेंसी। कोलकाता

टूर एंड ट्रैवल्स एजेंसी की आड़ में पाकिस्तानी जासूस को संदिग्ध तरीके से पैसे भेजने के आरोप में कोलकाता के व्यवसायी मसूद आलम से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) लगातार पूछताछ कर रही है। सूत्रों के अनुसार, मसूद ने जिस प्रकार जवाब दिए हैं, उनमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टता नहीं है। सोमवार के बाद मंगलवार को भी उन्होंने न्यू टाउन स्थित एनआईए कार्यालय में हाजिरी दी। उनसे देर शाम तक पूछताछ हुई है। एनआईए के एक अधिकारी ने बताया कि मसूद की ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से देशविरोधी गतिविधियों में लिप्त केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान मोतीराम जाट को पैसा भेजा गया था। यह वही जवान है जिसे देश की संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजने के आरोप में हाल ही में गिरफ्तार किया गया है। एनआईए सूत्रों के अनुसार, मसूद ने मोतीराम को तीन बार पैसे भेजे -एक बार 13 हजार, दूसरी बार 22 हजार और एक बार पांच हजार। पूछताछ में जब मसूद से पूछा गया कि उन्होंने यह पैसे क्यों भेजे, तो वह इसका संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उन्होंने केवल इतना कहा कि किसी और ने उन्हें यह पैसे देकर मोतीराम को भेजने को कहा था लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह व्यक्ति कौन था, कब और कितनी राशि दी गई थी— और अब उन्हें यह बातें याद भी नहीं आ रहीं। जांच एजेंसी ने मसूद से उन खातों और लोगों की जानकारी मांगी है, जिनके जरिये यह लेनदेन हुआ था। जांच एजेंसी यह जानना चाहती है कि क्या इन पैसों के ट्रांसफर का कोई रेकॉर्ड रखा गया था और यह नेटवर्क कितने समय से सक्रिय था।एनआईए की नजर अब खिदिरपुर के एक और व्यवसायी मोहम्मद इजाज़ और तपसिया क्षेत्र के एक होटल कर्मचारी मोहम्मद वाकिल पर भी है। मंगलवार को इजाज़ एनआईए कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए, लेकिन वाकिल का बयान रिकॉर्ड किया गया।

ज्योति मल्होत्रा के बाद जासूसी के आरोप में जसबीर सिंह गिरफ्तार, तीन बार जा चुका है पाकिस्तान

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने जासूसी के आरोप में जसबीर सिंह नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जसबीर सिंह की गिरफ्तारी खुफिया जानकारी के आधार पर की गई है। पंजाब पुलिस के डीजीपी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी गई है। पंजाब पुलिस के डीजीपी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर बताया, "मोहाली की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने खुफिया जानकारी के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है, जो पंजाब के रूपनगर के महलान गांव का निवासी है और जसबीर सिंह से जुड़े एक महत्वपूर्ण जासूसी नेटवर्क का पता लगाया गया है।" उन्होंने आगे कहा, "जसबीर सिंह, जो 'जान महल' नाम से यूट्यूब चैनल चलाता है, उसका संबंध आतंक समर्थित जासूसी नेटवर्क के पीआईओ शाकिर उर्फ जुट्ट रंधावा से पाया गया है। वह हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा (जासूसी के आरोप में गिरफ्तार) और पाकिस्तानी नागरिक तथा पूर्व पाक उच्चायोग अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के साथ भी संपर्क में था।" पंजाब डीजीपी के बयान के अनुसार, जांच में पता चला है कि जसबीर ने दानिश के निमंत्रण पर दिल्ली में पाकिस्तान राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लिया था, जहां उसकी मुलाकात पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और व्लॉगर्स से हुई। वह 2020, 2021 और 2024 में तीन बार पाकिस्तान यात्रा कर चुका है।

नाकामुरा की चाल भारी, डी. गुकेश की रफ्तार पर लगा ब्रेक

नई दिल्ली (आईएएनएस) । नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में एक उच्च-दांव संघर्ष में, हिकारू नाकामुरा ने क्लासिकल प्रारूप में विश्व चैंपियन डी. गुकेश पर एक शानदार जीत के साथ अपने अभियान को फिर से जीवंत कर दिया, पांच गेम की जीत रहित लकीर को तोड़ दिया और लीडरबोर्ड को पूरी तरह से खोल दिया। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नाकामुरा ने राउंड 3 में गुकेश से अपनी पिछली हार का बदला लेते हुए एक सटीक प्रदर्शन किया। यह परिणाम गति में एक नाटकीय बदलाव को दर्शाता है, खासकर युवा भारतीय प्रतिभा के लिए जो मैग्नस कार्लसन और अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ बैक-टू-बैक क्लासिकल जीत के बाद उच्च स्थान पर था। इस जीत के साथ, नाकामुरा 11.5 अंकों के साथ गुकेश के साथ जुड़ गए, जिससे दोनों खिलाड़ी तीसरे स्थान के लिए बराबरी पर आ गए क्योंकि टूर्नामेंट अपने चरम पर पहुंच गया है। यह जीत अमेरिकी ग्रैंडमास्टर के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से भी फायदेमंद है, जो इस इवेंट में पहले कुछ निराशाजनक नतीजों के बाद सवालों के घेरे में आ गए थे। गुकेश के लिए, यह हार एक छोटा सा झटका है, क्योंकि यह एक ब्रेकआउट टूर्नामेंट रहा है।

विमेंस महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में लड़कियों को मिला शानदार प्लेटफॉर्म : स्मृति मंधाना

पुणे (आईएएनएस)। विमेंस महाराष्ट्र प्रीमियर लीग (डब्लूएमपीएल) की शुरुआत पांच जून से होने जा रही है। सात दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में चार टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें रत्नागिरी जेट्स, रायगढ़ रॉयल्स, पुणे वॉरियर्स और पुष्प सोलापुर शामिल हैं। विमेंस महाराष्ट्र प्रीमियर लीग का आयोजन महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन कर रहा है। भारत की स्टार महिला बल्लेबाज स्मृति मंधाना रत्नागिरी जेट्स की कप्तानी कर रही हैं। मंगलवार को पुणे के केसरी वाड़ा में टीम की जर्सी लॉन्च की गई। इस मौके पर स्मृति मंधाना ने लीग की तारीफ करते हुए कहा, "ये विमेंस क्रिकेट के लिए शानदार है। विमेंस महाराष्ट्र प्रीमियर लीग महाराष्ट्र की लड़कियों को प्लेटफॉर्म देती है। इस लीग का हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी है। रत्नागिरी जेट्स का हिस्सा बनकर खुशी है। उम्मीद है कि ये सीजन अपने लिए शानदार होगा।

आरसीबी की विजय गाथा: नौ साल बाद फाइनल और सीधा चैंपियन

तारीफ करते थके नहीं विराट कोहली

नई दिल्ली (आईएएनएस)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18 साल की कड़ी मेहनत और समर्पण के बाद आखिरकार अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब हासिल किया है। इस मौके पर विराट कोहली ने कप्तान रजत पाटीदार को सराहा है। रजत पाटीदार को साल 2022 में नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद लवनीथ सिसोदिया के चोटिल होने के चलते टीम में शामिल किया गया था। आज पाटीदार आरसीबी को पहला आईपीएल खिताब जिताने वाले कप्तान हैं। पाटीदार आरसीबी के आठवें कप्तान हैं। साल 2021 में टीम में शामिल होने के बाद से तीन सीजन खेल चुके हैं। रजत पाटीदार ने आईपीएल 2024 में 13 पारियों में 395 रन बनाए। फाफ डु प्लेसिस के फ्रेंचाइजी छोड़ने के बाद रजत पाटीदार को 2025 सीजन के लिए कप्तान बनाया गया। कोहली आरसीबी के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में एबी डिविलियर्स के साथ ड्रेसिंग रूम में दाखिल होते नजर आए। विराट कोहली ने ऐतिहासिक जीत के बारे में बोलते कहा, "बताना बहुत मुश्किल है यार। मुझे लगता है कि जब हम बेंगलुरु पहुंचकर शहर और फैंस के साथ जश्न मनाएंगे, तो मैं जीत का असली रूप महसूस करूंगा। जीत में अलग-अलग स्टेज से आए लोगों ने अपनी भूमिका निभाई और टीम के लिए योगदान दिया।

उनमें जीत की भूख और खेल के प्रति आत्मविश्वास था। कोहली ने रजत के नेतृत्व, जितेश शर्मा की चतुराई और इस ऐतिहासिक ट्रॉफी को हासिल करने के लिए टीम के एकजुट होने के बारे में आगे बात की। विराट कोहली ने कहा, "इन लोगों की मानसिकता अलग है। वे अलग तरह से बने हैं। वे इस काम को बहुत अच्छे से कर रहे हैं। रजत ने आगे बढ़कर और धैर्य के साथ नेतृत्व किया। उनके गेंदबाजी परिवर्तन, साथ ही दबाव में उनकी शांति, पूरे टूर्नामेंट में बिल्कुल अद्भुत थी। उनके पास वास्तव में एक संतुलित व्यक्तित्व है, जो सच में उन्हें शांत रहने में मदद करता है। जितेश के पास भी शानदार क्रिकेटिंग ब्रेन है। आप देख सकते हैं कि खेल के सबसे महत्वपूर्ण क्षण में उन्होंने कैसे कदम बढ़ाया।

डीडीसीए ने आईपीएल 2025 के लिए 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' पुरस्कार जीता

नई दिल्ली (आईएएनएस)। दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए प्रतिष्ठित 'बेस्ट पिच एंड ग्राउंड' पुरस्कार जीता है। यह सम्मान अरुण जेटली स्टेडियम के ग्राउंड स्टाफ के उत्कृष्ट प्रयासों का जश्न मनाता है, जिन्होंने पूरे आईपीएल सीजन में शीर्ष स्तर की खेल स्थितियां प्रदान कीं। यह पुरस्कार पिच की गुणवत्ता, आउटफील्ड रखरखाव और समग्र ग्राउंड प्रबंधन में उत्कृष्टता को मान्यता देता है - खिलाड़ियों के लिए एक निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी सतह और प्रशंसकों के लिए एक असाधारण अनुभव सुनिश्चित करता है। डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, "यह पुरस्कार हमारे क्यूरेटर, कर्मचारियों और प्रबंधन के अथक परिश्रम का प्रमाण है। हम क्रिकेट के बुनियादी ढांचे में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डीडीसीए की उपाध्यक्ष शिखा कुमार ने कहा, "यह सम्मान अरुण जेटली स्टेडियम को विश्व स्तरीय क्रिकेट स्थल बनाने के हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को प्रमाणित करता है। यह दिल्ली क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है।

हम अगले सीजन में और भी मजबूत होकर वापसी करेंगे : पोंटिंग

अहमदाबाद (आईएएनएस)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी में बहुत कम अंतर्राष्ट्रीय अनुभव के साथ यहां तक का सफर किया। श्रेयस अय्यर उनके पास एकमात्र कैप्ड भारतीय बल्लेबाज थे और यहां तक कि वह अभी तीन अंतर्राष्ट्रीय प्रारूपों में से दो में बाहर हैं। जॉश इंगलिस, जो शायद अब खुद को ऑस्ट्रेलिया का नियमित खिलाड़ी मान सकते हैं, ने 17 में से केवल 11 मैच खेले। ग्लेन मैक्सवेल ने सात मैच खेले। मार्कस स्टॉयनिस ने बहुत कम बल्लेबाजी की।

सुनील शेट्टी बोले- 'यह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि एक प्रेम कहानी है'

मुंबई (आईएएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की और इसी के साथ इतिहास भी रच दिया। 18 साल में पहली बार आरसीबी ने आईपीएल खिताब जीता है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को छह रनों से हराया। इस जीत को लेकर टीम और क्रिकेट फैंस में जोश देखने को मिल रहा है। वहीं बॉलीवुड भी इसका जश्न मना रहा है। इस कड़ी में बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने अपनी खुशी सोशल मीडिया पर साझा की।

हार से निराश अय्यर ने की पंजाब किंग्स की तारीफ, कहा- हमें अगले साल ट्रॉफी जीतनी है

अहमदाबाद (आईएएनएस)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ छह रन से हार के बाद निराश हैं, लेकिन अय्यर को उम्मीद है कि उनकी टीम में अगले साल वापसी करने और ट्रॉफी उठाने की क्षमता है। आईपीएल-2025 में पंजाब किंग्स 11 साल में पहली बार फाइनल में पहुंची थी। ऐसा सिर्फ दूसरी बार था, जब ये टीम आईपीएल का फाइनल खेल रही थी। श्रेयस अय्यर साल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाने के बाद लगातार दूसरे आईपीएल फाइनल में खेल रहे थे। श्रेयस अय्यर आईपीएल फाइनल में तीन फ्रेंचाइजी की कप्तानी करने वाले इकलौते कप्तान हैं। खिताबी मैच के बाद अय्यर ने इस पूरे सीजन अपनी टीम के साहसी प्रदर्शन की तारीफ की। इसके साथ ही क्रुणाल पांड्या की मैच पलटने वाले प्रयास की भी सराहना की। श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद दिए इंटरव्यू में कहा, "ईमानदारी से कहूं तो निराश हूं। पिछले मैच को देखते हुए, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगा कि 200 का स्कोर चेज किया जा सकता है। उन्होंने शानदार गेंदबाजी की, खासकर क्रुणाल ने, जो काफी अनुभवी हैं।

राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता आशीष सिंह को डीएम ने किया सम्मानित

मुरादाबाद (हि.स.)। राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतने वाले मुरादाबाद के आशीष सिंह को बधुवार को जिलाधिकारी अनुज सिंह ने अपने कार्यालय में मेडल पहनाकर सम्मानित किया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि आशीष सिंह ने उप्र के साथ मुरादाबाद का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय कैडेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता 29 मई से 2 जून तक देहरादून में आयोजित हुई थी। आशीष सिंह शहर के उभरते हुए ताइक्वांडो के जाबाज़ खिलाड़ी है। आशीष का चयन एशियन ताइक्वांडो प्रतियोगिता के कैंप में हो गया है जो अगले माह नाशिक में आयोजित होने वाला है। इस अवसर पर जिला संघ के पदाधिकारी सहित केशव थापा, सुमित शर्मा, शोभित भारद्वाज, अरविंद सिंह, संदीप कुमार, शिप्रा सिंह, रोहित कुमार आदि ने आशीष सिंह का स्वागत कर शुभकामनाएं दी।

फ्रेंच ओपन: स्वियाटेक चौथे सेमीफाइनल में पहुंची, अब सबालेंका से होगी भिड़ंत

पेरिस (आईएएनएस)

पोलैंड की विश्व की 5वें नंबर की खि

कुछ ही क्षणों बाद, मैच को अपने रैकेट पर रखते हुए, उसने लगातार दो ऐस लगाए - मैच का उसका दूसरा और तीसरा - 1 घंटे और 41 मिनट में मुकाबला समाप्त कर दिया।

हालांकि वह 2020 के बाद पहली बार बिना क्ले टाइटल के रौलां गैरो में उतरी थी, स्वियाटेक अब पांचवें फ्रेंच ओपन खिताब से दो जीत दूर है - और शायद यह उसका अब तक का सबसे सार्थक खिताब होगा। इसके बाद, उनका सामना मौजूदा विश्व नंबर 1, आर्यना सबालेंका के रूप में एक जानी-पहचानी और दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी से होगा। अप्रैल 2022 से, इन दोनों ने शीर्ष रैंकिंग पर एकाधिकार कर लिया है, जिसमें स्वियाटेक ने शीर्ष पर 125 सप्ताह बिताए हैं और सबालेंका अब अपने 41वें सप्ताह में हैं। उनकी प्रतिद्वंद्विता, जो पहले से ही 12 मैचों की है, स्वियाटेक के पक्ष में 8-4 समग्र और क्ले पर 5-1 से झुकी हुई है। फिर भी यह सबालेंका ही थीं जिन्होंने अपनी सबसे हालिया मुलाकात में जीत का दावा किया - पिछले साल सिनसिनाटी हार्ड कोर्ट पर 6-3, 6-3 की एक प्रभावशाली जीत।

गुरुवार का सेमीफाइनल रौलां गैरो में उनकी पहली मुलाकात होगी, जिसमें क्ले-कोर्ट की कहानी अब सामने और केंद्र में होगी। स्वियाटेक ने कहा, "निश्चित रूप से हमारी प्रतिद्वंद्विता हम दोनों को आगे बढ़ा रही है। लेकिन यह सिर्फ टेनिस के बारे में नहीं है। यह इस बारे में भी है कि हम कैसे काम करते हैं, हम कितने पेशेवर हैं - पूरा दृष्टिकोण।

'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया से और अधिक प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद मिलेगी': ओलंपियन अंजुम मुद्गिल

नई दिल्ली (आईएएनएस)

अर्जुन पुर स्का र विजेता राइफल शूटर अंजुम मुद्गिल ने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की शुरुआत पर खुशी जाहिर की है और कहा है कि इससे और अधिक प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद मिलेगी और एथलीटों को वैश्विक आयोजनों के लिए तैयार होने में बहुत मदद मिलेगी। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के उद्घाटन संस्करण की घोषणा पिछले महीने नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने की थी और यह टूर्नामेंट 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता में कुछ प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाम एक्शन में दिखेंगे। अंजुम ने कहा, "यह अपनी तरह की पहली लीग है और मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं। मैं पिछले 17 सालों से इस खेल को खेल रही हूं और मैंने इसे बहुत आगे बढ़ते देखा है। शूटिंग के लिए लीग होने से हमारे खेल की छवि में वाकई सुधार आएगा और लोग इसके बारे में बारीक से बारीक जानकारी हासिल कर पाएंगे। 31 वर्षीय एथलीट का मानना है कि इस तरह का टूर्नामेंट एथलीटों के लिए वैश्विक आयोजनों की तैयारी करने में बहुत मददगार होगा। उन्होंने कहा, "लीग होने से एथलीटों को वैश्विक टूर्नामेंटों की तैयारी करने में वाकई मदद मिलेगी क्यों कि हम वरिष्ठ एथलीट कई सालों से एक खास पैटर्न का पालन करते आ रहे हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

घरेलू यात्रा में उछाल, टूरिज्म सेक्टर की चमकेगी किस्मत

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत के ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर का योगदान देश की अर्थव्यवस्था में 2035 तक बढ़कर 42 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि देश को प्रतिस्पर्धी बने रहने और इस सेक्टर की विकास की गति को बनाए रखने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेस्टिनेशन मार्केटिंग में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, "2024 में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों द्वारा देश में किया जाने वाला खर्च प्री-कोविड स्तर को पीछे छोड़ते हुए ऑल-टाइम हाई 3.1 लाख करोड़ रुपए रहा था। इस दौरान घरेलू यात्रियों ने करीब 15.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए थे, जो कि 2019 के मुकाबले 22 प्रतिशत अधिक है। इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूटीटीसी की ओर से बताया गया कि भारत के ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर में 2035 तक नौकरियों की संख्या बढ़कर 6.4 करोड़ तक पहुंच जाएगी, जो कि फिलहाल 4.65 करोड़ पर है। हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट 2025' में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था कि ग्लोबल इकोनॉमी में 10 प्रतिशत योगदान टूरिज्म सेक्टर का होता है और मुझे यकीन है कि ग्लोबल पैरामीटर के तहत 2030 तक हमारा पर्यटन क्षेत्र भी देश की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान देगा। हम इस विजन पर तेजी से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "भारत के टूरिज्म सेक्टर को प्रमोट करने और वैश्विक स्तर पर देश की क्षमता को बढ़ाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर क्रिएशन पहली जरूरत थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सड़कें, एक्सप्रेसवे और डेढ़ लाख किलोमीटर के हाइवे बने, नया मॉडर्न रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हुआ। नए एयरपोर्ट्स बने।" उन्होंने आगे कहा, "हालांकि, अभी भी बहुत से काम किए जाने बाकी हैं।

2019 की तुलना में भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 22% अधिक बढ़ा।

सकारात्मक वैश्विक संकेतों से शेयर बाजार हरे निशान में बंद

सेंसेक्स 260 अंक उछला

मुंबई (आईएएनएस)। सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान में बंद हुआ। बाजार में चौतरफा तेजी देखी गई है। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 260.74 अंक या 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,998.25 और निफ्टी 77.70 अंक या 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,620.20 पर था। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 407.55 अंक या 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,924.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 142.95 अंक या 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,257.10 पर था। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। केवल रियल्टी इंडेक्स ही लाल निशान में बंद हुआ है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने जुटाए 750 मिलियन डॉलर

अहमदाबाद (आईएएनएस)

अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने बुधवार को कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय बैंकों के कंसोर्टियम से बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) के जरिए 750 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। भारत के सबसे बड़े निजी हवाई अड्डा संचालक और अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की सहायक कंपनी के अनुसार, इस राशि का उपयोग मौजूदा 40 मिलियन डॉलर के लोन को रीफाइनेंस करने, इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड में निवेश करने और छह हवाई अड्डों- अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में क्षमता विस्तार के साथ-साथ खुदरा, एफएंडबी, ड्यूटी फ्री और हवाई अड्डे के नेटवर्क में सेवाओं सहित नॉन-एयरोनॉटिकल व्यवसायों को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। एएएचएल के सीईओ अरुण बंसल ने कहा, "अग्रणी वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा हम पर जताया गया भरोसा भारत के विमानन बुनियादी ढांचे में दीर्घकालिक मूल्य और क्षमता को दिखाता है। एएएचएल बेहतरीन ग्राहक अनुभव प्रदान करने, निर्बाध संचालन के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग और हवाई अड्डे के नेटवर्क में सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता देने के अपने मार्ग पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। बंसल ने कहा कि हमारी कोशिश एएएचएल को 'गेटवे टू गुडनेस' बनाने, ग्राहक-केंद्रित समाधान प्रदान करने और विश्व स्तरीय हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की है, जो सर्विस और सस्टेनेबिलिटी में वैश्विक मानक स्थापित करता हो। इस फंडिंग का नेतृत्व अबू धाबी बैंक, बार्कलेज पीएलसी, और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक द्वारा किया गया।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय बैंकों की एसेट क्वालिटी स्थिर : मूडीज

मुंबई (आईएएनएस)

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच भी भारतीय बैंक अगले 12 महीनों के लिए स्थिर एसेट क्वालिटी बनाए रखने में सक्षम हैं। मूडीज के अनुसार, घरेलू आर्थिक स्थितियां विकास के लिए सहायक बनी हुई हैं, जिससे भारतीय बैंकों को अपने लोन अकाउंट का प्रभावी प्रबंधन करने में मदद मिल रही है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि अगले एक साल में भारतीय बैंकों का नॉन-परफॉर्मिंग लोन (एनपीएल) रेश्यो 2 से 3 प्रतिशत के बीच में रह सकता है। दिसंबर 2024 तक बैंक का एनपीएल रेश्यो 2.5 प्रतिशत के करीब था, जो कि इस सेक्टर में एसेट क्वालिटी स्थिर होने का मजबूत सूचकांक है। रेटिंग एजेंसी ने सकारात्मक आउटलुक ऐसे समय पर जारी किया है, जब आरबीआई एमपीसी में ब्याज दरों में कटौती की संभावना के कारण बैंकिंग शेयरों की ओर निवेशकों का झुकाव देखा जा रहा है।

भारत का क्विक कॉमर्स मार्केट 2030 तक 57 बिलियन डॉलर का होगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली (आईएएनएस)

छोटे शहरों और कस्बों में ऑनलाइन ऑर्डर में उछाल के कारण भारत में क्विक कॉमर्स (क्यूसी) टोटल एड्रेसेबल मार्केट (टीएएम) 2030 तक 57 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। देश भर में क्विक कॉमर्स को तेजी से अपनाए जाने के बीच मॉर्गन स्टेनली ने अपने पहले के पूर्वानुमान 42 बिलियन डॉलर को अपडेट किया है। ग्लोबल ब्रोकरेज ने भारत में क्विक कॉमर्स सेगमेंट के लिए अपने ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू (जीओवी) पूर्वानुमान को वित्त वर्ष 2026-2028 के लिए 9-11 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। ब्रोकरेज ने आने वाली तिमाहियों में इस सेक्टर के लिए प्रमुख कैटेलिस्ट की भी पहचान की, जिसमें क्विक कॉमर्स जीओवी में निरंतर वृद्धि, फूड डिलिवरी मार्जिन में निरंतर सुधार और एक स्थिर प्रतिस्पर्धी माहौल शामिल है।

जिले में बाल श्रम उन्मूलन को लेकर टास्क फोर्स की बैठक, औचक छापेमारी का निर्देश

● उपायुक्त ने बाल श्रमिक नियोजन पर कार्रवाई के निर्देश दिए, आमजन से भी सहयोग की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को बाल श्रम उन्मूलन को लेकर गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक एतवारी महतो से विगत वर्षों में बाल श्रम उन्मूलन के तहत किए गए कार्यों की जानकारी ली।

उपायुक्त ने जून माह में बाल श्रम के विरुद्ध छापेमारी अभियान को औचक रूप से संचालित करने का निर्देश दिया। इसके तहत ढाबा, लाइन होटल, ईंट भट्ठा, गैरेज, वाशिंग सेंटर आदि स्थानों पर विशेष रूप से जांच अभियान चलाने को कहा गया। उन्होंने कहा कि विमुक्त बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति के समक्ष अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए।

बैठक में निर्देश दिया गया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कार्य में लगाने वाले नियोजकों के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाए तथा प्रति बाल श्रमिक 20,000 रुपये का जुर्माना वसूला जाए। साथ ही विमुक्त बाल श्रमिकों की ट्रैकिंग और पुनर्वासन के लिए मानक कार्य पद्धति के अनुसार कार्रवाई करने को कहा गया।

इस अवसर पर पलामू पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने विमुक्त बच्चों के बौद्धिक स्तर के अनुसार उचित कक्षा में नामांकन की आवश्यकता पर बल दिया। उपायुक्त ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि चिन्हित बच्चों को विशेष रूप से शिक्षा प्रदान की जाए और विमुक्त बच्चों की अद्यतन स्थिति की जानकारी 15 दिनों के भीतर उपलब्ध कराई जाए।

जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम को बाल श्रम उन्मूलन को लेकर रील व अन्य माध्यमों से जनजागरूकता फैलाने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने आम लोगों से भी अपील की कि वे जिले को बाल श्रम से मुक्त कराने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यदि कहीं बाल श्रम होता दिखाई दे तो इसकी सूचना डीसी पलामू के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या राज्य हेल्पलाइन नंबर 18003456526 पर दी जा सकती है।

बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रतिनिधि, समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश, प्रभारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बकरीद को लेकर सदर थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

आपसी सौहार्द और कानून का पालन करते हुए मनाएं पर्व : थाना प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर बुधवार को सदर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता ने की। इस अवसर पर दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रशासन से मांग की कि पर्व के दौरान उपद्रवी तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाए। दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि अब तक सदर क्षेत्र में बकरीद का पर्व आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाता रहा है, और इस बार भी सभी मिलकर त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाएंगे।

बैठक में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि सुलेमान अंसारी ने कहा कि पोखराहा खुर्द गांव में लगभग 500 परिवार हैं, जो वर्ष भर बकरीद के लिए बकरा पालते हैं और इस पर्व का इंतजार करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुर्बानी के बाद हड्डियों का उचित तरीके से निपटान किया जाता है — उन्हें जमीन में गाड़ दिया जाता है, जिससे किसी को आपत्ति न हो। थाना प्रभारी संतोष कुमार गुप्ता ने सभी लोगों से अपील की कि वे सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करें।

उन्होंने कहा कि: सड़क पर नमाज अदा नहीं की जाएगी। सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से बचें। कोई भी गलत सूचना मिलते ही तत्काल थाना को सूचित करें। खुले स्थान पर कुर्बानी नहीं दी जाए। असामाजिक तत्व यदि पर्व में खलल डालने की कोशिश करते हैं तो उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस प्रशासन सभी सुझावों पर गंभीरता से अमल करेगा और पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क रहेगा। बैठक में अंचल निरीक्षक पोली कर्क तिर्की ने भी सभी से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सौहार्द ही समाज की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में एसआई मनोज मुंडा, एएसआई संजय कुमार दुबे, एएसआई आनंद सिंह, एएसआई पंकज तिवारी सहित थाना स्टाफ और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

समाज कल्याण योजनाओं के तहत चयनित अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में समाज कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के तहत रिक्त पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को आज उपायुक्त समीरा एस द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। यह कार्यक्रम उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले मिशन वात्सल्य योजना के तहत चयनित 9 अभ्यर्थियों को संविदा आधारित विभिन्न पदों पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के संप्रेषण गृह में रिक्त दो पदों पर भी नियुक्ति पत्र सौंपे गए। कुल 11 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए।इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि नियुक्त किए गए सभी पद महत्वपूर्ण हैं और उनसे सामाजिक सरोकार जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि सभी नवनियुक्त कर्मी अपने दायित्वों का ईमानदारी व निष्ठा से निर्वहन करें। उन्होंने यह भी कहा कि आज से आप सभी जिला प्रशासन का हिस्सा हैं, इसके लिए आप सभी को शुभकामनाएं।इस मौके पर पलामू पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे और सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं।

झारखंड बंद के दौरान लातेहार में आदिवासी संगठनों का सड़क जाम, एनएच -39 पर यातायात बाधित

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। झारखंड बंद के समर्थन में बुधवार सुबह पारंपरिक पड़हा स्वशासन व्यवस्था लातेहार द्वारा NH-39 पर उदयपुरा के निकट सड़क जाम किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दस सूत्री मांगों को लेकर नारेबाजी की। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हुई।

सड़क जाम की सूचना पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर थाना पुलिस ने दोपहर ढाई बजे जाम हटवाया और यातायात सामान्य कराया।

प्रमुख मांगों में पेसा कानून लागू करना, धार्मिक स्थलों से छेड़छाड़ बंद करना, आदिवासियों की जमीन पर कंपनियों के कब्जे को समाप्त करना शामिल था। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आदिवासी महिलाएं और पुरुष शामिल हुए।

झारखंड बंद का महुआडांड़ में मिला-जुला असर, रांची-गुमला रूट की बसें रहीं बंद

महुआडांड़। झारखंड बंद का आह्वान सिरमटोली सरना समिति स्थल बचाओ संघर्ष मोर्चा द्वारा किया गया था, जिसका असर महुआडांड़ में मिला-जुला रहा। रांची, लोहरदगा और गुमला जाने वाली यात्री बसों का परिचालन पूरी तरह ठप रहा, जबकि पलामू और लातेहार रूट की बसें यथावत चलीं। जिला परिषद बस स्टैंड पर बसें खड़ी रहीं और लंबी दूरी के यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बालूमाथ में आदिवासी समाज ने किया सड़क जाम, राज्यपाल के नाम बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बालूमाथ। झारखंड बंद के समर्थन में बुधवार को बालूमाथ में आदिवासी समाज के सैकड़ों लोगों ने शहीद चौक पर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने सिरमटोली सरना स्थल पर फ्लाईओवर निर्माण रोकने, सरना धर्म कोड लागू करने और लातेहार में कोल ब्लॉक कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पड़हा राजा प्रभु दयाल उरांव, ऐश्वर्य उरांव समेत कई वक्ताओं ने आदिवासियों की जमीन, जल, जंगल और धार्मिक स्थलों की रक्षा की मांग दोहराई और सरकार को चेताया कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर निकला जागरूकता मार्च, संत मरियम स्कूल के छात्रों ने लिया बढ़-चढ़कर भाग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर मंगलवार को पलामू जिला नगर प्रशासन और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता मार्च निकाला गया। इस मार्च में संत मरियम विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने आवासीय छात्रों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया।

मार्च का उद्देश्य आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान श्री देव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पर्यावरण की गंभीर स्थिति पर चिंता जताई और पेड़-पौधे, जल स्रोतों की रक्षा का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक परिस्थिति चिंताजनक है। प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, जंगल कट रहे हैं, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, हवा और मिट्टी दोनों विषाक्त होती जा रही हैं। यह समय सिर्फ भाषण देने का नहीं, बल्कि ठोस कार्य करने का है।

देव ने कहा कि पचास साल पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा जब इस दिवस की नींव रखी गई थी, तब किसी ने नहीं सोचा था कि आज स्थिति इतनी भयावह हो जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों और आम नागरिकों से आह्वान किया कि हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए और उसे बचाए, तभी आने वाली पीढ़ी सुरक्षित रह पाएगी।

जागरूकता मार्च में नगर परिषद, वन विभाग के कर्मियों के साथ-साथ स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थी, शिक्षक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल रहे। सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएँ दीं और इसे जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

एनटीपीसी में कार्यरत भवानी कंस्ट्रक्शन के सैकड़ों कामगारों ने जताया विरोध

● कामगारों ने शोषण और दमन के खिलाफ स्थानीय थाना में दर्ज कराया विरोध

टंडवा (चतरा)। एनटीपीसी टंडवा परियोजना में कार्यरत भवानी कंस्ट्रक्शन कंपनी के सैकड़ों कामगारों ने बुधवार को कंपनी द्वारा हो रहे शोषण और दमन के खिलाफ स्थानीय थाना पहुंचकर विरोध जताया। मजदूरों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के उन्हें गेट पर ही काम पर जाने से रोक दिया गया, जिससे वे आक्रोशित हो उठे। कंपनी में बतौर फिटर कार्यरत सुनील सिंह ने बताया कि सभी कामगार विगत कई महीनों से सरकार द्वारा निर्धारित सर्कुलर रेट के अनुसार भुगतान, लीव, बोनस, नोटिस पे, हाइट अलाउंस जैसे लाभों की मांग कर रहे थे। लेकिन कंपनी प्रबंधन ने उनकी बात सुनने के बजाय उनके खिलाफ साजिशन प्राथमिकी दर्ज करा दी। प्राथमिकी की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में कामगार स्थानीय थाना पहुंचे और अपना पक्ष लिखित रूप में पुलिस को सौंपा। कामगारों को समर्थन देते हुए स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता संतोष नायक ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि मजदूरों की जायज मांगों को नजरअंदाज कर उनके ऊपर दबाव बनाना गलत है। वहीं भू-रैयत नेता रामदेव पासवान ने कहा कि जो मजदूर अपने हक और अधिकार की आवाज उठा रहे हैं, उनका दमन किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार द्वारा तय मजदूरी दर में कटौती कर मजदूरों को भुगतान किया जा रहा है, तो यह गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। फिलहाल, स्थानीय पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुट गई है।

पेज एक के शेष

झारखंड बंद का...

वहीं, झारखंड बंद का लोहरदगा जिले में मिलाजुला असर देखा गया। बंद समर्थकों ने सड़कों पर उतरकर आवागमन को बाधित करने का प्रयास किया। इससे लंबी दूरी की बसें एवं बॉक्साइट ट्रैकों का परिचालन कम हुआ। यात्री बसों के कम चलने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री ट्रेन सामान्य रूप से चली। कई चौक चौराहो में बंद समर्थकों ने बंद कराने का प्रयास किया गया, हालांकि अधिसंख्य दुकानें आम दिनों की तरह खुली रहीं। बंद के मद्देनजर पुलिस प्रशासन हर चौक-चौराहे पर मुस्तैद रही। झारखंड बंद का खूंटी जिले में भी मिला-जुला असर रहा। जिला मुख्यालय में बंद को आंशिक असर देखा गया। वहीं, तोरपा, कर्रा, रनिया जैसे कस्बाई इलाके में बंद पूरी तरह फ्लॉप रहा। वाहनों का आवागमन सामान्य ढंग से हुआ। आदिवासी नेत्री दुर्गावती ओड़ेया, चंद्र प्रभात मुंडा तीन-चार समर्थकों के साथ दुकान को बंद कराने निकलीं, पर इसका कोई खास असर नहीं देखा गया। बंद को सफल बनाने के लिए आदिवासी संगठनों से जुड़े लोग सड़कों पर नहीं उतरे। सिमडेगा, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर), चतरा में भी बंद का कोई खास असर नहीं देखा गया। रामगढ़ जिले में बंद का मिलाजुला असर देखा गया। पुलिस मुख्यालय की ओर से बताया गया कि आदिवासी बचाओ मोर्चा और केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली बचाओ मोर्चा की ओर से झारखंड बंद कराने के दौरान विभिन्न जगहों पर सड़क जाम कराया गया और दुकाने बंद कराई गईं। बंद के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने प्रभावी सुरक्षा उपाय किए थे। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई थी, ताकि कोई भी अप्रिय घटना ना हो सके।

गीग वर्कर्स के...

निदेशक, खान को सौंपा जाएगा। इसी प्रकार राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के 35 सहायक शिक्षकों को फिर से बहाल करने की स्वीकृति दी गई है। इन्हें पहले सेवा से हटाया गया था, लेकिन कोर्ट के आदेश के अनुसार इनकी सेवा बहाल की जाएगी या इन्हें पेंशन लाभ दिया जाएगा। इससे सरकार पर 30 करोड़ रुपए का वित्तीय बोझ आएगा। इसके अलावा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का पुनर्गठन किया गया है। इसके तहत विभाग में 506 पदों को सरेंडर कर 36 नए पदों का सृजन किया गया है। इससे सरकार को 24 करोड़ 17 लाख 9 हजार 160 रुपए की वित्तीय बचत होगी।

दो चरणों में...

जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवतः 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। बयान में आगे बताया गया है कि भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है। भारत की पिछली जनगणना वर्ष 2011 में दो चरणों में की गई थी- 1. चरण-1 - मकान सूचीकरण (एचएलओ) (1 अप्रैल से 30 सितंबर 2010) और 2. चरण-2 - जनगणना (पीई) (09 फरवरी से 28 फरवरी 2011) संदर्भ तिथि - मार्च 2011 के पहले दिन 00:00 बजे, तथा जम्मू -कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बर्फ से ढके असमकालिक क्षेत्रों के लिए यह 11 से 30 सितंबर 2010 के दौरान आयोजित की गई थी और संदर्भ तिथि अक्टूबर 2010 के पहले दिन 00.00 बजे थी । जनगणना 2021 को भी इसी तरह दो चरणों में आयोजित करने का प्रस्ताव था, पहला चरण अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान और दूसरा चरण फरवरी 2021 में आयोजित किया जाना था। 2021 में आयोजित की जाने वाली जनगणना के पहले चरण की सभी तैयारियां पूरी हो गई थीं और 1 अप्रैल, 2020 से कुछ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में क्षेत्रीय कार्य शुरू होने वाला था। हालांकि, देश भर में कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण जनगणना का काम स्थगित करना पड़ा था।

प्रसिद्ध स्त्री रोग...

डॉ शोभा चक्रवर्ती के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी शोक प्रकट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, झारखंड की सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती जी के निधन का दुखद समाचार मिला। डॉ शोभा जी ने अपना पूरा जीवन महिला स्वास्थ्य की सेवा में समर्पित किया था। उनका चले जाना चिकित्सा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। रांची की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शोभा चक्रवर्ती की आकस्मिक निधन पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपनी शोक संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार वाले को इस दुख की घड़ी में दुख सहने की शक्ति प्रदान करें, यह प्रार्थना करता हूं। प्रदेश की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने डॉ चक्रवर्ती के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा की। ज्ञात हो कि डॉ शोभा चक्रवर्ती रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) से जुड़ीं रही थीं। वह रिम्स के गाइनोलॉजिस्ट विभाग की एचओडी भी रही थीं। अपने अच्छे व्यवहार से विद्यार्थियों में अमिट छाप छोड़ी थीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन महिलाओं की स्वास्थ्य सेवा को समर्पित कर दिया था। वे रांची में एक विश्वसनीय नाम थीं।

संसद का मॉनसून...

21 जुलाई से 12 अगस्त तक होने वाले संसद के मॉनसून सत्र की घोषणा कर दी। इस बारे में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि 21 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद का मॉनसून सत्र आयोजित किया जाएगा। संसद के मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक में बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

जीत की बेकाबू ...

और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। अधिकृत जानकारी के मुताबिक बॉरिंग अस्पताल में 7 और वैदेही अस्पताल में 4 लोगों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बेंगलुरु पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिसके बाद प्रशंसकों में और अफरातफरी मच गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भीड़ की संख्या अपेक्षा से कहीं अधिक थी और स्टेडियम के आसपास ट्रैफिक जाम ने स्थिति को और मुश्किल बना दिया। इस बीच हादसे के घायलों से मिलने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया अस्पताल पहुंचे और उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों के डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि बड़ी संख्या में पहुंची भीड़ बेकाबू थी, जिसे संभालने में पुलिस को मुश्किलें हो रही थीं। हवाई अड्डे से लेकर स्टेडियम तक भीड़ बेकाबू थी। स्टेडियम के बाहर भारी अफरातफरी और भगदड़ के बाद स्टेडियम के भीतर बड़ी संख्या में उपस्थित प्रशंसकों के सामने आईपीएल 2025 की विजेता टीम आरसीबी के सदस्यों को सम्मानित किया गया। इससे पहले, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम का विधानसभा के पास आयोजित एक समारोह के दौरान भव्य स्वागत किया। अहमदाबाद से बेंगलुरु पहुंची टीम का कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एयरपोर्ट पर विराट कोहली समेत आरसीबी की टीम के सदस्यों का स्वागत किया। जैसे ही विराट विमान से नीचे उतरे डीके शिवकुमार ने उन्हें गले लगाया और फूलों का गुलदस्ता देकर उनका अभिनंदन किया।

पीएम मोदी ने 11 लोगों की मौत पर जताया दुख : नई दिल्ली (आईएएनएस)। बेंगलुरु भगदड़ हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पीएम मोदी के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''बेंगलुरु में हुई दुर्घटना बहुत ही दुखद है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं वे जल्द स्वस्थ हो जाएं।

अभिव्यक्ति की आजादी...

कोर्ट ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन यह स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और इसमें भारतीय सेना के लिए अपमानजनक बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था। उन्होंने कहा था कि चीनी सैनिक अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहे हैं। यह टिप्पणी वर्ष 2022 में राजस्थान में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान की गई थी। राहुल गांधी ने कहा था कि लोग भारत जोड़ो यात्रा, यहां-वहां, अशोक गहलोत और सचिन पायलट और न जाने क्या-क्या के बारे में पूछेंगे। लेकिन, वे चीन द्वारा 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने, 20 भारतीय सैनिकों को मारने और अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों की पिटाई करने के बारे में एक भी सवाल नहीं पूछेंगे। भारतीय प्रेस उनसे इस बारे में एक भी सवाल नहीं पूछता। क्या यह सच नहीं है? देश यह सब देख रहा है। ऐसा दिखावा न करें कि लोगों को पता नहीं है। उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज किया गया था और निचली अदालत ने उन्हें समन जारी किया था। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कार्यवाही और समन को रद्द करने की मांग की। मानहानि की शिकायत सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दर्ज कराई थी।

मुंगेर : नक्सलियों की साजिश नाकाम, भीमबांध जंगल में शक्तिशाली आईईडी बम बरामद

मुंगेर (आईएएनएस) । मुंगेर जिले के नक्सल प्रभावित भीमबांध जंगल क्षेत्र में नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। राजासराय-कंदनी के बीच कच्ची सड़क के नीचे छिपाकर रखे गए 6-7 किलोग्राम के शक्तिशाली पाइप आईईडी बम को सुरक्षा बलों ने बरामद कर उसे निष्क्रिय कर दिया। यह ऑपरेशन मुंगेर पुलिस, एसटीएफ, और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई के दौरान की गई। इस ऑपरेशन ने नक्सलियों के पुलिस और जवानों को निशाना बनाने के मंसूबों को विफल कर दिया।

जेलेंस्की के 'मकड़ा बम' से हिला मॉस्को

1100 केजी के बम से कैसे उड़ा डाला पुतिन का ड्रीम प्रोजेक्ट

मॉक्सो । रूस से आई तस्वीरों ने एक बार फिर से रूस को हिला कर रख दिया है। यूक्रेन के लगातार स्पेशल ऑपरेशंस रूस को बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं। नई तस्वीरें क्रीमिया से सामने आई हैं, जहां यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने एक बड़े ऑपरेशन के तरह क्रीमिया ब्रिज पर तीसरी बार हमला किया। इस बाद उन्होंने पुल के अंदर यानी की अंडर वॉटर विस्फोटक लगाकर धमाका किया। सामने आई तस्वीरों में साफ पता चलता है कि किस तरह से एक बड़ा धमाका होता है और कुछ ही पल में पूरा पुल तहस नहस हो जाता है।

भर दो झोली मेरी या...भारत के विरोध के बाद अब किसने पाकिस्तान को 800 मिलियन डॉलर दे दिया

नई दिल्ली । आतंकी मुल्क पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत से पड़ी मार के बाद बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। वो अपनी झोली लेकर तमाम दरवाजे मदद की भीख मांगता फिर रहा है। भीख का कटोरा और पाकिस्तान वैसे तो एक दूसरे के समानार्थी शब्द हैं। इसी के तहत पाकिस्तान दुनियाभर के देशों के सामने सहायता के नाम पर भीख मांगने पहुंच गया। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने राजकोषीय स्थिरता को बढ़ाने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से पाकिस्तान के लिए 800 मिलियन अमरीकी डालर के वित्तीय पैकेज को मंजूरी दी है। भारत ने आतंकवाद को फंडिंग करने के इतिहास के कारण पाकिस्तान को किसी भी तरह की सहायता पर कड़ी आपत्ति जताई थी। वित्त मंत्री के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने सोशल मीडिया पर एक बयान के माध्यम से इस विकास की पुष्टि की।

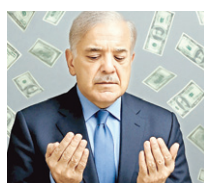

23 साल का युवक फांद गया राष्ट्रपति के घर की दीवार

डोनाल्ड ट्रंप की पोती को करना था प्रपोज

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैमिली से जुड़ी एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। टेक्सास के एक 23 वर्षीय व्यक्ति को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की निजी फ्लोरिडा संपत्ति मार-ए-लागो के आलीशान बंगले में घुसने की कोशिश करने के आरोप में सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया है। एंथनी थॉमस रेयस नामक ये व्यक्ति ट्रंप के निजी बंगले में क्यों घुसा उसकी वजह जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। दरअसल, 23 साल का ये नौजवान डोनाल्ड ट्रंप की 18 साल की पोती से मिलने और उसे प्रपोज करने के इरादे से मार-ए-लागो के आलीशान बंगले में पहुंचा था। लेकिन वो इसमें नाकाम रहा।

क्या है पूरा मामला : टेक्सास के 23 वर्षीय एंथनी थॉमस रेयेस को 3 जून की सुबह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पाम बीच एस्टेट मार-ए-लागो की परिधि की दीवार फांदने के बाद गिरफ्तार किया गया है। लेकिन मार-ए-लागो में अनाधिकार एंट्री करने के पीछे एंथनी का मकसद क्या था? जवाब है डोनाल्ड ट्रंप की पोती काई ट्रंप। रेयेस ने कथित तौर पर सीक्रेट सर्विस एजेंटों से कहा कि वो काई ट्रंप को शादी के लिए प्रपोज करने के इरादे से दीवार फांदकर अंदर घुसा था।

बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने जारी किया एक नया अध्यादेश

बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान अब नहीं रहे 'स्वतंत्रता सेनानी'

ढाका (आईएएनएस)

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने 1971 के मुक्ति संग्राम के 400 से अधिक प्रमुख व्यक्तियों का स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा रद्द कर दिया है। इसमें बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान भी शामिल हैं। दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 'स्वतंत्रता सेनानी' को लेकर एक नया अध्यादेश जारी किया है। इस आदेश के जरिए उन्होंने 'स्वतंत्रता सेनानी' (बीर मुक्तिजोद्धा) की परिभाषा को बदलते हुए बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान समेत 400 प्रमुख व्यक्तियों का स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा रद्द कर दिया है। मंगलवार रात को जारी किए गए अध्यादेश में राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी परिषद अधिनियम में संशोधन किया गया है। इसमें स्वतंत्रता सेनानी शब्द को फिर से परिभाषित किया गया है। इसमें कहा गया है कि मुक्ति संग्राम के दौरान बनी मुजीबनगर सरकार से जुड़े राष्ट्रीय और प्रांतीय सभा के सदस्य, जो बाद में संविधान सभा के सदस्य बने, उन्हें 'स्वतंत्रता सेनानी' की बजाय 'मुक्ति संग्राम का सहयोगी' माना जाएगा।इ सके अलावा, इस नई श्रेणी में वे पेशेवर भी शामिल हैं, जिन्होंने विदेश में रहकर मुक्ति संग्राम में योगदान दिया। साथ ही वैश्विक जनमत बनाने में मदद करने वाले बांग्लादेशी नागरिक, मुजीबनगर सरकार में अधिकारी और कर्मचारी, चिकित्सक, नर्स और अन्य सहायक भी इसमें शामिल हैं।

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र प्रोथोम आलो की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वाधीन बांग्ला बेतार केंद्र के सभी कलाकार और कर्मचारी, देश-विदेश में मुक्ति संग्राम का समर्थन करने वाले बांग्लादेशी पत्रकार और स्वाधीन बांग्ला फुटबॉल टीम भी इस परिभाषा में शामिल हैं। यह अध्यादेश अब बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान, पूर्व प्रधानमंत्री ताजुद्दीन अहमद, पूर्व कार्यवाहक राष्ट्रपति सैयद नजरूल इस्लाम और 400 से अधिक अन्य लोगों के स्वतंत्रता सेनानी के दर्जे को प्रभावित करेगा, जो संविधान सभा के सदस्य थे और अब तक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में पहचाने जाते थे।

नए अध्यादेश के अनुसार, मुक्ति संग्राम को परिभाषित किया गया है कि 'यह युद्ध 26 मार्च से 16 दिसंबर, 1971 तक लड़ा गया था, जिसका उद्देश्य बांग्लादेश के लोगों के लिए एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक राज्य के रूप में समानता, मानवीय गरिमा और सामाजिक न्या य स्थापित करना था। यह युद्ध पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और उनके सहयोगियों- रजाकार, अल-बदर, अल-शम्स, मुस्लिम लीग, जमात-ए-इस्लामी, निजाम-ए-इस्लाम और शांति समिति के खिलाफ था'। अध्यादेश में कहा गया, "बीर मुक्तिजोद्धा (स्वतंत्रता सेनानी) वह व्यक्ति है, जिसने 26 मार्च से 16 दिसंबर 1971 के बीच या तो देश के गांवों में युद्ध की तैयारी की और प्रशिक्षण लिया या भारत में विभिन्न प्रशिक्षण शिविरों में शामिल होने के लिए सीमा पार की, ताकि मुक्ति संग्राम में भाग ले सके। इन व्यक्तियों ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता के लिए पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और उनके स्थानीय सहयोगियों के खिलाफ सक्रिय रूप से युद्ध में हिस्सा लिया। नए अध्यादेश में 'राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान' का नाम हटा दिया गया है और कानून के उन हिस्सों को भी हटा दिया गया है, जिनमें उनके नाम का जिक्र किया गया था।

अफसान चौधरी बोले- मुक्ति संग्राम की सूची में राजनीति

मुक्ति संग्राम के शोधकर्ता अफसान चौधरी ने इस कदम को 'नौकरशाही का फैसला' बताया। बांग्लादेशी अखबार 'द डेली स्टार' से बात करते हुए उन्होंने कहा, "हम 1972 से यह देखते आ रहे हैं कि हर बार जब नई सरकार सत्ता में आती है, वे स्वतंत्रता सेनानियों की नई सूची बनाते हैं। इसमें व्यक्तिगत लाभ शामिल होते हैं। उन्होंने कहा, "लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। आम लोगों के दिलों में मुक्ति संग्राम हमेशा की तरह ही रहेगा।

400 से अधिक प्रमुख व्यक्तियों का स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा किया गया है रद्द

पत्रकारों से पुलिस स्टेशन में मारपीट किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

मध्य प्रदेश सरकार को जारी किया नोटिस

मध्य प्रदेश में रेत माफिया के आतंक का मामला

ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में बीते 20 वर्ष में रेत माफिया सत्ता व पुलिस से मिल रहे तथाकथित शह से इतने शक्तिशाली व निडर हो गये हैं कि अवैध रेत खनन का विरोध करने वाले शिक्षक , पटवारी से लगायत समाज सेवियों तक को ट्रैक्टर आदि से कुचल कर मार दिये । तमाम पत्रकारों को मारे - पीटे । फिलहाल जो घटना घटी है उसमें रेत माफिया ने खिलाफ रिपोर्टिंग करने पर पत्रकारों से पुलिस स्टेशन में मारपीट की। पत्रकार अमरकांत चौहान को भिंड के पुलिस अधीक्षक ने कथित रूप से उनकी पिटाई की ।यह मामला जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा है तो सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट कोर्ट ने रेत माफिया पर रिपोर्टिंग करने के लिए पुलिस स्टेशन में पत्रकारों से मारपीट मामले में मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति संजय करोल व न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने पत्रकार शशिकांत गोयल व अमरकांत सिंह चौहान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई और मध्य प्रदेश को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। याचिकाकर्ताओं के वकील ने पीठ से कहा कि याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया जाए। पीठ ने कहा कि दूसरे पक्ष को जवाब देने दीजिए। राज्य को भी तथ्य पेश करने दीजिए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर नोटिस जारी किया और नौ जून को अगली सुनवाई तय की। इसके पहले 28 मई को दिल्ली उच्च न्यायालय ने पत्रकार अमरकांत चौहान को सुरक्षा प्रदान की थी। उन्होंने दावा किया था कि भिंड के पुलिस अधीक्षक ने कथित रूप से की उनकी पिटाई की। इससे उनकी जान को खतरा है। उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को चौहान को दो महीने तक सुरक्षा देने का निर्देश दिया था।

पहले कोरोना वायरस और अब फंगस, चीन रच रहा नई बीमारी फैलाने की साजिश?

तुरंत एक्टिव हुई एफबीआई

नई दिल्ली । एजेंसी

दुनियाभर में कोरोना वायरल फैलाने वाला चीन अब एक बार फिर से क्या कोई नई बीमारी फैलाने की साजिश रच रहा है? चीन के बायो वेपन इस्तेमाल को लेकर अमेरिका से एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका में चीन के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से फ्यूसैरियम ग्रैमिनियरम नामक फंगस मिला है। इसे बायो वेपन के तौर पर चीन की लैब से अमेरिका लाया गया था। अमेरिका का कहना है कि ये फंगस फसलों को बर्बाद करने के साथ साथ इंसानों और जानवरों को भी बीमार कर देता है। इसलिए अमेरिकी वैज्ञानिकों ने इसे एग्रो टेररिज्म वेपन यानी कृषि आतंकवाद कहा है। जिससे जौ, गेहूं, धान और मक्का जैसी फसलें बर्बाद हो जाती हैं।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से कनेक्शन : साक्ष्य यह भी संकेत देते हैं कि जियान ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी व्यक्त की थी और चीन में इस रोगज़नक़ पर इसी तरह के काम के लिए चीनी सरकार से धन प्राप्त किया था। जियान के प्रेमी जुनयोंग लियू पर भी शिकायत में आरोप लगाया गया है। जुनयोंग एक चीनी विश्वविद्यालय में काम करता है जहाँ वह उसी रोगज़नक़ पर रिसर्च करता था। लियू पर आरोप है कि उन्होंने पहले झूठ बोला, फिर स्वीकार किया कि उन्होंने डेट्रॉयट मेट्रोपॉलिटन हवाई अड्डे के माध्यम से फ्यूजेरियम ग्रैमिनीरम की तस्करी अमेरिका में भी की थी, जिससे वो मिशिगन विश्वविद्यालय में इस पर रिसर्च कर सकें।

कैसे चीन की साजिश का हुआ पर्दाफाश?

एफबीआई निदेशक काश पटेल ने पूरे मामले पर एक्स पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। उन्होंने कहा कि मैं पुष्टि कर सकता हूँ कि एफबीआई ने संयुक्त राज्य अमेरिका में एक चीनी नागरिकको गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर देश में एक खतरनाक जैविक रोगज़नक़ फंगस की तस्करी की थी। युनकिंग जियान नामक व्यक्ति पर आरोप है कि उसने फ्यूसैरियम ग्रैमिनियरम नामक एक खतरनाक की तस्करी की है।

भारत ने कितना मारा डोजियर बांट-बांट कर बिलावल भुट्टो ने दुनिया को बताया

ढाका । एजेंसी

अमेरिका पहुंचते ही बिलावल भुट्टो ने रोना शुरू कर दिया। भारत पाकिस्तान के बीच तनाव के बारे में बिलावल जो डोजियर साथ में लेकर गए हैं, उसमें पाकिस्तान ने कई चौंकाने वाली बातें कही हैं। पाकिस्तान ने माना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने बलूचिस्तान को छोड़कर उसके हर सूबे पर अटैक किया।

यानी पीओके के साथ साथ पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनवा पर भारत के जबरदस्त हमले की बात फॉर्मली पूरी दुनिया के सामने मान ली। पाकिस्तान के डोजियर में लिखा है कि भारत के निशाने पर खासतौर पर पाकिस्तान का पंजाब सूबा था। नॉर्थ में रावलपिंडी, गुजरात और लाहौर से लेकर साउथ पंजाब में रहीम यार खान तक पंजाब के 16 ठिकानों पर हमले किए गए। इसके अलावा भारतीय सेना ने राजधानी कराची और दूसरे सबसे बड़े शहर हैदराबाद के अलावा छोर, मानो और जकोवाबाद में उसके एयरबेस को निशाना बनाया। खैबर पख्तूनवा में पेशावर तक अटैक किया गया।

वेबसाइट पर बुकिंग शुरू होते ही टिकट खत्म होने की हुई जांच

आईआरसीटीसी ने बंद किए 2.5 करोड़ फर्जी यूजर आईडी

ब्यूरो

नई दिल्ली। यदि आप कुछ - कुछ माह पर कहीं जाने के लिए रेलवे टिकट बुकिंग कराने जाते होंगे तो इस बात से परेशान हो जाते होंगे कि कुछ खास ट्रेनों में टिकट बुकिंग शुरू होते ही मिनटों में ही दो माह तक की (60 दिन) यात्रा के टिकट वेटिंग में कैसे आ जाते हैं। इस बारे में जब लगातार मीडिया में आया , लोगों ने शिकायत की , तब रेल मंत्रालय सांस डकार लिया। जांच शुरू हुई तो आईआरसीटीसी को पता चला कि बीते पांच महीनों में, 2.9 लाख संदिग्ध पीएनआर वाले टिकट हैं। जो सामान्य व तत्काल टिकटों की बुकिंग शुरू होने के मात्र पांच मिनट के भीतर खरीदे गए थे।इन पीएनआर नंबर वाले टिकटों की बुकिंग के लिए फर्जी यूजर आईडी के उपयोग किये गये थे। जिसके बाद ऐसे 2.5 करोड़ फर्जी यूजर आईडी बंद की गईं।इसके अलावा 20 लाख यूजर आईडी को दोबारा जांच के लिए रखा गया है।कहा जा रहा है कि यह सब एक विशेष अभियान के तहत किया गया।एक अफसर के अनुसार राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर 134 शिकायतें दर्ज की गई हैं और 6,800 से ज्यादा डिस्पोजेबल ईमेल डोमेन को ब्लॉक कर दिया गया है। इस अभियान को और तेज किया जाएगा। डिस्पोजेबल ईमेल एड्रेसिंग का मतलब है कि हर संपर्क या काम के लिए एक अलग ईमेल एड्रेस का इस्तेमाल करना। या फिर इसे कुछ ही बार इस्तेमाल करना। धोखेबाज लोग इन तरीकों का इस्तेमाल टिकट बुक करने और मजबूर यात्रियों से ज्यादा पैसे वसूलने के लिए कर रहे हैं। रही बात सभी टिकटों के जल्दी बुक हो जाने की समस्या , तो ये कुछ खास रूटों और ट्रेनों तक ही सीमित हैं। एक अधिकारी के अनुसार - हमारा ध्यान उन यूजर्स को हटाने पर है जो सिस्टम को धोखा दे रहे हैं। यात्रियों को दोष नहीं दिया जा सकता, क्योंकि कंफर्म टिकट की सही में कमी है। इसलिए, क्षमता बढ़ाने व ज्यादा ट्रेनें चलाने की कोशिश की जा रही है, विशेषकर यात्रा के व्यस्त समय में। इसके बारे में रेलवे के साहबों का कहना है कि आईआरसीटीसी ने सिस्टम में सुधार के लिए बहुत से नये -नये कदम उठाए हैं। इसमें लीडिंग कंटेंट डिलीवरिंग नेटवर्क व एंटी-बाट एप्लीकेशन का इस्तेमाल शामिल है। एंटी-बाट एप्लीकेशन एक तरह की सुरक्षा तकनीक है। इसका उपयोग यह पहचानने के लिए किया जाता है कि टिकट बुक करने वाला आदमी है या कोई कंप्यूटर प्रोग्राम (बॉट)। इससे असली यात्रियों के लिए बुकिंग प्रक्रिया आसान हो जाती है।लेकिन इस तरह पहचान के लिए पहले भी तो हो ही रहा था, इस सवाल पर अफसर साहब कोई सटीक जवाब नहीं दिये।

● 20 लाख यूजर आईडी को दोबारा जांच के लिए रखा गया है

लंबे समय से टल रही 'द राजा साब' की रिलीज डेट घोषित...

16 जून को आएगा प्रभास की फिल्म का टीजर

अभिनेता प्रभास और निर्देशक मारुति की लंबे समय से अटकी फिल्म 'द राजा साब' इस साल के अंत में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने मंगलवार को रिलीज की तारीख और टीजर रिलीज की तारीख की घोषणा की। 'द राजा साब' को गर्मियों के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था। हालांकि, वित्तीय और प्रोडक्शन मुद्दों के कारण फिल्म में देरी हुई है। 'द राजा साब' का पोस्टर शेयर करते हुए, फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हॉरर जॉनर के साथ तालमेल रखते हुए, फिल्म का टीजर 16 जून को रात 10:52 बजे लॉन्च किया जाएगा।

राजा साहब की रिलीज डेट

मारुति दासारी द्वारा लिखित और निर्देशित, तमिल भाषा की इस फिल्म में प्रभास, निधि अग्रवाल, संजय दत्त, साई पल्लवी, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का नया पोस्टर शेयर करके मेकर्स ने खुलासा किया कि 'द राजा साहब' 5 दिसंबर, 2025 को बड़े पर्दे पर आएगी।